हरिभूमि
मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी

यह है प्राण प्रतिष्ठा का मंत्र

अस्यै प्राणा: प्रतिष्ठन्तु अस्यै प्राणा: क्षरन्तु च
अस्यै, देवत्य मचयै माम्हेति च कश्चन।
ऊं श्रीमन्महागणाधिपतये नम: सुप्रतिष्ठितो भव,
प्रसन्नो भव, वरदा भव।।

पृथ्वी का 'सबसे बड़ा दिन'....5 सदी बाद आई शुभ घड़ी....आज देश भर में 'राम-दिवाली'

◆ बहु-प्रतीक्षित प्राण प्रतिष्ठा समारोह आज, प्रात: काल 10 बजे 'मंगल ध्वनि' से गूंजेगा अयोध्याधाम, 84 सेकंड का शुभ मुहूर्त, पूजन विधि दोपहर 12:20 बजे से शुरू होगी

भारत के भाग्य अब 'जाग' जाएंगे

हेलीकॉप्टर से पुष्पों की वर्षा भी होगी, प्राण-प्रतिष्ठा समारोह पूर्ण होने के उपरांत 'राम ज्योति' प्रज्ज्वलित कर दीपावली मनाई जाएगी। शाम को अयोध्या 10 लाख दीपों से जगमगाएगी

आज 'राम' आएंगे

अयोध्या में सभी भक्तों को मिलेगा देशी घी के लड्डुओं और रोली का प्रसाद

अनिल के अंकुर/टीएन मिश्र ⏭ अयोध्या

500 साल के लंबे संघर्ष के बाद यह दिव्यतम व स्वर्णिम क्षण। आज का दिन पृथ्वी का सबसे बड़ा दिन है। आज देश भर में 'राम दीवाली' मनेगी। आज भगवान श्री रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा होगी। अयोध्या में सोमवार को होने वाले प्राण प्रतिष्ठा समारोह में देश भर के विभिन्न प्रदेशों के प्रसिद्ध वाद्ययंत्रों का भी वादन होगा। इन स्वर लहरियों के बीच श्रीरामलला अपने सिंहासन पर विराजमान होंगे।

भक्ति भाव से विभोर अयोध्याधाम में श्रीराम जन्मभूमि में होने वाली प्राण प्रतिष्ठा समारोह में सोमवार प्रातःकाल 10 बजे से मंगल ध्वनि का भव्य वादन किया जाएगा। इस समारोह के दौरान 50 से अधिक मनोरम वाद्ययंत्रों, विभिन्न राज्यों से आए कलाकार लगभग 2 घंटे तक इस शुभ अवसर पर अपनी मनोरम प्रस्तुति देंगे। प्राण प्रतिष्ठा समारोह में राम लला की नई मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी,जिसमें ▸▸ शेष पेज 4 पर

प्राण प्रतिष्ठा की मुख्य पूजा अभिजीत मुहूर्त में

इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, लोकप्रिय क्रिकेटर, मशहूर हस्तियां, उद्योगपति, संत और विभिन्न देशों के प्रतिनिधियों को न्योता मिला है। मेहमानों को 10:30 बजे तक रामजन्मभूमि परिसर में प्रवेश करना होगा। प्राण प्रतिष्ठा की मुख्य पूजा अभिजीत मुहूर्त में की जाएगी। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का समय काशी के विद्वान गणेश्वर शास्त्री द्रविड़ ने निकाला है। यह कार्यक्रम पौष माह के द्वादशी तिथि (22 जनवरी 2024) को अभिजीत मुहूर्त, इंद्र योग, मृगशिरा नक्षत्र, मेष लग्न एवं वृश्चिक नवांश में होगा।

इन वाद्ययंत्रों से होगा प्रभु श्री राम का स्वागत

भारतीय परंपरा के वादन में जितने प्रकार के वाद्ययंत्र हैं, सभी का मंदिर प्रांगण में वादन होगा। इनमें उत्तर प्रदेश का पखावज, बांसुरी, ढोलक, कर्नाटक का वीणा, महाराष्ट्र का सुंदरी, पंजाब का अलगोजा, ओडिशा का मर्दल, मध्यप्रदेश का संतूर, मणिपुर का पुंग, असम का नगाड़ा और काली, छत्तीसगढ़ का तंबूरा, बिहार का पखावज, दिल्ली की शहनाई, राजस्थान का रावणहत्था, बंगाल का श्रीखोल, सरोद, आंध्र का घटम, झारखंड का सितार, गुजरात का संतार, तमिलनाडु का नागस्वरम,तविल, मृदंग और उत्तराखंड का हुड़का शामिल हैं।

रविवार रात 8 बजे रामलला की मूर्ति रखी गई

श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास ने बताया कि रामलला की मूर्ति जो वर्तमान में अस्थायी मंदिर में है, रविवार को शाम 8 बजे नए मंदिर में रखी गई। जहां नई मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठान कल की जाएगी।

शुभ मुहूर्त दिन के 12 बजकर 29 मिनट और 08 सेकंड से

शुभ मुहूर्त दिन के 12 बजकर 29 मिनट और 08 सेकंड से 12 बजकर 30 मिनट और 32 सेकंड तक का रहेगा। यानि प्राण प्रतिष्ठा का शुभ मुहूर्त केवल 84 सेकंड का है। पूजा-विधि के जजमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों श्रीरामलला के विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा होगी। इस दौरान 150 से अधिक परंपराओं के संत-धर्माचार्य और 50 से अधिक आदिवासी, गिरिवासी, तटवासी, द्वीपवासी, जनजातीय परंपराओं की भी उपस्थिति होगी। सभी पूजा-विधि समाप्त होने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, संघ प्रमुख मोहन भागवत संदेश देंगे। वहीं श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्यगोपाल दास आशीर्वाद देंगे।

चार घंटे अयोध्या में रहेंगे पीएम मोदी

पीएम मोदी सोमवार को चार घंटे अयोध्या में रहेंगे। सुबह 10:25 बजे अयोध्या एयरपोर्ट और 10:55 पर राम जन्मभूमि पहुंचेंगे। 12:05 बजे प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होने के बाद एक बजे प्रस्थान कर सभा को संबोधित करेंगे। 2:10 पर कुबेर टीला पर शिव मंदिर में पूजन-दर्शन कर दिल्ली लौट जाएंगे।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

पांच स्तरीय होगी पीएम मोदी की सुरक्षा व्यवस्था

अयोध्या। प्राण प्रतिष्ठा समारोह में पीएम नरेंद्र मोदी समेत तमाम वीवीआईपी का आगमन होगा। एजेंसियों के लगभग 30,000 से अधिक जवान पहुंच चुके हैं। पीएम का अभेद्य सुरक्षा घेरा पांच स्तरीय होगा। इसके लिए एसपीजी के 35 जवान और एटीएस के 550 कमांडो डेरा डाले हुए हैं।

इसरो ने साझा कीं उपग्रह से खींची 'राम मंदिर' की तस्वीरें

अंतरिक्ष से दिखा खूबसूरत नजारा

नई दिल्ली। अयोध्या के राम मंदिर में रामलला की सोमवार को प्राण प्रतिष्ठा होगी। राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को लेकर तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। देशभर के मंदिरों में इस कार्यक्रम को लेकर उत्साह है। अयोध्या स्थित मंदिरों को फूलों से सजाया गया है। इसी बीच, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने मंदिर से जुड़ी ऐसी तस्वीरें साझा की, जिसे देखा जा सकता है। इसरो ने अपने स्वदेशी उपग्रहों की मदद से अंतरिक्ष से राम मंदिर की तस्वीरें खींची।

पीएम का 'कठोर व्रत'

यहीं पर राम सेतु का निर्माण हुआ था

तमिलनाडु के धनुषकोडी स्थित श्री कोदंडराम स्वामी मंदिर में की पूजा-अर्चना

जहां पहली बार श्री राम से मिले थे विभीषण,वहां पहुंचे पीएम मोदी

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

अपने दो दिवसीय दक्षिण भारत के दौरे के तहत पीएम मोदी रविवार को धनुषकोडी के पास अरिचल मुनाई में पहुंचे। अरिचल मुनाई के बारे में कहा जाता है कि है कि यहीं पर राम सेतु का निर्माण हुआ था।

इसके बाद पीएम मोदी धनुषकोडी पहुंचे, जहां भगवान राम ने रावण को हराने की शपथ ली थी। यहीं से पवित्र मिट्टी लेकर वह लंका के लिए आगे बढ़े थे। इन यात्राओं का काफी महत्व है क्योंकि पीएम सोमवार को राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के लिए अयोध्या जा रहे हैं।

धनुषकोडी मंदिर का महत्व

यह मंदिर श्री कोदंडराम स्वामी को समर्पित है। कोठंडाराम नाम का अर्थ धनुषधारी राम है। यह धनुषकोडी नामक स्थान पर स्थित है। ऐसा कहा जाता है कि यहीं पर विभीषण पहली बार श्री राम से मिले थे और उनसे शरण मांगी थी। इसके बारे में ऐसा भी कहा जाता है कि यही वह स्थान है जहां श्री राम ने विभीषण का राज्याभिषेक किया था। रामकथा के मुताबिक युद्ध शुरू होने से पहले रावण के भाई विभीषण ने रावण को समझाने ▸▸ शेष पेज 4 पर

हरिभूमि
भोपाल भूमि फ्रंट पेज
भोपाल, सोमवार 22 जनवरी 2024

राजधानी में रोशनी से जगमगाए मंदिर, घर और प्रतिष्ठान
आज राम दिवाली

महाआरती और 11 हजार दीपों से रोशन होगा मंदिर

शहर के प्राचीन श्रीराम मंदिर गुरुबख्श की तलैया में रविवार से दो दिवसीय आयोजन शुरू किए गए हैं। मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष पंडित ओम मेहता ने बताया कि 21 जनवरी को राम चरित्र मानस पाठ से इसका शुभारंभ किया गया। जिसका समापन सोमवार को सुबह नौ बजे होगा। 9.30 बजे से भक्ती संगीत का आयोजन दोपहर तक चलेगा। 12.30 बजे महाआरती के बाद महाप्रसादी वितरण का आयोजन रखा गया, जो शाम तीन बजे तक चलेगा। अयोध्या में रामजी की प्राण प्रतिष्ठा के रूप में शाम को 11 हजार दीपों से पूरे मंदिर को रोशन किया जाएगा।

राजधानी में पीरगेट स्थित कर्फ्यू वाली माता मंदिर के सामने स्थापित अयोध्या धाम की झांकी में रविवार को हजारों रामभक्त जुटे और उन्होंने ने हनुमान चालीसा का पाठ किया। इसके बाद यहां जमकर रंग-बिरंगी आतिशबाजी की गई और प्रसादी का वितरण किया गया, जिसे श्रद्धालुओं ने पूरी श्रद्धा के साथ ग्रहण किया।

प्रदेश भाजपा कार्यालय में रविवार शाम को कार्यकर्ताओं का उत्साह देखते ही बन रहा था। यहां दोपहर में महिला कार्यकर्ताओं ने रंगोली बनाई। इसके बाद शाम होते ही वरिष्ठ नेतृत्व के यहां पहुंचने पर जमकर आतिशबाजी की गई। इसके बाद सभी कार्यकर्ताओं ने एक दूसरे को मिठाई खिलाई।

प्राण-प्रतिष्ठा से एक दिन पहले राजधानी हुई राममय, जगह-जगह निकली शोभायात्रा, हनुमान चालीसा, सुंदरकांड व आतिशबाजी कर बांटी मिठाइयां

जय रघुनंदन, हार्दिक अभिनंदन...

आज भोपाल में चार जगह होगी प्राण-प्रतिष्ठा,जगह-जगह दीपदान और भंडारे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

अयोध्या में श्रीरामलला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह से एक दिन पहले रविवार को राजधानी राममय हो गई। कई जगहों व मंदिर में दिन व रात तक में सुंदरकांड, हनुमान चालीसा और राम चरित्र मानस का पाठ किया तो वहीं कई जगह शोभायात्रा,कलश यात्रा निकाली गई। इसी तरह रात में दीपदान कर लोगों ने मिठाई वितरण की।

खास बातें

- आज श्रीराम कॉलोनी में निकलेगी प्रभात फेरी, खेड़ापति हनुमान मंदिर पर होगा भंडारा
- बाग सेवनिया में एक हजार श्रद्धालुओं ने निकाली शोभायात्रा

कोलार की सागर प्रीमियम सोसायटी में विशेष साज-सज्जा के तहत बड़ी रंगोली बनाई गई है।

आनंद नगर के श्रीराम मंदिर से निकाली विशाल कलश यात्रा

11 हजार महिलाओं ने निकाली यात्रा

रविवार को राजधानी के आनंद नगर श्रीराम मंदिर से 11 हजार महिलाओं ने कलश यात्रा निकाली। महिलाएं सिर पर कलश रख केसरिया साड़ी पहने यात्रा में शामिल हुई। इस दौरान पिपलानी,पटेल नगर, बिजली कॉलोनी, रत्नागिरी आदि जगहों से होती हुई यह यात्रा निकाली। वहीं, बाग सेवनिया क्षेत्र में एक हजार श्रद्धालुओं ने शोभायात्रा निकाली। काली मंदिर, राम मंदिर को लाइटों से सजाया गया।

बावड़ियाकलां में होगी प्राण-प्रतिष्ठा

बावड़िया कलां होशंगाबाद रोड स्थित मां दुर्गा के मंदिर में भगवान राम के दरबार की प्राण-प्रतिष्ठा होगी। विष्णु हाईटेक सोसायटी मंदिर समिति के अध्यक्ष संतोष श्रीवास्तव ने बताया कि पिछले 14 सालों से चल रहे प्रयासों के बाद अब रहवासियों का सपना पूरा हो गया है। बिल्डर ने साढ़े तीन हजार स्क्वायर फीट की जगह पर भव्य मंदिर बनाने की बात की थी। पर आधा अधूरा स्ट्रक्चर बनाकर दे दिया।

भोपाल से जाएंगे अयोध्या भंडारे में सेवा करने

ओम शिव शक्ति सेवा मंडल की ओर से तीन भंडारे अयोध्या के मंदिर परिसर में लगेंगे, जिसमें सेवा करने भोपाल से युवक जाएंगे।

बोट क्लब पर 51 हजार दीप जलाएंगे

22 जनवरी को बड़ा तालाब दीपों से जगमगाएगा। विभिन्न संगठनों की ओर से बोट क्लब में 51 हजार दीप जलाए जाएंगे।

मां वैष्णो धाम आदर्श नवदुर्गा मंदिर

51 किलो रंगोली से 25 फीट की भगवान राम के बाल स्वरूप की तस्वीर,जलाए 2100 दीप

संस्कृति बचाओ मंच के तत्वावधान में भगवा कलर के बैलून से सजाया गया पूरा परिसर

छिंदवाड़ा की कलाकार अंजलि डेहरिया ने 24 घंटे में किया इस रंगोली का निर्माण

संस्कृति बचाओ मंच के अध्यक्ष एवं मां वैष्णो धाम आदर्श नो दुर्गा मंदिर में अयोध्या में 500 वर्षों के बाद विराजमान हो रहे भगवान राम लला के उपलक्ष्य में भगवा कलर के बैलून से सजाया गया। तो वहीं भगवान राम दरबार को विशेष रूप से नए वस्त्र धारण कर कर सिंगार किया गया एवं भगवान राम के बाल स्वरूप की 51 किलो रंगोली से तस्वीर बनाई गई। जो की छिंदवाड़ा की कलाकार अंजलि डेहरिया द्वारा 24 घंटे में इस रंगोली का निर्माण किया गया। भक्तों ने यहां 2100 दीपक जलाए एवं माता वैष्णो गुरुकुल के बटुक ब्राह्मणों ने भजन कीर्तन गाकर भगवान राम लला का स्वागत कर खुशियां मनाईं।

हजारों ने किया सवा लाख हनुमान चालीसा पाठ

अयोध्या नगर इलाके के टनाटन ढाबे के पास जन जागृति समिति ने हनुमान चालीसा के पाठ का आयोजन किया। हजारों लोगों ने सवा लाख बार हनुमान चालीसा का पाठ किया। महिलाएं, बच्चे, बुजुर्ग सभी ने अलग-अलग पंक्तियों में बैठ कर हनुमान चालीसा का पाठ किया। अंत में 5 हजार एक सौ दीपों की आरती की गई, और भक्तों को प्रसाद वितरित किया गया। हिंदू समाज में आनंद उत्सव मनाने के लिए विश्व हिंदू परिषद के आवाहन पर जन जागृति समिति द्वारा भव्य दिव्य सवा लाख श्री हनुमान चालीसा का पाठ आयोजन रविवार को संपन्न हुआ। इस मौके पर हिंदुवादी वक्ता दीदी काजल हिंदुस्तानी मौजूद रही।

दंपति की मनोकामना: श्री रामलला प्राण-प्रतिष्ठा के दिन ही जन्म ले उनका बच्चा

आज जेपी, हमीदिया और काटजू अस्पताल में रामधुन के बीच जन्म लेंगे 'राम-सीता'

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

कभी किसी सेलिब्रिटी की बर्थ तारीख पर या किसी खास तिथि पर बच्चा जन्म कराने के बारे में सुना होगा। लेकिन अब राजधानी भोपाल के कई दंपति की मनोकामना है कि 22 जनवरी के दिन अयोध्या राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के दिन बच्चा पैदा हो। राजधानी के हमीदिया, जेपी और काटजू अस्पताल में रामधुन बजाई जाएगी। इतना ही नहीं 22 जनवरी को जन्म लेने वाले बच्चों को पीले और भगवा वस्त्र पहनाए जाएंगे। कई प्रसूताओं ने सिजेरियन डिलीवरी करवाने का शेड्यूल भी इसी तारीख को लिया है।

खास बात

- सिजेरियन डिलीवरी कराने के लिए कई प्रसूताओं ने करा दी 22 जनवरी की तारीख जय

आज 150 से ज्यादा सिजेरियन डिलीवरी का शेड्यूल

महिलाओं के लिए रिजर्व्ड काटजू अस्पताल में 18 सिजेरियन, जेपी अस्पताल में 20 और हमीदिया अस्पताल में 40 सिजेरियन होना प्रस्तावित है। जबकि शहर के निजी अस्पतालों में 90 से अधिक सिजेरियन डिलीवरी होने का शेड्यूल तय किया गया है। डॉक्टरों के अनुसार कई लोगों ने आग्रह किया है कि वह रामलाल की प्राण प्रतिष्ठा के दिन यानी 22 जनवरी को ही अपने बच्चों का जन्म चाहते हैं।

नवजात को पहनाए जाएंगे भगवा वस्त्र

राजधानी के सरकारी अस्पतालों में होने वाली डिलीवरी में नवजात बच्चों को भगवा और पीले रंग के कपड़े पहनने का प्लान बनाया जा रहा है। इसके लिए कई जगह परिजनों को भी कहा गया है कि वह बच्चों के लिए जो कपड़े लेकर आएं वह भगवा या पीले रंग के ही हों।

बेटे का राम, बेटी का नाम रखेंगे सीता

अरेरा कॉलोनी के राकेश मिश्रा ने बताया कि यदि 22 तारीख को हमारे घर में बच्चा पैदा होता है, तो वह भी श्री राम के समान होगा। यदि लड़का हुआ तो राम और लड़की हुई तो सीता नाम रखेंगे। हमें खुशी होगी, क्योंकि इस दिन अयोध्या में श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा होने जा रही है।

अस्पताल में 22 जनवरी को लेबर रूम (प्रसव कक्ष) में रामधुन बजाई जाएगी। रामधुन से डिलीवरी के वक्त गर्भवती महिलाओं पर भी अच्छा असर होगा। कई गर्भवती महिलाओं द्वारा बच्चे के जन्म के लिए 22 जनवरी का दिन लिया है।

डॉ. राकेश श्रीवास्तव
अधीक्षक, जेपी अस्पताल

भोपाल
सोमवार, 22 जनवरी 2024
पौस मास शुक्ल पक्ष- 12
वर्ष : 10, अंक : 306
पृष्ठ : 14+8=22 मूल्य : 4.00 **

मौसम
अधि. 20
न्यून. 08

हरिभूमि
मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi com

पुजारा ने बना डाले 20000 रन, खास क्लब में एंट्री

नई दिल्ली। भारतीय बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने एक खास फेहरिस्त में अपनी जगह बना ली है। वह फर्स्ट क्लास क्रिकेट में 20 हजार रन बनाने वाले चौथे भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं। इससे पहले सचिन तेंदुलकर, सुनील गावस्कर और राहुल द्रविड़ ने यह कारनामा किया है। फर्स्ट क्लास क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की फेहरिस्त में पूर्व भारतीय दिग्गज सुनील गावस्कर पहले नंबर पर हैं।

पूरे प्रदेश के घर-द्वार, मंदिर, बाजार, सरकारी कार्यालय, अस्पताल, स्कूल-कॉलेज सभी रोशनी से नहाए, सभी जगह बजेगी रामधुन

आज घर-घर में जलेगी श्री राम ज्योति, ये दिवाली 'श्री राम' वाली

इंदौर में जलेंगे 1 करोड़ दीये, प्रदेश में करीब 100 करोड़ से ज्यादा की होगी आतिशबाजी

- प्रदेश के हर मंदिर में भंडारे, कोई हलवाई खाली नहीं, मिठाई बनाने वालों के हाथ नहीं थम रहे, सारी मिठाई बिकी
- सभी शहरों व मंदिरों में कहीं 1 क्विंटल पेड़े, कहीं 500 किलो बूंदी तो कहीं हजार किलो तक बंटेंगे लड्डू
- दीये इतने बने पर इतनी खरीदारी हुई कि कम पड़ गए, बिजली वाली लाइटों का दिवाली से बड़ा रहा ऑर्डर
- दीये लगाने के लिए बाती व तेल की पहली बार मप्र में इतनी खपत देखी गई
- सभी संगीत व भजन मंडलियां बुक, हनुमान चालीसा व सुदरकांड करने वाले खाली नहीं
- भगवा पताकाओं की ऐसी बिक्री कभी नहीं हुई, पूरा प्रदेश इन पताकाओं से पटा पड़ा है
- लेजर शो भी पूरे प्रदेश में हो रहे हैं, जल-थल व नभ में रामलला के दर्शन हो रहे हैं

भोपाल में करीब 50 करोड़ वहीं, मप्र में 300 करोड़ के व्यापार का अनुमान

इंदौर में नासिक की पार्टी बजाएगी ढोल

सोमवार को सुबह इंदौर में नासिक से ढोल पार्टी आकर यहां पर अयोध्या में राम भगवान की प्राण-प्रतिष्ठा के समय ढोल और नगाड़े बजाएगी। शाम को एसोसिएशन की और से 11 हजार दीपक बाजार में लगाए जाएंगे। भगवान गणेश के मुख्य मंदिर खजराना में उत्सव का माहौल है। पूरे मंदिर को सजाया संवारा गया है। यही स्थिति उज्जैन में महाकाल मंदिर व अन्य मंदिरों की भी है। भगवान श्री राम के मंदिर की प्रतिकृति 56 बाजार में बनकर तैयार है।

आनंद नगर राम मंदिर में उमड़ी भीड़, न्यूमार्केट जगमग।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

श्री रामलला के आगमन की तैयारियां न सिर्फ अयोध्या में बल्कि राजधानी भोपाल सहित समूचे मध्यप्रदेश में ऐसी की गईं हैं कि लगेगा ही नहीं कि ये दिवाली नहीं है। पारंपरिक दिवाली इस आयोजन के सामने फीकी हो जाएगी। घर से लेकर बाजार ▶▶ शेष पेज 4 पर

भोपाल में बिकेगी करीब 7 करोड़ की आतिशबाजी

बीते साल 10 नवंबर को मध्यप्रदेश सहित समूचे देश ने दिवाली का त्योहार मनाया था। अब 74 दिन बाद यानी 22 जनवरी को एक बार फिर दिवाली मनाने की तैयारी हो रही है अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के मौके पर। यह पहला मौका है, जब बिना दशहरा-दीपावली के ही भोपाल सहित पूरे प्रदेशभर में लाखों, करोड़ों ▶▶ शेष पेज 4 पर

फूल-मालाओं की ब्रिकी आसमान पर

रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा को देखते हुए फूल मालाओं के रेट में उछाल आ गया है। रविवार से ही भोपाल के बाजारों में इनके रेट में डेढ़ से दोगुना तक की तेजी देखने को मिली। इनकी ब्रिकी भी आसमान पर रही।

इन राम भक्तों को भी जानिए...

डीआरएस और एमआरएफ के जरिए होगा वेस्ट मैनेजमेंट

भोपाल के अनुराग अयोध्या में करेंगे कचरा प्रबंधन का कार्य

मधुरिमा राजपाल ▶▶ भोपाल

अयोध्या में 22 तारीख को प्राण प्रतिष्ठा के दौरान और उसके बाद से लाखों लोगों की भीड़ रामलला के दर्शन को आतुर रहेगी, इस दौरान कचरा भी बेइंतहा होगा लेकिन इस कचरे के प्रबंधन की जिम्मेदारी ली है भोपाल के ▶▶ शेष पेज 4 पर

न्यूयॉर्क में निकालेंगे अद्भुत कार रैली 200 कारों में राम का झंडा लहराएगा

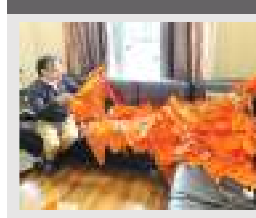

'पॉलिटिकल वॉर' के फिल्म मेकर मुकेश मोदी ने एक गीत जय श्रीराम डेडिकेट किया है। ये गीत डीजे शेजवुड और विशाल श्रीवास्तव ने गाया है जिसका संगीत दिया है डीजे शेजवुड ने। और अब उन्होंने न्यूयॉर्क में इस विशेष अवसर पर ▶▶ शेष पेज 4 पर

खबर संक्षेप

आज राष्ट्रपति 19 बच्चों को करेंगी सम्मानित

भोपाल। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु सोमवार को विज्ञान भवन में 19 असाधारण बच्चों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार से सम्मानित करेंगी। वहीं 23 जनवरी को पीएम मोदी भी इन बच्चों से बातचीत करेंगे। 26 जनवरी 2024 को गणतंत्र दिवस परेड में यह बच्चे भी हिस्सा लेंगे। इनमें एक बच्चा मप्र का है, जिसका नाम अवनीश तिवारी है। समारोह का आयोजन 22 जनवरी को होगा।

कार ने सफाईकर्मी दंपती को कुचला, मौत

खरगोन। जिला मुख्यालय से 40 किमी दूर भीकनगांव में गांधी चौक पर रविवार सुबह लगभग 6.30 बजे खंडवा की ओर से अपने बेटे के विवाह समारोह से लौट रहे सराफा व्यापारी की तेज रफ्तार कार ने नगर परिषद के सफाई कर्मचारी दंपती को टक्कर मार दी। दोनों पति-पत्नी नगर की नियमित साफ-सफाई के लिए चौराहे पर मौजूद थे। पति-पत्नी मुकेश गोहर (50) व भारती गोहर (45) की मौके पर ही मौत हो गई। दोनों सुबह सफाई कर रहे थे।

मध्यप्रदेश में श्री रामलला का प्राण प्रतिष्ठा उत्सव शुरु

डॉ. मोहन यादव की अपील- पूरा प्रदेश इस दिन को उत्सव के रूप में मनाए

राम राहगीरी 'आनंदोत्सव' में सीएम यादव ने गाए राम भजन

बड़ा ऐलान – उज्जैन में जल्द ही मेडिसिटी की स्थापना की जाएगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

अयोध्या में भगवान रामलला मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा को लेकर देश भर में उत्साह है। प्रत्येक व्यक्ति के जेहन में भगवान श्रीराम का जन्म से लेकर अयोध्या में जश्न मनाने तक की तैयारी है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रामलला की प्राण प्रतिष्ठा को उत्सव के रूप में मनाना शुरू कर दिए है। रविवार को वे उज्जैन में राम राहगीरी आनंदोत्सव में शामिल हुए। सोमवार को वे ओरछा में भगवान राम दरबार में पहुंचकर उत्सव में शामिल होंगे। उन्होंने प्रदेशवासियों से इस दिन को उत्सव के रूप में मनाने की अपील ▶▶ शेष पेज 4 पर

रविवार को वैष्णव अखाड़ों के समीप अंकपात मार्ग पर भगवान श्री राम राहगीरी आनंदोत्सव का आयोजन किया गया।

यह आयोजन श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा महाअनुष्ठान को समर्पित रहा

समारोह स्थल पर श्रीअन्न से निर्मित व्यंजनों का स्टॉल भी लगाया गया

सीएम ने शंख बजाया, ढोल बजाए

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राहगीरी आनंदोत्सव में मौजूद नागरिकों का अभिवादन किया। कार्यक्रम में विभिन्न स्थानों पर स्वागत मंच, स्वास्थ्य परीक्षण काउंटर, भजन मंडलियां, सांस्कृतिक कार्यक्रम, शासकीय योजनाओं के बैनर, योग काउंटर लगाए गए। शासकीय धन्वंतरि आयुर्वेद चिकित्सा महाविद्यालय की ओर से श्री अन्न (मोटे अनाज) के प्रचार के लिए श्री अन्न से निर्मित व्यंजनों का स्टॉल भी लगाया गया। मुख्यमंत्री का विभिन्न मंचों पर पुष्प वर्षा तथा साफा पहनाकर स्वागत किया गया। मुख्यमंत्री ने राहगीरी आनंदोत्सव में मंचों पर भगवान श्री राम के भजन गाए, शंख ▶▶ शेष पेज 4 पर

मेडिसिटी में मेडिकल कॉलेज भी होगा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उज्जैन में जल्द ही मेडिसिटी की स्थापना की जाएगी। इसके लिए सरकार की ओर से प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है। मेडिसिटी परिसर में चिकित्सा की तमाम सुविधाओं के साथ मेडिकल कॉलेज भी होगा। प्रारंभिक तौर पर इसके लिए जिला चिकित्सालय ▶▶ शेष पेज 4 पर

मुख्यमंत्री ने मायापति हनुमान मंदिर में पूजा-अर्चना की

मुख्यमंत्री डॉ. यादव उज्जैन के सामाजिक न्याय परिसर स्थित मायापति हनुमान मंदिर पहुंचे। मुख्यमंत्री ने यहां मायापति हनुमान की पूजा-अर्चना की एवं प्रदेशवासियों के मंगलमय जीवन की कामना की। मुख्यमंत्री आरती में भी शामिल हुए। राजपूत आध्यात्मिक मंडल की ओर से श्री रामचरित मानस वार्षिक पारायण समारोह आयोजित किया गया। समारोह में मुख्यमंत्री का तिलक और पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया गया।

मुख्यमंत्री आज ओरछा जाएंगे

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज निवाड़ी जिले के ओरछा आएंगे। मुख्यमंत्री 22 जनवरी को सुबह 10.40 बजे भोपाल से हेलीकॉप्टर से रवाना होंगे। वे 11.50 बजे ओरछा स्थित हेलीपैड पहुंचेंगे। मुख्यमंत्री दोपहर 11.55 बजे श्री राम राजा मंदिर में दर्शन, पूजा-अर्चना करेंगे। वे ▶▶ शेष पेज 4 पर

यात्रा में 'जय श्री राम' और 'मोदी-मोदी' के नारे

राहुल गांधी बोले- बस रोकिए, सुरक्षा बलों ने उनको भीड़ में जाने से 'रोका'

भारत जोड़ो यात्रा पर रविवार को कथित तौर पर हमला

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के नेतृत्व में निकल रही भारत जोड़ो यात्रा पर रविवार को कथित तौर पर हमला हुआ। एक वीडियो में राहुल गांधी को भारत जोड़ो यात्रा की बस से उतरकर भाजपा के झंडे लिए लोगों की भीड़ की ओर बढ़ते देखा जा सकता है।

हालांकि, जैसे ही कांग्रेस सांसद बस से उतरे उन्हें सुरक्षाकर्मी और पार्टी कार्यकर्ता वापस बस के अंदर ले गए। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने अपने एक्स पर एक वीडियो पोस्ट किया जिसमें कुछ लोग सड़कों पर हाथों में भाजपा का झंडा लिए खड़े नजर आ रहे हैं। जैसे ही राहुल गांधी उन लोगों के पास पहुंचे तभी वहां खड़े लोगों ने जय श्रीराम और मोदी मोदी के नारे लगाने शुरू कर दिए। उन लोगों के हाथ में तिरंगा झंडा और भगवा झंडा भी था। इसके बाद बस ड्राइवर वहां धीरे-धीरे ड्राइव करने लगा जिसके बाद सांसद राहुल गांधी ने ▶▶ शेष पेज 4 पर

राहुल का निशाना...

असम में युवाओं के पास नौकरी नहीं

नागांव पहुंचकर कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने पीएम मोदी और असम के मुख्यमंत्री पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि असम के युवा कुछ भी कर लें, लेकिन राज्य के मुख्यमंत्री और केंद्र सरकार के पास उनके लिए नौकरी नहीं है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि असम में हम किसानों की बात सुनते हैं, बेरोजगार युवाओं की बात सुनते हैं और लास्ट में अपनी बात रखते हैं। 10-15 भाजपा के लोग झंडे लिए यहां घूमते हैं, लेकिन असम के लोगों ने, यहां के किसानों ने, यहां के माताओं ने मुझे प्यार दिया है। इसे मैं जीवन भर नहीं भूल सकता।

70 तरह के कैंसर में कारगर हो सकती है एक गोली

दवा ओरल कीमोथेरेपी के रूप में कैंसर कोशिकाओं को नष्ट करने में मददगार साबित

घंटों की कीमोथेरेपी और उसके दर्द को किया जा सकता है कम

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

कैंसर, दुनियाभर में मृत्यु के प्रमुख जोखिम कारकों में से एक है। साल 2019 की रिपोर्ट के अनुसार अकेले भारत में 12 लाख नए कैंसर के मामले और 9.3 लाख मौतें दर्ज की गई। साल-दर साल इस रोग का खतरा बढ़ता ही जा रहा है।

शोधकर्ताओं की टीम ने एक ऐसी दवा विकसित की है जिसकी मदद से कैंसर कोशिकाओं को नष्ट करने में मदद मिल सकती है। कैंसर के सहज उपचार की दिशा में इसे

सफलता के तौर पर देखा जा रहा है। मेडिकल रिपोर्ट्स से पता चलता है कि ये एक दवा ओरल कीमोथेरेपी के रूप में कैंसर कोशिकाओं को नष्ट करने में मददगार साबित हो सकती है, खास बात ये है कि इससे शरीर की स्वस्थ ▶▶ शेष पेज 4 पर

अब तक सिर्फ चूहों और कुत्तों पर अध्ययन

रिपोर्ट के मुताबिक इसका अब तक सिर्फ चूहों और कुत्तों पर अध्ययन किया गया है, जिसमें अच्छे परिणाम देखे गए हैं। कैलिफोर्निया कैंसर सेंटर सिटी ऑफ होप द्वारा किए गए इस अध्ययन के बारे में प्रमुख शोधकर्ता बताते हैं, ये दवा कैंसर के उपचार में संभावित रूप से काफी मददगार हो सकती है। पहले चरण के परीक्षणों में दवा की खुराक और दुष्प्रभावों की जांच की जाती ▶▶ शेष पेज 4 पर

ऐसा है यह जाड़ा...दतिया में पेड़ों पर ओस की बूंदें जमी

दतिया में रात का पारा 3.2 डिग्री पर, कोहरे से घिरी राजधानी

कंपकंपाया पूरा प्रदेश, पांच जिलों का पारा 5 डिग्री के नीचे, भोपाल की रात सीजन की 'सबसे सर्द'

- *कई जिलों में आज घने कोहरे, सीवियर कोल्ड वेब का असर रहेगा*
- *धूप खिलने से कई जिलों के दिन के तापमान में बढ़ोतरी से कोल्ड डे और शीतलहर का असर हुआ कम*

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राजधानी सहित प्रदेशभर में कड़ाके की सर्दी का दौर जारी है। बर्फीली हवाओं और बादल, कोहरे से जहां दिन में सर्दी का असर बना हुआ है, वहीं रात के तापमान में गिरावट होने से तेज सर्दी लोगों को कंपकंपा रही है।

रविवार को प्रदेश में पांच शहरों में रात का पारा 5 डिग्री के नीचे रहा है। इससे यहां कड़ाके की सर्दी रही। भोपाल में इस सीजन की सबसे सर्द रात दर्ज हुई है। राजधानी में रात ▶▶ शेष पेज 4 पर

करोंद ब्रिज से शाम को धुंध का दृश्य

यहां रात का पारा रहा 5 डिग्री से नीचे

रविवार को दतिया में 3.2, शाजापुर 3.4, सीहोर 3.5, ग्वालियर 4.1, राजगढ़ में रात का पारा 4.4 डिग्री रहा है। इन जिलों में तेज सर्दी रही। दतिया में पेड़ों पर ओस की बूंदें जमने की खबर है। रीवा में कोल्ड डे रहा। यहां दिन का पारा सामान्य से 6 डिग्री कम और रात का 7.5 डिग्री रहा। मलाजखंड, मंडला, छिंदवाड़ा, नर्मदापुरम आदि जिलों को छोड़कर शेष ▶▶ शेष पेज 4 पर

श्री राम लला प्राण प्रतिष्ठा

मां दुर्गा धाम शक्तिपीठ से निकलेगी शोभायात्रा

भोपाल। मां दुर्गा धाम शक्तिपीठ मंदिर में चल रहे श्री विराट हरि हरात्मक शक्ति महायज्ञ में रविवार को सैकड़ों भक्तगण मुख्य यज्ञाचार्य पंडित युगल किशोर शास्त्री व 21 अन्य आचार्य द्वारा 9 कुंदीय हवन कुंडों में आहुतियां डालकर पुण्य प्राप्त किया। राम प्रभु के मंदिर निर्माण उत्सव पर सोमवार को शक्तिपीठ मंदिर से सुबह 10:30 बजे राम जी की झांकी ढोल, बैंड बाजों के साथ धूमधाम से निकली जाएगी।

अयोध्या की उड़ानें राजा भोज एयरपोर्ट पर भी कर सकेंगी लैंडिंग

संतनगर। अयोध्या में रामलला प्राण प्रतिष्ठा समारोह में विमानों की आवाजाही भी बढ़ जाएगी। ऐसी स्थिति में भोपाल के राजा भोज एयरपोर्ट को भी 10 उड़ानें आने व जाने की व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए हैं। इसी तारतम्य में राजा भोज विमानतल पर विमानों को लैंडिंग और पार्किंग करने की यह व्यवस्था सोमवार के दिन 24 घंटे लागू रहेगी और एटीसी खुला रहेगा। मालूम हो कि सोमवार को अयोध्या हवाई अड्डे पर कई विमानों के आने की उम्मीद है। एएआई प्रबंधन ने आवश्यकता के मामले में 10 विमानों को समायोजित करने के लिए भोपाल हवाई अड्डे की भी पहचान की है। इसे सुविधाजनक बनाने के लिए भोपाल हवाई अड्डे ने किसी भी मोड से निपटने और विमानों की रात्रि पार्किंग की सुविधा के लिए 24 घंटे निगरानी का निर्णय लिया है।

राममय हुआ करुणाधाम आश्रम

भोपाल। श्री राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य पर करुणाधाम आश्रम में सुबह 10 बजे से आश्रम के युवाओं द्वारा सुंदरकांड पाठ का किया जाएगा। इसके बाद प्रभु श्री राम को 56 प्रकार के मिष्ठानों का भोग लगाया जाएगा। आश्रम प्रवक्ता शाश्वत शांडिल्य ने बताया कि प्राण प्रतिष्ठा के बाद श्री राम स्तुति एवं आसमान में केसरिया रंग के गुब्बारों को छोड़ कर, रामलला के आगमन के अवसर पर अपनी प्रसन्नता व्यक्त करेंगे। रंग, गुलाल से इस महत्वपूर्ण अवसर पर उत्सव मनाया जाएगा। संध्या कार्यक्रम में, सायं 7:30 बजे से महाआरती का आयोजन किया जाएगा एवं मनमोहक आतिशबाजी और आकाशदीप प्रज्जवलित कार्यक्रम किया जाएगा।

राम नाम सुंदर अति लागा। भवसागर मोहि पार लगावा।।

अयोध्या में भगवान श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के उपलक्ष्य में राजधानी में निरंतर कई आयोजन किए जा रहे हैं। हर तरफ राम नाम के जय घोष सुनाई दे रहे हैं। 500 वर्ष बाद सोमवार को आयोध्या में श्रीराम की वापसी को लेकर हर तरफ उल्लास का माहौल है। वहीं श्रद्धालु हवन-पूजन, सुंदर कांड का पाठ, अखंड रामायण का पाठ, राम नाम कीर्तन सहित अन्य आयोजन कर रहे हैं। कहते हैं राम नाम सारे संकट दूर कर जीवन को सफल बनाता है। रामायण में कहा गया है कि राम नाम की भक्ति जो प्राणी कर लेता है वह भवसागर तर जाता है। वहीं एक चौपाई है... राम नाम सुंदर अति लागा। भवसागर मोहि पार लगावा।। इस लिए इस कलयुग में एक राम नाम ही ऐसा नाम है, जिसके जपने से मनुष्य इस जीवन को पूर्ण कर प्रभु के शरण में पहुंच जाता है।

मंदिरों के ऊपर सुरक्षा के लिए ड्रोन से नजर, रात में पेट्रोलिंग और विवाद की सूचना पर पुलिस अलर्ट

भोपाल। राजधानी सहित प्रदेश भर में कानून व्यवस्था को लेकर डीजीपी सुधीर सक्सेना ने अलर्ट रहने के लिए निर्देश दिए हैं। एडीजी इंटेलिजेंस ने भी वीसी करते हुए जिला स्तर पर त्योहार कमेटियों से चर्चा करने के लिए कहा है। फिलहाल शांति व्यवस्था बनाने के लिए पुलिसकर्मियों की तैनाती संवेदनशील इलाकों में की जा चुकी है। भोपाल और आसपास के क्षेत्रों में मंदिरों के ऊपर सुरक्षा के लिए ड्रोन से नजर रखी जा रही है। पुराने शहर में भी ड्रोन के जरिए इलाकों में स्थिति का अफसरों ने जायजा लिया है। इसके साथ ही कंट्रोल रूम से शहर की गतिविधियों की निगरानी की जाएगी। रात में पेट्रोलिंग करने के लिए बीटवार की पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है। वहीं विवाद की सूचना पर पुलिस को अलर्ट रहने के लिए निर्देश दिए गए हैं। भोपाल पुलिस कमिश्नर हरि नारायणचारी मिश्रा ने बताया कि प्राण प्रतिष्ठा समारोह के चलते शहर के धर्मस्थलों के साथ कई जगह आयोजन होंगे। आयोजन को लेकर प्रशासनिक स्तर पर तैयारियां पूरी की जा चुकी है। कुछ दिन पूर्व शहर में धर्मस्थलों पर कार्यक्रमों के दौरान गंभीर वारदातें हो चुकी है।

कमिश्नर ने अफसरों को दिए निर्देश, सभी प्वाइंट्स पर तैनात रहेंगे पुलिसकर्मी और कंट्रोल रूम से रहेगी नजर

ऐसा रहेगा सुरक्षा का खाका

- संवेदनशील क्षेत्रों में हर चौराहे पर रहेंगे जवान।
- 10 ड्रोन कैमरों से रखेंगे नजर।
- थानों पर मोबाइल गाड़ियां रहेगी।
- नगर सुरक्षा समिति के सदस्यों की मदद ली है।
- धर्मस्थलों पर निगरानी के लिए वीडियोग्राफी होगी।
- धार्मिक आयोजन में विवाद करने वालों पर नजर रखी जाएगी।
- हर एक घंटे में क्षेत्र की स्थिति की जानकारी वरिष्ठ अधिकारियों को देनी होगी।
- संवेदनशील क्षेत्रों के साथ ही अन्य स्थानों पर सतत पेट्रोलिंग की जाएगी
- जिले के सारे फोर्स को सुरक्षा में लगाया जाएगा।
- बाहरी जिलों की पुलिस और एसएएफ की दो कंपनियां तैनात रहेगी।

आयोजकों से सुरक्षा की अपील

- पुलिस कमिश्नर ने आयोजकों से अपील की है कि शहरवासियों को सुरक्षात्मक एहतियात बरतने के निर्देश दिए जाएं।
- धर्मस्थलों पर आने-जाने का मार्ग अलग-अलग रखा जाए।
- भीड़ नियंत्रण, प्रसादी वितरण आदि के लिए वालिंटियर्स की टीम की मदद ली जाए।
- अग्निशमन उपकरणों की उपलब्धता रहे।
- जीर्ण शीर्ण ढांचे, असुरक्षित इमारतें, बावड़ी आदि पर बने ढांचे पर आयोजन नहीं किए जाएं।

भगवान श्रीराम के आने की खुशी में मातृ शक्ति ने गाए मंगल व बधाई गीत

स्वदेशी जागरण मंच ने चार इमली में रखा हल्दी कुमकुम भजन कार्यक्रम

भोपाल। सैकड़ों बरसों बाद सोमवार को पावन, पुण्य शुभ घड़ी में अयोध्या के श्री राम मंदिर निर्माण और श्री रामलला की मूर्तियों के प्राण-प्रतिष्ठा होगी। इस शुभ अवसर के उपलक्ष्य में रविवार को चार इमली में स्वदेशी जागरण मंच ने हल्दी-कुमकुम और राम भजन कार्यक्रम किया। यह आयोजन स्वदेशी जागरण मंच मध्य भारत प्रांत सह प्रमुख सीमा भारद्वाज के बंगले पर रखा गया। इस दौरान बड़ी संख्या में आई बहनों ने उत्साह के साथ भजन और नृत्य के साथ मंगल, बधाई गीत गाए और रामलला के जयकारे लगाए। इस अवसर पर आसपास के बच्चों में भारतीय संस्कृति और आस्था की ज्योत सदैव बनाए रखने का संकल्प लिया गया।

अयोध्या में रामलला मंदिर से देश में स्वदेशी वस्तुओं की मांग, मिले असंख्य रोजगार

हम स्वदेशी जागरण मंच के जरिए सबको स्वावलंबी बनने के लिए प्रेरित करते हैं, लेकिन अयोध्या में रामलला मंदिर से असंख्य लोगों को रोजगार मिल रहा हैं, जो पूरे देश के लिए गौरव की बात हैं। स्वदेशी भाव पिछले कई वर्षों से कहीं छूट गया था फिर से विद्यमान हो गया है। अयोध्या से देश में स्वदेशी पूजन सामग्री, भोग, फूल-फल, वस्तुशिल्प, झंडे, कपड़े, बर्तन, कारीगर पर्यटन का एक विशाल उद्योग स्थापित हो गया हैं। 1 लाख करोड़ से ज्यादा का आर्थिक लाभ देश को मिल रहा हैं। हमारे देश वासियों में यह भाव और आस्था बनी रहें कि राम काज बिनू मोहिं कहां विश्राम सभी को जयश्री राम।

सीमा भारद्वाज, मध्य भारत प्रान्त सह प्रमुख स्वदेशी जागरण मंच

अयोध्या में स्वदेशी वस्तुओं से रौनक

भारतीय संस्कृति में धर्म और मंदिर अनादि काल से आस्था के केंद्र हैं। विश्व में हमारी पहचान भारतीय संस्कृति और मंदिरों से है। इस समय राम मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा से सबके अंदर उत्साह, आनंद और स्वावलंबी का भाव जागा हैं। इस मौके पर देश में निर्मित वस्तुओं को ही अयोध्या भेजा जा रहा हैं। इससे हमारे स्वदेशी जागरण मंच के अभियान को ताकत मिलेंगी। सभी को जयश्री राम।

डॉ. प्रतिभा चतुर्वेदी, मध्य भारत प्रान्त प्रमुख, स्वदेशी जागरण मंच

प्राण-प्रतिष्ठा को लेकर किन्नरों ने भी मनाई खुशियां

भोपाल। अयोध्या में होने वाली रामलाल की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर पूरे देश भर में हर्ष का माहौल छाया हुआ है। एक और जहां राम भक्तों में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर काफी उत्साह नजर आ रहा है। तो वहीं दूसरी ओर भोपाल के मंगलवारा में रविवार को किन्नर समाज में भी राम के प्रति गहरी आस्था देखी गई है। श्री राम के आगमन के लिए राम नाम के भजन का कार्यक्रम आयोजित किया गया। किन्नर समाज की गुरु सुरैया ने बताया की राम के प्रति हमारी गहरी आस्था है। श्रीराम के विराजमान होने पर सोमवार को एक विशाल भंडारा होगा। हमारा समाज भी अयोध्या जाएगा। वहीं अन्य किन्नरों ने भो अपनी प्रसन्नता व्यक्त की।

अमरावती साउथ और जय हनुमान शाखा ने निकाली शोभायात्रा

भोपाल। अयोध्या में श्रीरामलला की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के एक दिन पूर्व श्रीरामजी की शोभा यात्रा निकाली गई। इसमें एक हजार से अधिक श्रद्धालु शामिल हुए। शोभा यात्रा में भगवान श्रीराम की झांकी में बालिकाओं एवं बालको को श्रीरामजी, लक्ष्मणजी, सीता मैया, हनुमानजी, जामवंतजी, महर्षि वशिष्ठ एवं वानर सेना के भेषभूषा में सजाया गया था। यह शोभा यात्रा जय हनुमान शाखा सूर्यदेव मंदिर अमराई एवं अमरावती साउथ कॉलोनी बागसेवनिया द्वारा निकाली गई। अमरावती साउथ कॉलोनी से अजय श्रीवास्तव ने भगवान श्रीराम को माला पहनाया और कलश सर पर रखकर राम लक्ष्मण, सीता को रथ पर सवार कराया। मातवर साहू और अमीन्द्र तिवारी ने लक्ष्मण और सीता को माला पहनाकर इस कार्यक्रम को शुरू किया। इसके बाद धर्म रक्षार्थ व श्रीराम के आदर्शों का पालन कर जीवन में चरितार्थ करने का संकल्प लिया।

बीयू में आज आएंगे श्रीराम स्पर्धा, 11 हजार तक मिलेगा पुरस्कार

भोपाल। राजधानी स्थित बरकतउल्ला विश्वविद्यालय में श्रीराम आएंगे, प्रतियोगिता सोमवार को आयोजित की जा रही है। इस प्रतियोगिता में 5-25 आयु वर्ग के सभी प्रतिभागी व्यक्ति भगवान श्रीराम की छवि (वेषभूषा) में आकर इस प्रतियोगिता में हिस्सा ले सकते हैं। श्रेष्ठ वेषभूषा धारक प्रतिभागी को सम्मान स्वरूप पुरस्कार दिया जाएगा। इसके तहत प्रथम पुरस्कार 11000 रुपए, द्वितीय 7000 रुपए, तृतीय पुरस्कार 5000 रुपए तथा सांत्वना पुरस्कार (दो): 3000-3000 रुपए दिए जाएंगे। प्रतियोगिता की आयोजन समिति में डॉ. आईके मंसूरी, प्रो. पवन मिश्रा, प्रो. अंसुजा तिवारी, डॉ. अनंत सक्सेना और राहुल सिंह परिहार शामिल हैं।

भगवान श्रीराम की छवि का म्यूजिकल फाउंटेन पर महापौर ने लिया दर्शन लाभ

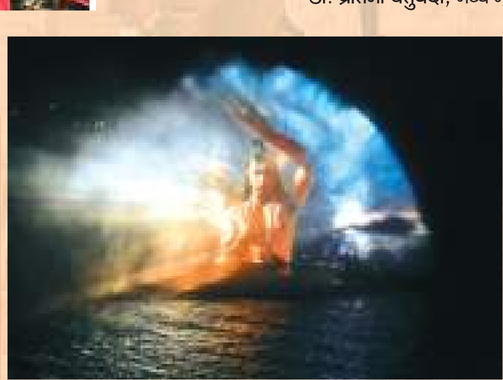

अयोध्या में भगवान श्रीराम प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में राजधानी में भी आयोजन निरंतर किए जा रहे हैं। इसी क्रम में बोट क्लब के समीप जीवन वाटिका पार्क स्थित म्यूजिकल फाउंटेन में लेजर शो के माध्यम से भगवान श्रीराम की विभिन्न छवियों को प्रदर्शित किया जा रहा है। महापौर मालती राय ने शनिवार को म्यूजिकल फाउंटेन पहुंचकर भगवान श्रीराम की छवियों का दर्शन लाभ लिया। इस

बीमाकुंज कोलार में आज होगा श्रीराम का विशेष पूजन

भोपाल। अयोध्या में सोमवार को श्रीरामलला मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा के अवसर में कोलार के बीमाकुंज में कोलार हिंदू उत्सव समिति द्वारा श्रीराम जी की विशेष पूजा अर्चना कर सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कोलार हिंदू उत्सव सचिव रवींद्र यती ने बताया कि सोमवार को सुबह 11 बजे बीमाकुंज स्थित मैदान में श्रीराम जी का विशाल पूजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष वीडी शर्मा, विधायक रामेश्वर शर्मा, भाजपा जिलाध्यक्ष सुमित पचौरी सहित संघ परिवार के कई पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित रहेंगे। देश के नामी बैंड द्वारा भोपाल के इतिहास में पहली बार भव्य सांस्कृतिक प्रस्तुति होगी।

जय हिंद सेना ने निकाली भगवा नौका यात्रा

भोपाल। श्रीराम प्राण प्रतिष्ठा के शुभ अवसर के उपलक्ष में जय हिंद सेना के सदस्यों द्वारा रविवार को शीतल दास बगिया बड़े तालाब में विशाल श्रीराम भगवा ध्वज नौका यात्रा निकली। इस अवसर पर भगवान श्रीराम को नौका विहार कराया ध्वज यात्रा में जय हिंद सेना के सदस्यों ने श्रीराम का उद्घोष करके जय जय श्रीराम जय जय अयोध्या धाम विराज रहे हैं श्री राम होगा सनातन धर्म का काम हिंदू राष्ट्र बनाएंगे आदि नारे लगाए।

रोशनी से नहाए मंदिर, हजारों दीपों से सजा दरबार, भजन-कीर्तन और भंडारे के साथ विशेष आरती का सिलसिला शुरू

भोपाल। महाकौशल क्षेत्र में ऐसे कई प्रसिद्ध मंदिर हैं जहां अयोध्या में श्रीराम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा को लेकर भव्य तैयारियां की गई हैं। मंदिरों को सजाया गया है। मैहर की मां शारदा के दरबार में देशभर के श्रद्धालु आते हैं। ऐसे में यहां मंदिर में खास तैयारियां की गई हैं। इसके तहत राम कीर्तन, भजन पूजन के साथ भंडारे आदि की व्यवस्था की गई है। यहां मंदिर को बिजली की लाइटिंग के अलावा हजारों दीपों से सजाया गया है। अयोध्या श्रीराम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के बाद यहां भंडारे और प्रसादी का वितरण किया जाएगा।

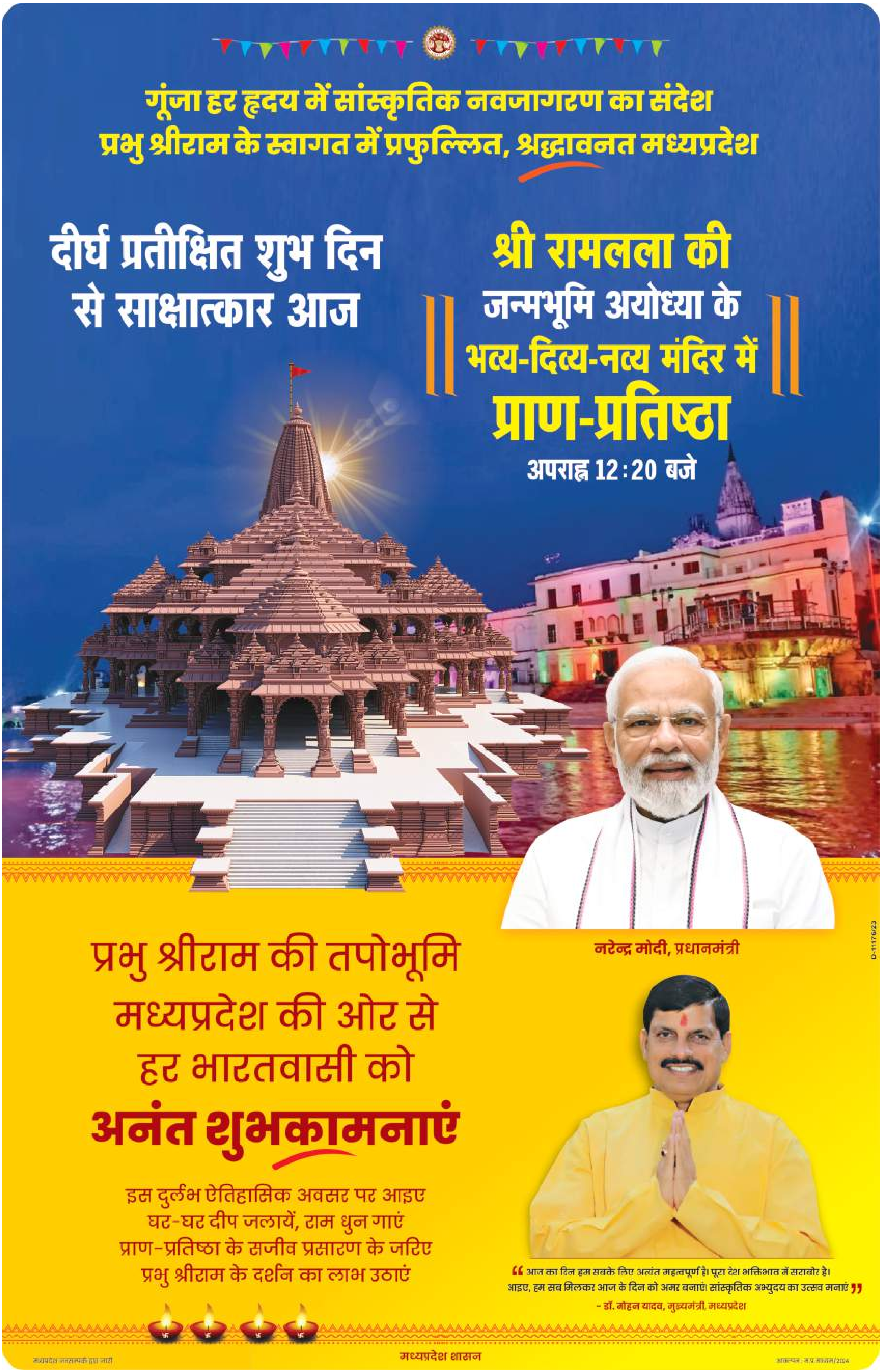
गूंजा हर हृदय में सांस्कृतिक नवजागरण का संदेश
प्रभु श्रीराम के स्वागत में प्रफुल्लित, श्रद्धावनत मध्यप्रदेश
दीर्घ प्रतीक्षित शुभ दिन
से साक्षात्कार आज
श्री रामलला की
जन्मभूमि अयोध्या के
भव्य-दिव्य-नव्य मंदिर में
प्राण-प्रतिष्ठा
अपराह्न 12:20 बजे
नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री
प्रभु श्रीराम की तपोभूमि
मध्यप्रदेश की ओर से
हर भारतवासी को
अनंत शुभकामनाएं
इस दुर्लभ ऐतिहासिक अवसर पर आइए
घर-घर दीप जलायें, राम धुन गाएं
प्राण-प्रतिष्ठा के सजीव प्रसारण के जरिए
प्रभु श्रीराम के दर्शन का लाभ उठाएं
"आज का दिन हम सबके लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। पूरा देश भक्तिभाव में सराबोर है।
आइए, हम सब मिलकर आज के दिन को अमर बनाएं। सांस्कृतिक अभ्युदय का उत्सव मनाएं"
- डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश
मध्यप्रदेश शासन

D-11176/23

जैकेट का शेष

आज 'राम'...

लक्ष्मीकांत दीक्षित के नेतृत्व में पुजारियों की एक टीम 22 जनवरी को अनुष्ठान करेगी। पूजन-अर्चना के बाद प्रभु राम सोमवार को अयोध्या में विराज जाएंगे। मां सीता अपने स्थान पर मौजूद होंगी और हनुमान वही सेवक की भूमिका में विधिवत विराजेंगे। पीएम मोदी खुद 50 मिनट तक पूजन कार्य में शामिल होंगे। सीएम योगी भी अहम भूमिका में रहेंगे। प्राण प्रतिष्ठा के पहले चरण का पूजन कार्य सोमवार की दोपहर तक पूरा हो जाएगा। 114 कलशों के औषधीय जल से प्रतिमा का हुआ स्नान श्रीराम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा का अनुष्ठान छठवें दिन रविवार को सुबह नौ बजे से जारी रहा। 114 कलशों में औषधियुक्त जल एवं देश के विभिन्न तीर्थों से लाए गए पवित्र जल से श्रीरामलला की मूर्ति का स्नान हुआ।

धनुषकोडी मंदिर का...

की कोशिश की थी। विभीषण का कहना था कि रावण सीताजी को लौटा दे और क्षमा मांग ले। विभीषण की इस बात को रावण ने राजद्रोह माना और उसे लात मारकर लंका से निकाल दिया। इसके बाद विभीषण लंका से निकलकर सागर पार श्रीराम के शरण में पहुंचे थे, जहां उनकी भेंट पहली बार श्रीराम से हुई। श्रीराम का सागर किनारे जहां शिविर था, उसी के नजदीक एक स्थान से रामसेतु बनना शुरू हुआ था। यही स्थान आज अरिचल मुनाई पॉइंट कहलाता है।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य यॉंत्रिकी खण्ड, भोपाल

लिंक रोड न.-2 माता मंदिर चौराहा के समीप, हर्षवर्धन नगर के सामने, भोपाल Tel.:-(0755) 2924467: e-mail :-eephbpl@mp.nic.in

क्र.-155/तक./का.य./लो.स्वा.या.खंड/भोपाल/2023-24 दिनांक -18.01.2024

//निविदा आमंत्रण सूचना//

मध्य प्रदेश लोक निर्माण विभाग में केन्द्रीयकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदारो से मध्यप्रदेश के राज्यपाल की और से निम्नलिखित कार्यो हेतु निविदा आमंत्रण सूचना जारी होने के दिनांक तक समस्त संशोधनो सहित ई टेंडरिंग पद्धति द्वारा ऑनलाईन निविदाओं में निहित शर्तो के अनुरूप आमंत्रित की जाती है। जिसकी विस्तृत निविदा सूचना एवं कार्यो का विवरण वेबसाईट https:/mptenders.gov.in/nicgep/app पर देखी जा सकती है। वेबसाईट पर होने वाली तकनीकी समस्याओं हेतु विभाग जिम्मेदार नहीं होगा।

सिस्टम जनरेट आई डी क्र.	खण्ड	कार्य का नाम	निविदा प्रपत्र की राशि रू.	ठेके की अनु. राशि रू.	अमानत राशि रू.	निविदा ऑनलाईन क्रय करने की अंतिम तिथि	1. कार्य पूर्ण करने की अवधि 2. ठेकेदार की श्रेणी 3. आमंत्रण क्रमांक
2024_PHED _326886_1	भोपाल	Hiring Of 1 No. Four Wheeler Car/Jeep For Supritending Engineer Office of the PHE Chief Engineer, Satpura Bhawan Bhopal Distt. Bhopal	2000.00	261000/-	5220.00	27.01.2024	(1) 12 माह (2) लोक निर्माण विभाग में केन्द्रीकृत पद्धति से पंजीयन शिथिल किया जाता है (3) तृतीय आमंत्रण

निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाईट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

जी-23215/23 दो पहिया वाहन पर तीन सवारी ना बैठाएं सतर्क रहें, सुरक्षित रहें। कार्यपाल यंत्री लो.स्वा.या. खण्ड, भोपाल

Online Tender Document for M.P. Police

पुलिस मुख्यालय, मध्यप्रदेश, भोपाल

No. PHQ/15/GPC/7520-7/2024 Bhopal, Dated-12/01/2024

"ऑनलाईन निविदा सूचना"

पुलिस महानिदेशक, मध्यप्रदेश की ओर से उप पुलिस महानिरीक्षक (प्रबंध) पुलिस मुख्यालय, भोपाल द्वारा नीचे दर्शित तालिका अनुसार राज्य न्यायालयिक विज्ञान प्रयोगशाला हेतु ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है।

Equipments for Biological Lab of Ratlam and Rewa

Sr	Name of Equipment	Quantity	EMD Paid Online Through mptenders.gov.in	Tender Fees (Rs.)
1	Laboratory Refrigerators	4	6,000	1,000
2	Double Distillation Assembly	2	6,000	1,000
3	Shaker	4	4,800	1,000
4	Vortex Machine	4	3,000	1,000
5	UV chamber	2	3,000	1,000
6	Portable UV light source (torch)	4	3,000	1,000
7	UV Face shield and protection goggles	4	3,600	1,000
8	autoclace (Vertical) 25 liter	2	7,200	1,000
9	Microwave oven (capacity 0.6 CU FT)	2	1,800	1,000
10	PH meter	2	3,000	1,000
11	Air conditioners (2.0 Tons) for safekeeping of equipments	4	6,000	1,000
12	Computer PC with wifi facilities	4	7,200	1,000
13	Multifunctional printer with photocopier and scanner	4	4,800	1,000
	TOTAL EMD & Tender FEES		59,4000	13,000

1. निविदा प्रपत्र ऑनलाईन वेबसाइट https://mptenders.gov.in/nicgep/app पर जमा किये जाऐंगे।
2. निविदा शुल्क ऑनलाइन जमा करना अनिवार्य है।
3. मध्यप्रदेश पुलिस की वेबसाइट www.mppolice.gov.in से निविदा प्रपत्र एवं विस्तृत जानकारी डाउनलोड की जा सकती है।
4. समय सारणी :-

निविदा प्रकाशन की दिनांक	13/01/2024 के 14:00 बजे
निविदा प्रपत्र डाउनलोड करने की प्रारंभ दिनांक	13/01/2024 के 16:00 बजे
प्री-बिड मीटिंग दिनांक	18/01/2024 के 12:00 बजे
निविदा जमा करने की प्रारंभ दिनांक	24/01/2024 के 11:00 बजे
निविदा जमा करने की अंतिम दिनांक	01/02/2024 के 14:00 बजे
निविदा खोलने की दिनांक	02/02/2024 के 16:00 बजे

5. निविदाकर्तागण से अनुरोध है कि निविदा से संबंधित संशोधन, शुद्धि पत्र आदि बेबसाईट पर ही अपलोड किये जायेंगे अतः वेबसाईट पर अद्यतन रहें।
6. निविदा में दर्शाए दिनांक/समय पर निविदा खोली जावेगी, निविदा खोलने के उपरान्त तकनीकी निविदा में योग्य पाए गए निविदाकर्ताओं एंव वित्तीय निविदा की जानकारी वेबसाईट के माध्यम से बाद में सूचित की जावेगी।

(डी. आर. तेनीवार)
उप पुलिस महानिरीक्षक (प्रबंध)
हेतु-पुलिस महानिदेशक

जी-23208/23 देर से घर आए लेकिन दुरूस्त आए, धीरे चले सुरक्षित चले।

पेज एक का शेष

इंदौर में जलेंगे 1...

तक श्रीरामलला के आगमन की तैयारी में डूबा है। चौक-चौराहे श्रीराम के कटआउट सजे हैं तो दुकानों और प्रतिष्ठानों को आकर्षक लाइटिंग से सजाया जा रहा है। स्ट्रीट लाइट पर भगवा ध्वज लहरा रहे हैं। बाजार में ऐसे स्टॉल सजे हैं, मानों दीपावली का बाजार सजा है। स्टॉल पर गहमागहमी भी ऐसी ही है। माहौल ऐसा कि घर-घर रामलला पधार रहे हैं। इस मौके पर इंदौर में एक लाख दीए जगमगाएंगे। वहीं, पूरे प्रदेश में करीब 100 करोड़ की आतिशबाजी होगी। भोपाल में करीब 50 करोड़ के व्यापार का अनुमान है। वहीं, मप्र में 300 करोड़ के व्यापार का अनुमान है।

भोपाल में बिकेगी करीब ...

के पटाखे बिक रहे हैं। जिलों में प्रशासन ने पटाखा दुकानों के लिए अस्थाई लाइसेंस दिए हैं। पटाखा एसोसिएशन के अध्यक्ष दौलत राम सबनानी का कहना है कि दीपोत्सव के बाद शादियों के मुहूर्त के समय ही पटाखों की बिक्री होती है। इस बार 22 जनवरी को लेकर खूब डिमांड है। इसे देखते हुए गोदाम से लेकर दुकानों पर पटाखों का पर्याप्त स्टॉक दुकानदारों ने रखा है। हमें उम्मीद है कि भोपाल में करीब 7 करोड़ रुपए का कारोबार होगा। तो पूरे 22 जनवरी को मध्यप्रदेश में करीब 100 करोड़ रुपए से अधिक की आतिशबाजी होगी।

घरों, बाजारों व सड़कों पर लहरा रही धर्म पताकाएं: राजधानी सहित समूचे प्रदेश में दीपावली सा माहौल है। यहां हर चौराहे पर भगवा पताका लगाए गए हैं। वहीं सड़क के बीचों-बीच डिवाइडर पर झंडे और पताका लगाए गए हैं। बाजार में भगवा झंडों, फूल, पूजन सामग्री, राम दरबार की मूर्तियां, तस्वीरें और सजावट के सामान की डिमांड बढ़ गई है। व्यापारियों ने दुकानों को भगवा झंडे-झंडियों से सजा दिया है। राम नाम लिखे और प्रभु श्रीराम तथा हनुमान जी के चित्र बने ध्वजों की भी खूब मांग हो रही है। बाजार की गली-गली के दुकानों में यही ध्वज लहरा रहा है। मांग के साथ इनकी कीमत भी बढ़ गई है।

दूसरे शहर के हलवाई भोपाल में काम कर रहे: धार्मिक अनुष्ठान से लेकर भंडारे जगह-जगह हो रहे हैं। वहीं बंपर शादियां भी होनी हैं। आलम है कि हर एक हलवाई चार से पांच ऑर्डर ले रखे हैं। सोमवार को महा-मुहूर्त होने से हलवाइयों के नहीं मिलने से अधिकतर आयोजकों ने भंडारा और प्रसादी वितरण को संपन्न कराने के लिए दूसरे शहरों से प्रसादी बनाने वालों को बुलाया है।

जाहिर सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार गुफरान खान पुत्र श्री अशरफ खान, निवासी- 1084 ए हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी हुजूर भोपाल ने विक्रेता श्री शेख असलम पुत्र श्री शेख महफूज निवासी म.नं. 2 जैन कॉलोनी देवकी नगर निशातपुरा भोपाल (आधार नं. 2200 2924 9946) से उनके स्वत्व, स्वामित्व व आधिपत्य का एक किता भूखण्ड क्रमांक- ए- 854, स्थित हाउसिंग बोर्ड कालोनी, करोंद, बैरसिया रोड, भोपाल, को क्रय करने का अनुबंध कर बयाना राशि अदा कर दी है। उक्त संबंध मे किसी व्यक्ति संस्था, वित्तीय संस्थान, बैंक आदि का कोई देय अथवा बकाया हो या स्वत्व, स्वामित्व, आधिपत्य के संबंध मे दखल, वाद विवाद, आपत्ति आदि हो तो वह व्यक्ति इस जाहिर सूचना प्रकाशन के 07 दिवस के भीतर मेरे कार्यालय में उपस्थित होकर मय दस्तावेज प्रमाण सहित आपत्ति दर्ज करावे। अन्यथा समयावधि व्यतीत होने के पश्चात मेरा पक्षकार अपने पक्ष मे उपरोक्त संपत्ति/भूखण्ड का विक्रय पत्र पंजीयन कराने हेतु स्वतंत्र होगा ऐसी स्थिति मे समायावधि व्यतीत होने के पश्चात कोई भी आपत्ति मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नही होगी और ना ही मान्य समझी जावेगी।

भवदीय
ब्रजेन्द्र शुक्ला (एडवोकेट)
कार्यालय 38, ओम लॉ एसोसियेटस, पुरानी विधान सभा के सामने, भोपाल (म.प्र.)
मो. 9993806073, 6262140678

भोपाल के अनुराग ...

अनुराग असाटी और उनकी टीम ने। जो 'एमआरएफ (मेटेरियल रिकवरी फैसलिटी) और 'डीआरएस' (डिपोजिट रिफंड सिस्टम) के जरिए वेस्ट मैनेजमेंट का कार्य करेंगे। अनुराग ने बताया कि हमारा एमआरएफ सेंटर जिसमें नगर निगम की गाड़ी घर से गीला कचरा और सूखा कचरा उठाती है और फिर एमआरएफ सेंटर में कबाड़ को रिसाइकिल किया जाता है, तो वह मैनेजमेंट हम अयोध्या में विगत डेढ़ साल से कर रहे हैं। प्लास्टिक मुक्त जोन बनाने दो किमी के दायरे में डीआरएस सेंटर होगें। इसके अलावा अयोध्या राम मंदिर के आसपास के 2 किलोमीटर जोन को प्लास्टिक रेगुलेट करने के लिए हमने अयोध्या के उस एरिए में जगह-जगह डीअसारएस सेंटर खोले हैं, जिसका अर्थ है 'डिपॉजिट रिफंड सिस्टम', जिसके अंतर्गत कोई भी व्यक्ति उस जोन में यदि 10 रुपए की पानी की बोतल खरीदता है, तो उसे 15 रुपए देने होंगे और फिर बॉटल खाली होने पर उसे डीआरएस सेंटर पर देने पर 5 रुपए वापस दिए जाएंगे। इससे वो पूरा एरिया प्लास्टिक मुक्त हो जाएगा। उन्होंने बताया कि हमने डीआरएस व्यवस्था अभी 2 दिन पहले ही शुरू की है,जो अब वहां परमानेंट कार्य करेगी।

न्यूयॉर्क में निकालेंगे ...

एक कार रैली का आयोजन किया है। इस कार रैली में 200 से अधिक गाड़ियां निकलेंगी जिनपर जयश्री राम का झंडा लहरा रहा होगा। इस रैली के बाद सभी लोग मंदिर जाएंगे जहां अखंड रामायण का पाठ होगा। 'पॉलिटिकल वॉर' फिल्म की शूटिंग मुंबई, बनारस, लखनऊ और अमेरिका में हुई है।

राम राहगीरी ...

की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को उज्जैन के अंकपात मार्ग पर श्री राम राहगीरी आनंदोत्सव कार्यक्रम में शामिल हुए। यह राहगीरी आनंदोत्सव 22 जनवरी को अयोध्या में श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा महाअनुष्ठान को समर्पित रहा। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि 22 जनवरी हम सभी के लिए अत्यंत गौरव, हर्षोल्लास और ऐतिहासिक दिन है। अयोध्या में श्री राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा होगी। मप्र में 16 से 22 जनवरी तक विभिन्न कार्यक्रम किए जा रहे हैं। रविवार को वैष्णव अखाड़ों के समीप अंकपात मार्ग पर भगवान श्री राम राहगीरी आनंदोत्सव का आयोजन किया गया। उन्होंने कहा कि प्रभु श्री राम हम सभी के आराध्य हैं। उन्होंने अपने जीवन में मर्यादा, धैर्य और पुत्र धर्म का आदर्श प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि 22 जनवरी को हम सभी उत्सव मनाएं, अपने घरों पर दिए जलाएं, मिठाइयां बांटें और आनंद के साथ प्रभु श्री राम की मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के साक्षी बनें।

सीएम ने शंख बजाया...

बजाया, ढोल बजाए और घोड़े की सवारी भी की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सांदीपनि आश्रम पहुंचे और यहां महर्षि सांदीपनि, भगवान श्री कृष्ण, सुदामा और बलराम के दर्शन, पूजन अर्चन कर आरती भी की। कार्यक्रम में उज्जैन सांसद अनिल फिरोजिया, विधायक अनिल जैन कालूहेड़ा, विधायक चिंतामणि मालवीय सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद थे।

मेडिसिटी में मेडिकल...

परिसर और आसपास के क्षेत्र का चयन किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि उन्होंने सागर में नए विश्वविद्यालय की स्थापना की घोषणा की है। उज्जैन में भी विकास के लिए कई योजनाओं पर काम किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री आज ...

स्थानीय कार्यक्रम में भाग लेकर दोपहर 12.50 बजे हेलीकॉप्टर से भोपाल के लिए प्रस्थान करेंगे। उधर, पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान सोमवार को ओरछा में भगवान राम राजा मंदिर में पूजन अर्चन करेंगे।

राहुल गांधी बोले- बस ...

ड्राइवर से कहा कि बस रोकिए। जैसे ही बस रुकी राहुल गांधी बस से निकलकर उस भीड़ में घुसने लगे, लेकिन तभी सुरक्षा बलों ने उन्हें वापस बस में बैठाया।

घंटों की कीमोथेरेपी ...

कोशिकाओं को कोई नुकसान भी नहीं पहुंचता है। सेल केमिकल बायोलॉजी जर्नल में प्रकाशित इस अध्ययन की रिपोर्ट में वैज्ञानिकों का कहना है कि इस एक गोली से घंटों की कीमोथेरेपी और उसके दर्द को कम किया जा सकता है। ये लक्षित रूप से सिर्फ उन्हीं कोशिकाओं को नष्ट करती है जिनमें कैंसर विकसित हो रहा है। फिलहाल दवा का अध्ययन केवल जानवरों और प्रयोगशाला प्रयोगों में किया गया है, लेकिन ऐसा प्रतीत होता है कि इसका कोई दुष्प्रभाव नहीं है।

अब तक सिर्फ चूहों ...

है। इस चरण पर दो साल तक शोध की जाएगी। दवा की पहली गोली अक्टूबर 2022 में परीक्षण के दौरान एक मरीज को दी गई थी।

कंपकंपाया पूरा प्रदेश, पांच...

का पारा 1.6 डिग्री गिरकर सीजन में पहली बार 7.4 डिग्री रहा। इससे पहले 20 दिसंबर को यहां न्यूनतम पारा 8.8 डिग्री रहा था। मौसम केंद्र के अनुसार अगले दो से तीन दिन प्रदेश में सर्दी का असर बरकरार रहेगा। इस बीच कोहरे का असर बढ़ेगा। कहीं-कहीं अति घने कोहरे का असर होने से विजिबिलिटी शून्य यानि 50 मीटर तक पहुंच जाएगी। रविवार को भी राजधानी में सुबह 11 बजे तक कोहरे का असर रहा। इससे सुबह दृश्यता 100 मीटर तक सिमट गई। इसके बाद धूप खिलने से मौसम सामान्य रहा। मौसम विशेषज्ञ एके शुक्ला के अनुसार अभी उत्तर से आ रही बर्फीली हवाओं के साथ ही अरब सागर से कुछ नमी मिलने से बादल, बौछारों से भी दिन के तापमान में बदलाव आ रहा है।

यहां रात का पारा रहा...

जिलों में रात का पारा 10 डिग्री से नीचे और 8 डिग्री के आसपास रहा है।

यहां सबसे ज्यादा बदलाव रहा: रविवार को उमरिया, जबलपुर, मंडला, नौगांव, सतना, गुना, ग्वालियर, नर्मदापुरम और शिवपुरी में दिन का पारा 3 से 7 डिग्री तक बढ़कर औसतन 23 डिग्री तक रहा। वहीं, उमरिया, नरसिंहपुर, जबलपुर में रात का पारा 2 से 3 डिग्री तक गिरा है। बैतूल, दतिया, नर्मदापुरम, ग्वालियर, धार, इंदौर, पचमढ़ी, राजगढ़, उज्जैन और भोपाल में रात का पारा औसतन 3 डिग्री तक गिरा है। पूरे प्रदेश में दिन का तापमान औसतन 2 डिग्री गिरकर सामान्य से औसतन 4 डिग्री तक कम रहा, जबकि रात का तापमान सामान्य से औसतन 3 डिग्री तक कम रहा है।

आज यहां घना कोहरा : सोमवार को भोपाल में भी कोहरा बढ़ेगा। इसके अलावा रीवा और ग्वालियर संभाग के जिलों में तथा पन्ना, छतरपुर, टीकमगढ़ और निवाड़ी सहित आसपास के हिस्सों में मध्यम से अति घना कोहरा रहेगा। यहां दृश्यता शून्य यानि 50 मीटर तक पहुंच सकती है। सागर, छतरपुर, टीकमगढ़, निवाड़ी, दतिया और भिंड में कोल्ड वेब, सतना, उमरिया, जबलपुर, पन्ना, दमोह, छतरपुर, टीकमगढ़, दतिया में सीवियर कोल्ड वेब रह सकती है।

राशिफल

मेष: मन परेशान हो सकता है। कारोबार में अभी कठिनाइयां बनी रहेंगी। सचेत रहें। कोई नया निवेश करने से बचें। मित्र का साथ मिलेगा।

वृष: मन प्रसन्न तो रहेगा, परन्तु धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। बातचीत में संयत रहें। कारोबार विस्तार के लिए परिवार से आर्थिक सहयोग मिल सकता है।

मिथुन: मन परेशान हो सकता है। आत्मसंयत रहें। परिवार में शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। नौकरी में तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। आय में वृद्धि होगी।

कर्क: किसी राजनेता से भेंट हो सकती है। वाहन सुख में वृद्धि हो सकती है। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। नौकरी में विदेश यात्रा पर जा सकते हैं।

सिंह: आत्मविश्वास में कमी आएगी। आत्मसंयत रहें। क्रोध के अतिरेक से बचें। धार्मिक संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कन्या: मन में निराशा एवं असन्तोष रहेगा। मन अशान्त रहेगा। संयत रहें। परिवार में व्यर्थ के वाद-विवाद से बचें। कारोबार में परिश्रम अधिक रहेगा।

तुला: मन प्रसन्न रहेगा। कारोबार में कठिनाइयां तो रहेंगी, लेकिन परिश्रम भी अधिक रहेगा। किसी मित्र के सहयोग से लाभ के अवसर मिल सकते हैं।

वृश्चिक: मन परेशान रहेगा। आत्मविश्वास में कमी आएगी। बातचीत में सन्तुलित रहें। नौकरी में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। कार्यक्षेत्र में बदलाव भी हो सकता है।

धनु: आत्मविश्वास तो भरपूर रहेगा, परन्तु अतिउत्साही होने से बचें। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकता है। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

मकर: क्रोध के अतिरेक से बचें। नौकरी में अफसरों का सहयोग तो मिलेगा, परन्तु स्थान परिवर्तन भी हो सकता है। परिवार से दूर रहना पड़ सकता है।

कुंभ: आत्मविश्वास भरपूर रहेगा, परन्तु संयत भी रहें। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। नौकरी में परिवर्तन के अवसर मिल सकते हैं। आय में वृद्धि होगी।

मीन: दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। परिवार के साथ यात्रा पर जा सकते हैं। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। खर्चों की अधिकता से परेशान हो सकते हैं।

CHANGE OF NAME

I Amit Sewhag Residing at H.No. 133 Rajendra Nagar Villa.& Mohala Sirsi Road Post & District Jaipur State Rajasthan Pin Code - 302021 have Changed My Daughter Name From Arshika Singh Sewhag to Arshika Singh Suhag Vide Affidavit dated 12/01/2024 at Bhopal MP Court.

CHANGE OF NAME

I Amit Sewhag Residing at H.No. 133 Rajendra Nagar Villa. And Mohala Sirsi Road Post & District Jaipur State Rajasthan Pin Code - 302021 have Changed My Son Name From Yashvardhan Singh Sewhag to Yashvardhan Singh Suhag Vide Affidavit dated 12/01/2024 at Bhopal MP Court.

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (धन भेजने, लोन संबंधित, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित अथवा अनुबंध) से पहले अच्छी तरह जाँच पड़ताल कर लें। किसी भी उत्पाद या सेवायें के संबंध में किये किसी विज्ञापन दाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि की जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक संपादक और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाये किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे। - व्यावस्थापक

शब्द पहेली - 5402

बाएँ से दाएँ
1.यश प्राप्त करना-5
5.चतुर, जहीन-5
9.दया, तरस-3
10.कामदेव-3
11.लीन, तल्लीन-2
13.बोली, आवाज-2
14.राजदुर्वा-2
15.एक प्रकार का बिस्किट-2,3
18.मत, सलाह-2
19.जो लायक न हो-4
20.अधीनस्थ-4
21.कहानी, गाथा-2
22.श्रवणेंद्रिय-2
23.कुएं से पानी भरने का चबूतरा-4
26.दान देने वाला-4
29.वरदान, दूल्हा-2
30.पत्नी का नाना-2,3
33.सूर्य, दिनकर-2
34.भीगा हुआ-2
35.सुर आलाप-2
36.फूलों का रस,अर्क-3
38.तरंग, हिलोर-3
41.जरुरतमंद-5
42.सेंधमार-5

ऊपर से नीचे
1.नामकरण-5
2.टैक्स,हाथ-2
3.महीना, मास-2
4.नामवर, प्रसिद्ध-4
5.संधि, सामंजस्य-4
6.सरुर, नशा-2
7.झंकार-2
8.रमण योग्य-5
12.तगारी, नांद-3
13.सुअर-3
15.अभिमान मर्दित होना -2,3
16.समाप्त-2
17.नेकनीयत-5
23.हनुमान-3,2
24.मुलायम-3
25.उम्मीद, आशा-2
27.बहादुरी-3
28.शिव, रविलोचन-2,3
31.नामचीन-4
32.सुसंचालन-4
36.चेहरे का तेज, दर्प-2
37.रिश्तेदार-2
39.अधिकार-2
40.ईश्वर, भगवान-2

शब्द पहेली- 5401 का हल

खबर संक्षेप

सैमसंग ने लांच किया गैलेक्सी एस24

नई दिल्ली। सैमसंग नेअपने नए गैलेक्सी एस24 अल्ट्रा, गैलेक्सी एस24+ और गैलेक्सी एस24

स्मार्टफोन की प्री-बुकिंग शुरू कर दी है। गैलेक्सी एस24 श्रृंखला आसान और बाधा मुक्त संचार को सक्षम बनाते हुए गैलेक्सी के प्रोविजुअल इंजन के साथ रचनात्मक स्वतंत्रता को नई ऊंचाई पर लेकर जाती है। ग्राहक 22,000 रुपए के प्री-बुकिंग फायदों के साथ गैलेक्सी एस24 अल्ट्रा और गैलेक्सी एस24+ की प्री बुकिंग कर सकते हैं। सैमसंग कीबोर्ड में लगा हुआ है।

बंसल वायर ने दाखिल किया डीआरएचपी

मुंबई। बंसल वायर इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने आईपीओ के लिए बाजार नियामक सेबी के समक्ष ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रोस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया है। बंसल वायर इंडस्ट्रीज भारत की सबसे बड़ी स्टेनलेस स्टील वायर निर्माण कंपनी और वॉल्यूम के हिसाब से दूसरी सबसे बड़ी स्टील वायर निर्माण कंपनी है, जिसका उत्पादन वित्त वर्ष 2023 में 72,176 एमटीपीए और 206,466 एमटीपीए है, जो क्रमशः 20 प्रतिशत और लगभग 4 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी का प्रतिनिधित्व करता है।

सुप्रीम की कुल आय 52.59 करोड़ रु. हुई

मुंबई। सुप्रीम पावर इक्विपमेंट लिमिटेड (एसपीईएल), पावर एवं वितरण ट्रांसफार्मर निर्माण उद्योग की एक विशिष्ट खिलाड़ी ने वित्त वर्ष 24 की प्रथम छमाही के अपने अनआडिटेड वित्तीय परिणामों की घोषणा की है। कंपनी को वित्त वर्ष 24 की प्रथम छमाही में 52.59 करोड़ रुपए की आय हुई। कंपनी एबिटडा 10.39 करोड़ रुपए हुआ। जबकि एबिटडा मार्जिन 19.75 फीसदी हुई। कर बाद लाभ 6.59 करोड हुआ तो कर बाद लाभ मार्जिन 12.53 फीसदी हुई। मैनेजिंग डायरेक्टर वी राजमोहन ने कहाकि हम वित्त वर्ष 2024 की प्रथम छमाही के मजबूत वित्तीय परिणाम घोषित कर हर्षित है।

श्रीजी ट्रांसलॉजिस्टिक्स के लाभ में वृद्धि

मुंबई। श्रीजी ट्रांसलॉजिस्टिक्स लिमिटेड (एसटीएल) ने आयोजित अपनी बोर्ड मीटिंग में, अन्य बातों के साथ-साथ, तीसरी तिमाही और फाइनेंशियल ईयर 24 के नौ माह की अवधि के लिए कंपनी के अनऑडिटेड फाइनेंशियल रिजल्ट्स पर विचार किया और मंजूरी दे दी। कंपनी ने विशाखापत्तनम (आंध्र प्रदेश), भिलाई (छत्तीसगढ़), हरिद्वार (उत्तराखंड), कानपुर (उत्तर प्रदेश) जैसे विभिन्न स्थानों में रेलवे रेक हैंडलिंग और शिफ्टिंग और ट्रांसपोर्टेशन सर्विसेज़ को सफलतापूर्वक निष्पादित किया है। कंपनी को नॉर्दन इंडिया एयर कार्गो कॉन्क्लेव एंड अवाड्र्स 2023 में कस्टम्स बॉन्डेड ट्रक ऑपरेटर ऑफ द ईयर अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है।

भगवान श्रीराम की भक्ति में डूबा भोपाल सहित पूरा मध्यप्रदेश

देशभर में हो चुका अब तक 1 लाख करोड़ रुपए का व्यापार

लोग जमकर कर रहे खरीदारी झंडे, फूल, पूजा सामग्री, मिठाइयों और दीयों की

वाणिज्य डेस्क ⏭भोपाल

राजधानी भोपाल, मध्यप्रदेश सहित पूरा देश इस राम की भक्ति में डूबा हुआ है। भव्य कार्यक्रमों की तैयारी जोरों पर है। इससे छोटे-बड़े कारोबारियों को भी खूब फायदा हो रहा है। लोग जमकर झंडे, फूल, पूजा सामग्री, मिठाइयों और दीयों की खरीदारी कर रहे हैं। टेंट और हलवाई भी एडवांस में ही बुक हो चुके हैं। कारोबारियों के संगठन कनफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स यानी कैट की मानें तो देश भर के व्यापारियों को एक लाख करोड़ रुपए से ज्यादा का व्यापार मिल चुका है।

राजधानी के सभी बाजार रोशनी से जगमग, रामनामी वस्तुओं की बिक्री

कैट भोपाल इकाई के जिलाध्यक्ष धर्मेन्द्र शर्मा के अनुसार देशभर में कहीं शोभा यात्रा निकल रही हैं, तो कहीं राम चौकी का आयोजन हो रहा है। कहीं हनुमान चालीसा का पाठ किया जा रहा है, तो कहीं राम संवाद के कार्यक्रम आयोजित हो रहे हैं। बाजारों में श्रीराम फेरी निकाली गई हैं।
श्रीराम की कीर्तन यात्रा में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए हैं। अनेक शहरों में श्रीराम मंदिर की कृति बनाई गई हैं। 22 जनवरी को बाजारों को रोशनी से जगमग करने की व्यापक तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। श्रीराम से संबंधित वस्तुओं की बड़े पैमाने पर बिक्री हो रही है। चाहे वो राम मंदिर के मॉडल हों या फिर राम ध्वज, राम पटका, माला, लाकेट, हाथ के कढ़ें या फिर श्रीराम के लॉकेट, ऐसी वस्तुओं की बाजार में भारी मांग है। बड़ी संख्या में हुए संगीतमय कार्यक्रमों से छोटे कलाकारों को काम मिला है। बाजारों और व्यापारियों के घरों में महा दीपावली का आयोजन होगा।

चारों तरफ श्रीराम के कार्यक्रमों की बाढ़, राम के रंग में रंगे लोग

खंडेलवाल के मुताबिक देश के दूसरे हिस्सों में लोग, राम के रंग में पूरी तरह से रंगते हुए नजर आ रहे हैं। चारों तरफ राम ही राम के नाम की धूम है। लोगों में राम के प्रति उत्साह और उल्लास देखते ही बन रहा है। कैट के तहत आने वाले हजारों छोटे बड़े व्यापारिक संगठनों ने राम उत्सव के लिए बड़ी तैयारियां की हैं। 22 जनवरी को भारत भर में मेरे राम' का बड़ा जयघोष होना तय है। कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष बीसी भरतिया के अनुसार 19 दिसंबर को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ एवं विश्व हिंदू परिषद ने कैट के प्रमुख व्यापारिक नेताओं के साथ एक बैठक की थी। इसमें देश भर के बाजारों को राम मय करने का आग्रह किया गया था। उसके बाद देशभर के सभी व्यापारी संगठन श्रीराम के काज में जुट गए। चारों तरफ श्रीराम के कार्यक्रमों की बाढ़ सी आ गई है।

श्रीरामलला की प्राण-प्रतिष्ठा को लेकर बाजारों में उत्साह

भगवा पताकाओं से सजे बाजार, दिवाली सा कारोबार

सोमवार को अयोध्या में होने वाले श्रीराम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को लेकर भोपाल में खासा माहौल है। जगह-जगह धार्मिक आयोजन किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में प्रभात फेरी और जुलूस निकाले जाने का भी दौर शुरू हो गया है। भोपाल के बाजारों में केसरिया ध्वज और भगवान राम के कटआउट दिखाई देने लगे थे। शहर की ज्यादातर सड़कों को भगवा पताकाओं और झंडियों से सजाया गया है। दुकानें और सड़क के बीचों-बीच डिवाइडर पर झंडे, झंडियां व पताका लगाए गए हैं।

घर, दुकान और प्रतिष्ठानों पर लाइटिंग

प्राण प्रतिष्ठा समारोह को देखते फूल कारोबारी और लाइटिंग कारोबारी में भी खूब उत्साह है। रविवार-सोमवार को मंदिर से लेकर घरों तक से आने वाली फूलों की डिमांड को देखते हुए कारोबारियों ने क्विंटलों अतिरिक्त फूल मंगाया। गेंदा के साथ गुलाब के फूलों की भी खूब बिक्री हो रही है। लोग घर, दुकान और प्रतिष्ठानों पर लाइटिंग करा रहे हैं। ऐसी लाइटिंग आमतौर पर दीपावली या शादी समारोह करते हैं।

मार्केट भगवा रंग के झंडे और केसरिया रंग के गुब्बारे से सजे

दस नंबर मार्केट व्यापारी एसोसिएशन अध्यक्ष रामचंद्र पाटीदार और सचिव हरीश चोइथानी के भगवान श्रीरामलला की प्राण प्रतिष्ठा के चलते मार्केट में भव्य तैयारियां की गई। मार्केट भगवा रंग के झंडे और केसरिया रंग के गुब्बारे और विद्युत साज सज्जा से सजाया गया। व्यापारी संघ द्वारा मार्केट में भव्य राम दरबार बनाया गया है। जिसे फूलों और गुब्बारे से सजाया गया। 22 जनवरी को शाम 5 बजे हवन से कार्यक्रम शुरू होगा और फिर श्रीरामलला की आरती होगी, बूंदी का प्रसाद वितरण होगा। इसके अलावा डे-टू-डे प्रोटींस के संचालक पप्पू आहूजा की ओर सभी दुकानदार भाईयों को मिठाई के पैकेट दिए जाएंगे। तत्पश्चात मार्केट में आतिशबाजी होगी।

रामलला को भोग लगाने मिठाई दुकानों से लड्डू और मिठाइयों की जोरदार खरीदी

अयोध्या में रामलला के भव्य मंदिर के उद्घाटन और प्राण प्रतिष्ठा के ऐतिहासिक घड़ी में भोग-प्रसाद वितरण और भंडारा आयोजित करने भक्तों में बड़ी होड़ मची हुई है। इसका सीधा असर मिष्ठान्न प्रतिष्ठानों में देखा जा रहा। मिठाई खासकर लड्डुओं की मांग कई गुना बढ़ गई है। मंदिरों में भोग-भंडारा रखने के लिए हलवाई कम भी पड़ रहे हैं। घोड़ा नक्कास स्थित कुंदन नमकीन एंड स्वीट्स के प्रेमनारायण यादव के अनुसार अयोध्याजी में राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम से पहले उत्सव के लिए मिठाई व लड्डू की बड़ी मांग आ रही है। 22 जनवरी को बांटने के लिए किलो में नहीं, बल्कि क्विंटल में मांग आ रहे हैं। तैयारी ये है कि युद्धस्तर पर मिठाई और लड्डू बन रहे हैं। यह स्थिति किसी एक मिष्ठान की नहीं, बल्कि भोपाल सहित प्रदेश भर में भक्तों का मुंह मीठा कराने की तैयारी जोर-शोर से चल रही है। प्रेमनारायण यादव ने बताया कि शहर ही नहीं गांवों से लोग ऑर्डर लेकर मिष्ठान प्रतिष्ठानों में पहुंच रहे हैं, जो अपने-अपने क्षेत्र में प्रसाद बांटना चाहते हैं। यही कारण है जो पेड़े-मिठाइयों और खासकर लड्डू के लिए लगातार ऑर्डर मिल रहे हैं।

गेंदे की फूल माला की मांग बढ़ी

शहर के बाजारों में पूजा सामग्री की दुकानों पर कपूर, धूपबत्ती, तिल का तेल और घी की मांग है। इसके अलावा गेंदे की फूल माला का खूब मिल रहा ऑर्डर, तुलसी माला लोग खरीद रहे। फूल विक्रेता बताते हैं कि फूलों से घर और मंदिर सजाने के लिए क्विंटल फूल के ऑर्डर मिल रहे है। 22 जनवरी को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर लोगों में उत्साह है। इस दिन दिवाली मनाने के लिए पीछे नहीं रहना चाहते हैं।

एलआईसी ने पेश की 'जीवन धारा-2' योजना

हरिभूमि न्यूज ⏭मुंबई

भारतीय जीवन बीमा निगम के अध्यक्ष सिद्धार्थ मोहंती ने एक नयी योजना लांच की है। यह योजना, एलआईसी की जीवन धारा 2 जो 22.01.2024 से बिक्री के लिए उपलब्ध होगी। एलआईसी की जीवन धारा-II एक व्यक्तिगत, बचत, आस्थिगत वार्षिकी योजना है। इस योजना की विशिष्ट पहचान संख्या यूआईएन- 512एन364वी01 है। इस योजना में वार्षिकीग्राही, प्राथमिक, माध्यमिक के लिए प्रवेश के समय न्यूनतम आयु 20 वर्ष वार्षिकीधारक एवं प्रवेश पर अधिकतम आयु 65, 70, 80 वर्ष है, जिसमें से चुने गए वार्षिकी विकल्प के आधार पर स्थगन अवधि घटा दी गई है। वार्षिकी की गारंटी शुरुआत से ही दी जाती है और 11 वार्षिकी विकल्प उपलब्ध हैं। संभावित पॉलिसीधारक - अधिक उम्र में वार्षिकी दरें अधिक होती हैं। जीवन कवर आस्थगन अवधि के दौरान उपलब्ध है। मौजूदा पॉलिसीधारकों, नामित, लाभार्थी के लिए वार्षिकी दर में वृद्धि निगम। पॉलिसी के अंतर्गत वार्षिकी बढ़ाने का विकल्प है। एकल प्रीमियम के रूप में और अवधि के दौरान किसी भी समय अतिरिक्त प्रीमियम का भुगतान करना केवल स्थगन अवधि और जब पॉलिसी लागू हो। मृत्यु दावे की राशि को एकमुश्त, वार्षिकीकरण के रूप में या इसके अंदर लेने का विकल्प किश्तें हैं। तरलता विकल्प यानी कटौती के बदले में एकमुश्त राशि प्राप्त करने का विकल्प वार्षिकी भुगतान और रिटर्न के साथ वार्षिकी विकल्पों के तहत उपलब्ध अन्य लाभ प्रीमियम / खरीद मूल्य। ऋण सुविधा वार्षिकी के तहत आस्थगन अवधि के दौरान या उसके बाद उपलब्ध होगी। प्रीमियम की वापसी/खरीद मूल्य के साथ विकल्प। यह योजना एक नॉन-लिंक्ड, नॉन-पार्टिसिपेटिंग योजना है। वार्षिकीधारक के जीवित रहने/मृत्यु पर चालू पॉलिसी में चयनित वार्षिकी विकल्प के तहत लाभ देय है।

उत्तर प्रदेश सामान्य अध्ययन -1 छात्रों के लिए

यूपीपीएससी की तैयारी कर रहे छात्रों के लिए बहुउपयोगी पुस्तक उपलब्ध

हरिभूमि न्यूज ⏭नई दिल्ली

उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित की जाने वाली परीक्षा एवं अन्य प्रतियोगिता परीक्षा के लिए उत्तर प्रदेश सामान्य अध्ययन-1 पुस्तक में नवीनतम पाठ्यक्रम के अनुसार विभिन्न विषयों को समाहित किया गया है। इस पुस्तक को भारतीय प्रशासनिक सेवा

2002 बैच के अधिकारी डॉ.मनीष रंजन ने लिखी है। डॉ.मनीष रंजन बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी के छात्र रहे हैं। उत्तर प्रदेश सामान्य अध्ययन, भाग-1 उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों के लिए अत्यंत उपयोगी है। पुस्तक को यूपीपीएससी की मुख्य परीक्षा के सामान्य अध्ययन प्रश्न-पत्र (पेपर-V) के नवीनतम पाठ्यक्रम के अनुरूप 21 अध्यायों में विभाजित किया गया है। इसमें उत्तर प्रदेश का इतिहास, संस्कृति, सामाजिक संरचना, शासन प्रणाली, भूमि सुधार, शिक्षा, कानून व्यवस्था, चिकित्सा, योजनाएं, एन.जी.ओ., पर्यटन इत्यादि प्रमुख विषयों पर परीक्षोपयोगी सामग्री का संकलन किया गया है।

सहकारिता और राज्यमंत्री की मौजूदगी में संपन्न हुआ 'फेड एक्सपो 2024 '

वेंडर डेवलपमेंट बायर-सेलर मीट होते रहना चाहिए,इससे नवीन अवसर प्राप्त होंगे: सारंग

भोपाल। फेडरेशन ऑफ एमपी चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री एवं सूक्ष्म-लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय के तत्वावधान से आयोजित तीन दिवसीय 'फेड एक्सपो 2024 का समापन रविवार को हुआ। इस मौके पर प्रदेश के सहकारिता खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास सारंग एवं लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री (राज्यमंत्री) नरेंद्र शिवाजी पटेल उपस्थित हुए। जिनका स्वागत फेडरेशन के अध्यक्ष डॉ. आरएस गोस्वामी ने किया। विश्वास सारंग और नरेन्द्र शिवाजी पटेल ने इस वेंडर डेवलपमेंट एवं बायर सेलर मीट में रशिया के स्मोलेंस्क रीजन से पहुंचे कोंद्रूशीक एलेकजेंडर वाईस प्रेसिडेंड स्मोलेंस्क चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री रशिया एवं जखरेंकोव इवेंगली का स्वागत किया।
सारंग ने फेडेरेशन द्वारा आयोजित फेड एक्सपो आयोजित करने के लिए फेडरेशन के अध्यक्ष डॉ. आरएस गोस्वामी को बधाई दी और कहा कि इस प्रकार की वेंडर डेवलपमेंट बायर-सेलर मीट होते रहना चाहिए। इससे प्रदेश में काम कर रही एसएमई को बहुत लाभ होगा। सारंग ने एक्सपो में लगे स्टॉल पर गए और उनके उत्पादों की सराहना की। राज्यमंत्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल ने कहा कि फेडरेशन द्वारा किए जाने वाले इस फेड एक्सपो से प्रदेश के उद्यमियों को प्रोत्साहन मिलेगा और उन्हें नवीन अवसर प्राप्त होंगे। इस मौके पर फेडरेशन के अध्यक्ष डॉ. आरएस गोस्वामी एवं उपाध्यक्ष, हिमांशु खरे एवं विजय गौर, उत्तम गांगुली, अशोक पटेल आदि उद्योगपति मौजूद रहे।

बिजनेस न्यूज

मानसरोवर कॉलेज में मना ट्रेजर डे और हैलोवीन-डे

भोपाल। मानसरोवर डेंटल कॉलेज, हॉस्पिटल एवं रिसर्च सेंटर के एनुअल फेस्ट में ट्रेजर डे और हैलोवीन डे बेहद उत्साह के साथ मनाया गया। ट्रेजर डे में जहां खजाने की तलाश में डेंटल कॉलेज के प्राध्यापकों ने कैम्पस में क्लू बटौरे। वहीं दूसरी ओर हैलोवीन डे में विद्यार्थी भूत- प्रेत की वेश भूशा में बखूबी एक्ट करते नजर आए। इस दौरान कोई एनाबेला तो कोई मंजुलिका बना नजर आया। कार्यक्रम का आयोजन मानसरोवर डेंटल कॉलेज के डीन डॉ.गुरूदत्त नायक और वाइस प्रिंसिपल डॉ.तृप्ती रहंगदाले के निर्देशन में किया गया। तत्व के पांचवे दिन हुई हैलोवीन डे की प्रतियोगिता में विद्यार्थी भूत-प्रेत और चुड़ैल बने नजर आए। इस दौरान द्वितीय वर्ष की छात्रा प्रेरणा और रागिनी ने 1920 मूवी का हॉरर कैरेक्टर प्ले कर प्रथम पुरस्कार जीता। वहीं ऐश्वर्या, अमीषा, अरण्य ने द्वितीय और साक्षी और प्रियंका ने तृतीय स्थान जीता। ट्रेजर हंट में डॉ. हिमांशु खासु और डॉ. विजय चतुर्वेदी की टीम ने खजाने की खोज कर जीत हासिल की। वहीं विद्यार्थियों के ट्रेजर हंट में फाइनल इयर के विद्यार्थी विजयी रहे। हैलोवीन डे के जज में डॉ. ऋचा अग्रवाल,डॉ.मौलश्री, डॉ. मयंक शर्मा और डॉ. सौरभ रहे। इस दौरान डॉ.नितिन अवस्थी, डॉ.अमिता गुप्ता, डॉ.निशि मिश्रा सहित बड़ी संख्या में प्राध्यापकगण और शिक्षक शिक्षिकाएं मौजूद रहे।

एनपीटीईएल-आईआईटी के 720 ऑनलाइन सर्टिफिकेशन कोर्स के लिए आवेदन आमंत्रित

चेन्नई। शिक्षा मंत्रालय की खास पहल-एनपीटीईएल (नेशनल प्रोग्राम ऑन टेक्नोलॉजी एन्हांस्ड लर्निंग)-आईआईटी मद्रास ने जनवरी-अप्रैल 2024 सेमेस्टर के लिए नामांकन शुरू कर दिया है। उम्मीदवार स्वयं और एनपीटीईएल पोर्टल पर निःशुल्क नामांकन कर सकते हैं। उन्हें 1000 रुपए शुल्क देकर सर्टिफिकेशन की परीक्षा देने का विकल्प होगा। एनपीटीईएल के कोर्स में अब तक 2.5 करोड़ से अधिक शिक्षार्थियों का दाखिला हो गया है। एनपीटीईएल इंजीनियरिंग, विज्ञान, मानविकी और प्रबंधन विषयों में 720 से अधिक कोर्सों के साथ इस सेमेस्टर में 30 लाख से अधिक उम्मीदवारों को सीखने का अत्याधुनिक अवसर देने का लक्ष्य रखता है। इन सर्टिफिकेट कोर्स में नामांकन की अंतिम तिथि 19 फरवरी 2024 है। उम्मीदवार स्वयम और एनपीटीईएल पोर्टल पर निःशुल्क नामांकन कर सकते हैं। उन्हें 1000 रुपए शुल्क देकर सर्टिफिकेशन की परीक्षा देने का विकल्प होगा। एनपीटीईएल के कोर्स में अब तक 2.5 करोड़ से अधिक शिक्षार्थी दाखिला ले चुके हैं। प्रोफेसर एंड्रयू थंगराज, एनपीटीईएल समन्वयक, आईआईटी मद्रास ने इन कोर्सों की अहमियत बताते हुए कहाकि एनपीटीईएल ने जन-जन के लिए कम खर्च पर, प्रामाणिक, ऑनलाइन शिक्षा सुलभ बनाया है और यह शिक्षा मंत्रालय की अग्रणी पहल बनी हुई है।

महिंद्रा ने पेश किया सुप्रो प्रॉफिट ट्रक एक्सेल कीमत 6.61 लाख से शुरू

नई दिल्ली। भारत में स्मॉल कमर्शियल व्हीकल (एससीवी) के बाजार में अग्रणी, महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड (एमएंडएम) ने गर्व से नई सुप्रो प्रॉफिट ट्रक एक्सेल रेंज के लांच की घोषणा की है, जो डीजल और सीएनजीडुओ दोनों वेरिएंट में उपलब्ध है। सुप्रो प्लेटफॉर्म की सफलता के आधार पर प्रॉफिट ट्रक एक्सेल रेंज अपनी जोरदार ताकत, जबरदस्त स्टाइल, बेजोड़ सुरक्षा और आराम के साथ लास्ट-मील कनेक्टिविटी के लिए डिजाइन किया गया है। सुप्रो, शुरुआत में 2015 में लांच किया गया था, जो ग्राहकों की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने वाले एक हरफनमौला प्लेटफॉर्म के रूप में उभरा है। प्रतिस्पर्धी कीमत पर सुप्रोप्रॉफिट ट्रक एक्सेल का मूल्य इस प्रकार है डीजल संस्करण की कीमत 6.61 लाख रुपए और सीएनजी डियो वेरिएंट की कीमत 6.93 लाख (एक्स-शोरूम दिल्ली) है।

सैमसंग ने की ग्रैंड रिपब्लिक-डे सेल की घोषणा

नई दिल्ली। इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड सैमसंग ने गैलेक्सी स्मार्टफोन, लैपटॉप, टैबलेट, वियरेबल्स, सैमसंग टीवी और सैमसंग के दूसरे डिजिटल उपकरणों पर बंपर ऑफर्स और कैशबैक के साथ ग्रैंड रिपब्लिक सेल शुरू की है। ये ऑफर्स सैमसंग.कॉम, सैमसंग शॉप एप और सैमसंग एक्सक्लूसिव स्टोर्स पर उपलब्ध होंगे। उपभोक्ताओं को एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, एक्सिस बैंक और अन्य प्रमुख बैंक डेबिट और क्रेडिट कार्ड पर 22.5 फीसदी तक कैशबैक (25000 रुपए तक) मिलेगा। ग्राहकों को लेटेस्ट गैलेक्सी एस24 सीरीज स्मार्टफोन की प्री-बुकिंग पर शानदार ऑफर्स भी मिलेंगे। ग्रैंड रिपब्लिक डे सेल के तहत, उपभोक्ता केवल 54999 रुपए में गैलेक्सी एस23 का लाभ उठा सकते हैं। सैमसंग टेलीविजन के प्रीमियम और लाइफस्टाइल मॉडल खरीदने वाले उपभोक्ता 15250 रुपए तक के अतिरिक्त एक्सचेंज लाभ के साथ 48फीसदी तक की छूट का लाभ उठा सकते हैं।

ग्राहक सुरक्षा और संतुष्टि सुनिश्चित पॉलिसीबाजार में

भोपाल। पॉलिसीबाजार डॉट कॉम में मोटर इंश्योरेंस के हेड नितिन कुमार का कहना है कि अब इंश्योरेंस कंपनी बहुत ही कम कीमत पर रोड साइड असिस्टेंस एड-ऑन को ग्राहकों के लिए उपलब्ध करा रही है। इस एड -ऑन को पॉलिसीधारक प्रति वर्ष 30 रुपए तक की कम कीमत पर अपनी साधारण पॉलिसी के साथ जोड़कर इसका लाभ उठा सकते है। टू-व्हीलर मोटर इंश्योरेंस खरीदने वाले लगभग 20 से 25 प्रतिशत ग्राहक रोड साइड असिस्टेंस एड-ऑन का विकल्प चुन रहे है। इस एड-ऑन को शामिल करने वाले ग्राहकों की संख्या टियर-1 शहरों में अधिक है और धीरे-धीरे यह संख्या टियर-2 शहरों में भी बढ़ रही है। टू-व्हीलर इंश्योरेंस में एड-ऑन के रूप में मिलने वाली रोड साइड असिस्टेंस की सुविधा पॉलिसीधारकों को ब्रेकडाउन, फ्लैट टायर या किसी अन्य मैकेनिकल परेशानी की स्थिति में सहायता प्रदान करती है।

टॉर्क फार्मा ने हेल्थकेयर डायनेमिक्स को नया रूप दिया

चंडीगढ़। अग्रणी फार्मास्युटिकल कंपनी टॉर्क फार्मा ने बेटर टुगेदर थीम के तहत एक परिवर्तनकारी ब्रांड पहचान का अनावरण किया है। एक नई टीम और दूरदर्शी दृष्टिकोण के साथ 2024 में शुरू की गई यह रणनीतिक रीब्रांडिंग, नवीन और उच्च गुणवत्ता वाले स्वास्थ्य देखभाल समाधान प्रदान करने में सहयोग, तालमेल और एकता को बढ़ावा देने के लिए टॉर्क फार्मा की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। यह रीब्रांड टॉर्क के विकास के साथ सहजता से संरेखित होता है, साझेदारी, विशेषज्ञ सहयोग और एक कुशल कार्य वातावरण की खेती जैसे महत्वपूर्ण तत्वों पर जोर देता है, जो कंपनी के विकास प्रक्षेपवक्र को दर्शाता है।

केआरएन हीट ने दाखिल किया डीआरएचपी

मुंबई। हीट वेंटिलेशन एयर कंडीशनिंग और रेफ्रिजरेशन उद्योग (एचवीएसी एंडआर) के लिए फिन और ट्यूब टाइप हीट एक्सचेंजर्स के निर्माता केआरएन हीट एक्सचेंजर एंड रेफ्रिजरेशन लिमिटेड ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए बाजार नियामक सेबी के समक्ष ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रोस्पेक्टस (डीआरएचपी) दायर किया है। इस ऑफर में 10 रुपए प्रत्येक अंकित मूल्य के 1,93,05,000 इक्विटी शेयरों तक का फ्रेश इश्यू शामिल है। केआरएन हीट एक्सचेंजर एंड रेफ्रिजरेशन लिमिटेड का नेतृत्व चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर संतोष कुमार यादव द्वारा किया जाता है।

आईआईटी और ई-स्पिन नैनोटेक ने किए समझौते पर हस्ताक्षर

हैदराबाद। भारत के उच्च शिक्षा संस्थानों के सबसे बड़े अनुसंधान एवं विकास नवाचार समारोह, इन्वेंटिव-2024 का दूसरा संस्करण भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), हैदराबाद में संपन्न हुआ। शिक्षा मंत्रालय के एक प्रमुख कार्यक्रम, इन्वेंटिव ने उद्योग के हितधारकों और शिक्षा जगत के सामंजस्य पूर्ण अभिसरण को एक साथ लाया। इन्वेंटिव-2024 के समापन समारोह ने आईआईटी हैदराबाद और ई-स्पिन नैनोटेक के बीच एक प्रौद्योगिकी हस्तांतरण समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। जिसका लक्ष्य सेलूलोज़-आधारित नैनो फाइबर फेमिनिन हाइजीन उत्पादों के व्यावसायिक अनुप्रयोग को संचालित करना है। यूनाइटेड किंगडम, भारत और चीन में मान्यता प्राप्त यह पेटेंट तकनीक प्रभावी ढंग से दो महत्वपूर्ण चुनौतियों का समाधान करती है। प्रौद्योगिकी के प्रमुखशोधकर्ता और आईआईटी हैदराबाद के डीन, प्रायोजित अनुसंधान और परामर्श, प्रोफेसर चंद्रशेखर शर्मा ने कहाकि मुझे इन्वेंटिव प्लेटफॉर्म के माध्यम से आज इस स्तर तक पहुंचने में खुशी हो रही है। इस स्तर पर पहुंचने में थोड़ा अधिक समय लगा क्योंकि जब यह आविष्कार हुआ तब नैनो फाइबर तकनीक औद्योगिक पैमाने पर उत्पादन के लिए तैयार नहीं थी।

चिंतन

वेड इन इंडिया से मजबूत होगा आर्थिक राष्ट्रवाद

सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के साथ ही पीएम नरेंद्र मोदी आर्थिक राष्ट्रवाद की भावना को भी मजबूत करने के लिए अवाम को प्रेरित करते रहते हैं। पीएम ने वोकल फॉर लोकल के बाद अब 'वेड इन इंडिया' का आह्वान किया है। दरअसल समृद्ध भारतीय विदेश में जाकर वेडिंग सेरेमनी करते हैं। एक अनुमानित आंकड़े के मुताबिक भारतीय प्रति वर्ष करीब पांच हजार से अधिक शादियां विदेश में जाकर कर रहे हैं। इन पर करीब एक लाख करोड़ रुपए खर्च करते हैं। विदेश में होने वाली शादियां अगर भारत में ही होने लगें तो ये पैसे भारत में ही खर्च होंगे, जिससे देश का पैसा बाहर जाने से बच जाएगा और अंततः भारतीय अर्थव्यवस्था को फायदा होगा। विदेशियों में भारत आकर वेडिंग करने का ट्रेंड नहीं है, वे अपने मुल्क के प्रति सचेत होते हैं। दरअसल, भारतीयों में विदेशी वस्तुओं व जगहों को लेकर अजीब आकर्षण है, कुछेक समृद्ध लोगों में स्वदेशी वस्तुओं, जगहों और भाषाओं के प्रति उदासीन भाव हैं, वे विदेश में व विदेशी वस्तुओं पर खर्च कर अपने अहं को तुष्ट करते हैं। एक अनुमान के मुताबिक विदेशी सामान, विदेशी विक्रेताओं से खरीदने के चलते करीब 11 लाख करोड़ रुपए विदेशी कंपनियां भारत से मुनाफा के रूप में ले जाते हैं। भारतीयों में अगर स्थानीय, मेड इन इंडिया उत्पादों के प्रति भावना जाग जाए, तो विदेशी कंपनियों को जाने वाले मुनाफे देश में ही रह सकते हैं। भारतीय अपनी खरीदारी की आदत बदल कर हर वर्ष सात से आठ लाख करोड़ रुपए विदेश जाने से बचा सकते हैं। पीएम नरेंद्र मोदी इसलिए 'वोकल फॉर लोकल' पर जोर देते हैं। हाल ही में पीएम ने लक्षद्वीप के समुद्र तट की तस्वीर सोशल मीडिया पर साझा किया तो, मालदीव परेशान हो गया। पीएम ने रामेश्वरम स्थित रामसेतु के पास की तस्वीर भी सोशल मीडिया पर साझा की है। पीएम की कोशिश है कि लोग देश के अंदर ही खूबसूरत जगह पर घूमने जाएं। भारतीय हर वर्ष मालदीव, इंडोनेशिया, थाईलैंड, यूरोप, अमेरिका आदि देशों के टूरिस्ट डेस्टिनेशन्स पर घूमने पर करोड़ों रुपए खर्च करते हैं। अगर लोग देश के अंदर मौजूद पर्यटन स्थलों पर भी जाएं, तो स्वदेशी पर्यटन को मजबूती मिलेगी। इन सबका फायदा अर्थव्यवस्था को होगा। भारत में हर वर्ष करीब 800 से 1000 फिल्में बनती हैं, जिनकी शूटिंग्स पर करोड़ों खर्च होते हैं। इनमें से बहुत सारे शूटिंग्स विदेशी लोकेशन्स पर होते हैं। अगर हमारे फिल्म निर्माता भारत के खूबसूरत लोकेशन्स पर फिल्मों की शूटिंग्स करें, तो भारतीय पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और देश में पैसे खर्च होने से घरेलू अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। बहुत से ऐसे छोटे-छोटे कदम हैं, जिनसे देश की तरक्की को पंख लग सकते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 26 नवंबर को अपने मन की बात कार्यक्रम में भी विदेशों में की जाने वाली डेस्टिनेशन शादियों पर चिंता जताई थी और लोगों से भारत में ही शादी करने की अपील की थी। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स का मानना है कि देश में ही डेस्टिनेशन शादियां हों तो भारतीय अर्थव्यवस्था में एक संभावित बदलाव लाने की पहल हो सकती है। भारत में खूबसूरत जगहों की भरमार है, सौ से अधिक शहरों में करीब दो हजार से अधिक स्थान हैं, जहां डेस्टिनेशन वेडिंग आयोजित किए जा सकते हैं। कैट ने व्यापारियों और नागरिक समाज के बीच भारत के डेस्टिनेशन वेडिंग को प्रोत्साहित करने के लिए एक अभियान भी शुरू किया है। 'वेड इन इंडिया' से आर्थिक राष्ट्रवाद मजबूत होगा।

आस्था
सुरेश जैन

गुरुकुल और राष्ट्रीय शिक्षा नीति में श्रीराम

श्रीराम मर्यादा पुरुषोत्तम हैं। श्रीराम का जीवन समाज के लिए आदर्श है। उनकी शिक्षा गुरुकुल में होती है। बाबा तुलसी के शब्दों में गुरु गृह पढ़न गए रघुराई, अल्पकाल विद्या सब पाई। श्रीराम चक्रवर्ती सम्राट के बेटे हैं, किन्तु वे शिक्षा ग्रहण करने के लिए गुरु वशिष्ठ के गुरुकुल में जाते हैं। इस व्यवस्था का व्यक्तित्व निर्माण पर गहरा प्रभाव पड़ता है। वे दूसरे विद्यार्थियों की तरह ही रहते हैं। गुरुकुल में परा और अपरा दोनों तरह की शिक्षा ग्रहण की जाती है। परा विद्या में शिक्षा, कल्प, व्याकरण, निरुक्त, छंद, नक्षत्र, वास्तु, आयुर्वेद, वेद, कर्मकांड, ज्योतिष, सामुद्रिक शास्त्र, हस्तरेखा एवम धनुर्विद्या शामिल है। इससे उनकी समझ, अनुभव, विवेक, विचारशीलता और सही समय पर सही निर्णय लेने की क्षमता को विकसित करने की पृष्ठभूमि तैयार होती है। ऐसे ही पाठ्यक्रमों की परिकल्पना राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में की गई है। इसमें मुख्य विषय के अलावा आनुषांगिक विषयों को भी पढ़ाए जाने के लिए पाठ्यक्रम बनाए गए हैं। गुरुकुल में भी इसी तरह की व्यवस्था है, उनके मूल विषय के रूप में कूटनीति और धनुर्विद्या जैसे विषयों को पढ़ना अनिवार्य है, ताकि उनके व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास हो सके। गुरुकुल में इस बात का विशेष ध्यान रखा जाता है कि विद्यार्थी के लिए जितना महत्वपूर्ण उसका औपचारिक अध्ययन है, उतना ही महत्वपूर्ण आसपास का परिवेश है। उस परिवेश के माध्यम से छात्रों में आत्मनिर्भरता, अनुशासन, समय प्रबंधन, सामाजिक सामंजस्य की कला और नेतृत्व के गुण आते हैं। शिक्षा की पूर्णता में दोनों ही समान रूप से आवश्यक है। विष्णु पुराण में कहा गया है- तत्कर्म यन्न बन्धाय सा विद्या या विमुक्त, आयासाय परम कर्म विद्यान्या शिल्प नैपुणम अर्थात कर्म वही है, जो बंधन में न बांधे और विद्या वही है, जो मुक्त करे। गुरुकुल में राम को दी जाने वाली विद्या मुक्ति देने के लिए दी जाने वाली शिक्षा है। मुक्ति का अर्थ सामाजिक जीवन की कुरीतियों से मुक्ति। अंधविश्वास से मुक्ति। ऊंच-नीच के मनोभाव से मुक्ति। अवैज्ञानिक सोच से मुक्ति। स्वार्थ और जड़ता से मुक्ति। हर तरह के अहंकार से मुक्ति। विद्या के बारे में कहा गया है-विद्या ददाति विनयं, विनयाद्याति पात्रताम। विद्या विनय देती है। उससे पात्रता विकसित होती है। व्यक्ति उतना ही सीख पाता है, जितनी उसकी पात्रता होती है। जिसकी पात्रता जितनी व्यापक होती है, उसका व्यक्तित्व भी उतना ही व्यापक होता है। सागर जैसा व्यापक होने के लिए उसके जैसी व्यापक विनम्रता और शांत चित्त की आवश्यकता होती है। श्रीराम गुरुकुल जाकर इसी विनम्रता को आत्मसात करते हैं, जो उनके व्यक्तित्व को सागर जैसा विस्तार देती है, जिसके लिए नर-वानर में कोई भेद नहीं। गुरुकुल में आत्मसात किए गए इन सभी सद्गुणों का असर श्रीराम के जीवन पर परिलक्षित होता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति- 2020 में इस बात पर विशेष बल दिया गया है कि आरंभिक शिक्षा मातृभाषा में हो, शिक्षा में भारतीय मूल्यों और चरित्र निर्माण पर विशेष जोर हो। शिक्षा समावेशी हो। राम के गुरुकुल की शिक्षा प्रकृति के नैसर्गिक परिवेश में दी जाती है। बटुक कठिन परिस्थितियों में भी जीवन-यापन के गुर सीखता है। स्वतंत्र भारत में गठित विशेषज्ञ समितियों की एकमत राय रही है कि शिक्षा भारतीय जीवन मूल्यों पर आधारित हो। राष्ट्रीय शिक्षा नीति- 2020 में भी इस पर बल दिया गया है। राम के गुरुकुल में शिक्षा और संस्कार इस तरह से एकरूप हैं कि उन्हें अलग नहीं किया जा सकता। संस्कार, शिक्षा पर आधारित हैं और शिक्षा संस्कारों की आधारशिला है। इस माध्यम से विद्यार्थियों को संस्कारमय बनाकर उन्हें आदर्श मानव बनाना ही शिक्षा व्यवस्था का उद्देश्य है। राम द्वारा गुरुकुल में प्राप्त की गई शिक्षा उन्हें नेतृत्व की अद्भुत क्षमता देती है। अपने राज्य से दूर जहां पर उन्हें कोई जानने वाला नहीं है, वहां पर वे स्थानीय लोगों को एकजुट करते हैं और समुद्र पर सेतु निर्माण का जटिल कार्य संपन्न करते हैं।

(लेखक प्रख्यात शिक्षाविद एवम तीर्थंकर महावीर यूनिवर्सिटी, मुरादाबाद-यूपी के कुलाधिपति हैं।)

अपने विचार
हरिभूमि कार्यालय
पीबी-2, चतुर्थ तल, मानसरोवर कॉम्पलैक्स, वार्ड नं. 50, शिवाजी नगर, निकट रानी कमलापति रेलवे स्टेशन, होशंगाबाद रोड, भोपाल, (म.प्र.) 462016
aapkepatra.haribhoomi@gmail.com
पर भेज सकते हैं।

भारत के स्वाभिमान की पुनः स्थापना

प्राण-प्रतिष्ठा समारोह
डॉ. मोहन यादव

राम मंदिर हमारी संस्कृति, हमारी आस्था, राष्ट्रीयत्व और सामूहिक शक्ति का प्रतीक है। यह सनातन समाज के संकल्प, संघर्ष और जिजीविषा का ही परिणाम है कि आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में श्रीराम मंदिर निर्माण का सपना साकार हो रहा है। यह उमंग और उत्सव का अवसर है, समूचा समाज उल्लास के साथ खुशियां मना रहा है। राजा राम प्रत्येक भारतीय और विश्व में व्याप्त सनातनियों के आदर्श हैं। वे सत्यनिष्ठा के प्रतीक, सदाचरण और आदर्श पुरुष के साकार रूप मर्यादा पुरुषोत्तम हैं।

आज सौभाग्य का पावन अवसर है। सैकड़ों वर्षों बाद यह शुभ घड़ी आई है...अयोध्या में अपने जन्मस्थान पर रामलला विराजमान हो रहे हैं। पूरे संसार के सनातनी हर्षित, आनंदित और प्रफुल्लित हैं। समूचे विश्व में जय श्रीराम गुंजायमान है। हम सभी सौभाग्यशाली हैं कि हमें यह सुखद दृश्य देखने का अवसर मिला है। श्रीरामजी की गरिमा के अनुरूप मंदिर निर्माण के लिये पीढ़ियों ने पांच सौ वर्ष तक संघर्ष किया इसमें अनगिनत बलिदान हुए।

राम मंदिर हमारी संस्कृति, हमारी आस्था, राष्ट्रीयत्व और सामूहिक शक्ति का प्रतीक है। यह सनातन समाज के संकल्प, संघर्ष और जिजीविषा का ही परिणाम है कि आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में श्रीराम मंदिर निर्माण का सपना साकार हो रहा है। यह उमंग और उत्सव का अवसर है, समूचा समाज उल्लास के साथ खुशियां मना रहा है।

राजा राम प्रत्येक भारतीय और विश्व में व्याप्त सनातनियों के आदर्श हैं। वे सत्यनिष्ठा के प्रतीक, सदाचरण और आदर्श पुरुष के साकार रूप मर्यादा पुरुषोत्तम हैं। श्रीराम जन्मस्थान मंदिर निर्माण के हर्षोल्लास के साथ हमें भगवान राम के जीवन से प्रेरणा भी लेनी चाहिए। कर्तव्यपथ पर प्रतिबद्ध श्रीराम के व्यक्तित्व की सबसे बड़ी विशेषता है कि वे सबके थे और सबको साथ लेकर चलते थे। सबका विश्वास अर्जित करने के लिये अपने सुखों का भी त्याग कर देते थे। वे जितने वीर थे, मेधावी थे उतने ही सहनशील भी। उन्होंने सिद्धांतों से कभी समझौता नहीं किया और विपरीत परिस्थिति कभी उन्हें विचलित नहीं कर सकती थीं।

प्रजावत्सल राजा राम के लिए न्याय और राजधर्म सर्वोपरि था। इन्हीं अद्भुत विशिष्टताओं के कारण श्रीराम को आदर्श राजा कहा जाता है। उनकी राज व्यवस्था में न कोई छोटा था न कोई बड़ा था, सभी समान सम्मान के अधिकारी थे। सबको उनकी योग्यता, क्षमता और मेधा के अनुसार काम के अवसर प्राप्त थे। भेदभाव रहित समाज व्यवस्था के लिए रामराज्य का उदाहरण दिया जाता है।

रामराज्य में प्रजा की सुखद स्थिति का रामचरित मानस के उत्तरकांड में उल्लेख है- दैहिक दैविक भौतिक तापा, राम राज नहिं काहुहि ब्यापा। अर्थात रामराज्य में शासन व्यवस्था इतनी आदर्श थी कि प्रजा समृद्ध, रोग रहित और आपदा रहित थी।

राष्ट्र के सांस्कृतिक एकत्व के लिए श्रीराम जी ने उत्तर से दक्षिण और पूरब से पश्चिम तक पूरे भारत को एक सूत्र में पिरोया। वे अपना वनवासकाल पूर्ण करके लंका से सीधे अयोध्या नहीं आये। वे उन सभी स्थानों पर गए जो उनका वन गमन मार्ग था। लौटते समय निषाद, किरात, केवट और वनवासी समाज के सभी प्रमुख बंधुओं को अपने साथ लाए थे। अपने राजकाल में श्रीरामजी ने एक-एक व्यक्ति का विश्वास अर्जित किया और उन्हें संगठित किया। उनका पूरा जीवन राष्ट्र और समाज के लिए समर्पित रहा। हमें ऐसेही राष्ट्र का निर्माण करना है।

लगभग पांच सौ वर्षों की दीर्घ प्रतीक्षा और धैर्य के बाद रामलला पूर्व प्रतिष्ठा के साथ अयोध्या आ रहे हैं। यह प्रगति और परंपरा का उत्सव है। इसमें विकास की भव्यता और विरासत की दिव्यता है। यही भव्यता और दिव्यता हमें प्रगति पथ पर आगे ले जाएगी। प्रधानमंत्री के संकल्प के साथ समाज के संघर्ष और आत्मशक्ति का परिणाम है कि आज रामलला विराजमान हो रहे हैं। प्रधानमंत्री ने देशवासियों से आग्रह किया है कि जब अयोध्या में प्रभु राम विराजमान हों, तब हर घर में श्रीराम ज्योति जलाएं, दीपावली मनाएं। रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा अवसर पर हमने प्रदेश के शहरों और ग्रामों में रोशनी और दीप जलाने की तैयारी की है। प्रदेश की सभी ग्राम पंचायतों में श्रीराम कथा सप्ताह मनाया जा रहा है।

प्रधानमंत्री ने भव्य राम मंदिर निर्माण के निमित्त एक सप्ताह तक देश के सभी मंदिरों तथा तीर्थ स्थलों पर स्वच्छता अभियान चलाने का आह्वान किया है। हमने मध्यप्रदेश में स्वच्छता से स्वास्थ्य और स्वास्थ्य से समृद्धि के लिए सभी तीर्थ स्थलों, मंदिरों तथा नदियों में स्वच्छता अभियान चलाया है। प्रभु श्रीराम ने वनवासकाल के लगभग 11 वर्ष चित्रकूट में व्यतीत किए हैं। हमने तीर्थ स्थल चित्रकूट सहित रामवन पथ गमन मार्ग के 1450 किलोमीटर के 23 प्रमुख धार्मिक स्थलों का विकास करने का निर्णय लिया है। इसमें अधोसंरचना विकास के कार्यों के साथ-साथ धार्मिक चेतना, आध्यात्मिक विकास और राम कथा से जुड़े आयामों को भी शामिल किया जाएगा। भगवान कामतानाथ के परिक्रमा पथ का निर्माण कार्य भी शीघ्र प्रारंभ होगा।

अयोध्या में रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा का यह ऐतिहासिक क्षण हम सभी के लिये प्रेरणा का अवसर है। भारतके सांस्कृतिक वैभव और समृद्धि के इस पावनकाल में यशस्वी प्रधानमंत्री ने देश को आत्मनिर्भर और सर्वश्रेष्ठ राष्ट्र के रूप में विकसित करने का संकल्प लिया है, हम इस संकल्प की सिद्धि के लिए प्रतिबद्ध हैं। भारत को यदि सशक्त और विकसित राष्ट्रों की पंक्ति में अग्रणी बनाना है, तो हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि समाज संगठित रहे, समरस रहे, एकजुट रहे और प्रत्येक व्यक्ति आत्मनिर्भर बने। यदि भारत राष्ट्र को आत्मनिर्भर बनाना है, तो पूरे समाज को आत्मनिर्भर बनना होगा, तभी रामराज्य की कल्पना सार्थक हो सकेगी।

(लेखक मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री हैं)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **edit@haribhoomi.com** पर दे सकते हैं।

अब 'राम-रीति' से बन रहा भारत

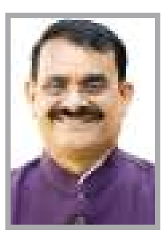

प्राण-प्रतिष्ठा समारोह
विष्णुदत्त शर्मा

यह नया भारत पीएम नरेंद्र मोदी की अगुवाई में बहुलता, विविधता और समावेशिकता का सम्मान करने वाला एकमात्र देश है। यह भारत अपनी पुरातन सांस्कृतिक पहचान को आधुनिक कलेवर में भी पोषित और संवर्धित करने की क्षमता रखता है। यह भारत अपनी धरोहर को वापस पाने के लिए सदियों तक प्रतीक्षा कर सकता है और अहिंसा के रास्ते पर चलकर उसे प्राप्त भी कर सकता है। यह नया भारत युद्ध एवं परमाणु बम के उपयोग के बिना ही अपनी विधि-व्यवस्था के माध्यम से सबसे पुरानी समस्याओं को सुलझाने की क्षमता रखता है।

बचपन से ही घर के बड़े-बुजुर्गों से प्रभु श्रीराम लला की कीर्ति, शौर्य और प्रभुता की बातें सुनता रहता था। युवा अवस्था के प्रारंभ में बताया गया कि आक्रांताओं ने अयोध्या में आक्रमण करके भगवान श्रीराम जन्मभूमि स्थान पर बने मंदिर को बर्बरतापूर्वक तोड़कर मस्जिद का विवादित ढांचा बनाया गया था। यह बात सुनने के बाद से ही मन उद्वलित रहने लगा कि हमारे आराध्य और रोम-रोम में बसने वाले भगवान श्रीराम के जन्मस्थान पर हुआ आक्रमण सनातन पर और हमारी आस्था पर आक्रमण था। इसके बाद से ही राष्ट्रीयता की विचारधारा से प्रेरित होकर कॉलेज में पहुंचते ही अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) से जुड़ने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।

अध्ययन के साथ ही श्रीराम जन्मभूमि का मुद्दा पूरी तरह से समझा। उसके उपरांत वर्ष 1992 में एबीवीपी के राष्ट्रीय अधिवेशन में शामिल होने कानपुर पहुंचा तो मुझे भी कारसेवा करने का सुअवसर प्राप्त हुआ। वर्ष 1992 में ही 6 दिसंबर को कार सेवकों द्वारा श्रीराम जन्मस्थान पर बने विवादित ढांचे को गिरा दिया गया। उन दिनों राम मंदिर आंदोलन का नेतृत्व कर रहे नेताओं को यह सलाह दी जाती थी कि भारत एक धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र है जहां ऐसे सांप्रदायिक व अनावश्यक मुद्दों का कोई स्थान नहीं है। स्पष्ट है कि भारतीय जनता पार्टी के अतिरिक्त देश के सभी राजनीतिक दलों के लिए राम मंदिर आंदोलन एक सांप्रदायिक मुद्दे से अधिक और कुछ न था।

युवा अवस्था में यह विचार मेरे मन मस्तिष्क में कौंधता रहता था कि जब भारत, भगवान श्रीराम की भूमि है तो यहां भगवान श्रीराम के जन्मस्थान पर आक्रांताओं द्वारा मंदिर तोड़कर बनाए गए विवादित ढांचे के स्थान पर रामलला के लिए भव्य मंदिर निर्माण की परिकल्पना सांप्रदायिक कैसे हो सकती है? तत्समय एक बड़ा प्रभावशाली एवं विशिष्ट वर्ग भी सेकुलरिज्म की चादर में लिपटे हुए इन्हीं कुतर्कों को धार देता रहता था। ऐसी स्थिति में कभी-कभी लगता था कि अयोध्या में भव्य श्रीरामलला मंदिर का निर्माण एक दिवास्वप्न ही है, परंतु यह भारत का सौभाग्य है कि देश में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ जैसा एक ऐसा राष्ट्र निष्ठ संगठन है, जिसने श्रीरामलला के मंदिर निर्माण की आस कभी नहीं त्यागी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने कश्मीर से कन्याकुमारी तक पूरे देश में यह भरोसा जगाए रखा कि एक दिन राम मंदिर अवश्य बनेगा। राम जन्मभूमि का चरणबद्ध आंदोलन और विश्वास बनाए रखने के लिए रचे गए नारे इस प्रतिबद्धता के साक्षी रहे हैं। संघ ने देश की चेतना को जागृत रखते हुए श्रीराम मंदिर निर्माण के संकल्प को हर नागरिक का संकल्प बना दिया।

संघ से प्रेरणा लेने वाले अनेक संगठनों ने उस चेतना को प्रखर बनाए रखने में अपना गिलहरी रूपी योगदान देने के लिए कृतसंकल्पित रहे। जनसंघ के समय से ही श्रीराम मंदिर का निर्माण अतिमहत्वपूर्ण मुद्दा था और भाजपा के स्थापना दिवस से ही यह प्राथमिकता के शिखर पर पहुंच गया। फलस्वरूप आज अयोध्या में श्रीराम मंदिर का निर्माण पूर्ण हो चुका है और भगवान श्रीराम अब सनातनियों द्वारा निर्मित भव्य-दिव्य मंदिर में विराजने वाले हैं। वास्तव में किसी देश की चेतना ही उसके भविष्य मार्ग को सुनिश्चित करती है। विशेषकर भारत के संदर्भ में यह बहुत महत्वपूर्ण है कि उसकी अस्मिता पर जब-जब हमले हुए तो उसने अपनी चेतना को जीवंत रखा।

कवि इकबाल ने कहा था कि

यूनान ओ मिस्र ओ रूमा सब मिट गए जहां से
अब तक मगर है बाक़ी नाम-ओ-निशां हमारा
कुछ बात है कि हस्ती मिटती नहीं हमारी
सदियों रहा है दुश्मन दौरे जहां हमारा।

हजार साल तक बर्बर हमलों के बावजूद हमारे पुरखों ने देश की चेतना को जागृत रखा। हम बाह्य युद्ध हार गए, लेकिन मन का युद्ध जीतते रहे। दुर्भाग्य से 1947 के बाद स्वतंत्र भारत में ऐसी राजनीतिक धारा केंद्र में रही, जिसने देश के मन को हराने के कुत्सित प्रयास किए। उसने आम हिंदू जनमानस को सदा इसके लिए तैयार किया कि वह अपने मूल्यों को छोड़ दे। अटल सरकार और विशेषकर 2014 में राजनीतिक धारा का केंद्र बदला तभी हमारे भविष्य की राह उज्ज्वल हुई। विश्व में भारत अपनी प्राचीन सनातन पहचान के साथ नए सिरे से उभरने लगा और एक नया भारत आकार लेने लगा।

2014 से पहले अयोध्या में श्रीराम मंदिर की वकालत करते हुए हम सब यह कल्पना भी नहीं कर पाते थे कि इसके बनने के समय भारत की स्थिति क्या होगी? यह मुद्दा हिंदू अस्मिता के प्रश्न से जुड़ा था, लेकिन अब मंदिर निर्मित होते-होते यह स्पष्ट हो गया है कि यह केवल अस्मिता का विषय ही नहीं, यह भारत के भविष्य और भारत को पुनः विश्वगुरु बनाने का विषय था। आज यह स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि अयोध्या में सिर्फ राम मंदिर नहीं बन रहा है, इसके साथ-साथ एक नया भारत भी बन रहा है जो विश्व का नेतृत्व करने के लिए संकल्पित है।

यह नया भारत पीएम नरेंद्र मोदी की अगुवाई में बहुलता, विविधता और समावेशिकता का सम्मान करने वाला एकमात्र देश है। यह भारत अपनी पुरातन सांस्कृतिक पहचान को आधुनिक कलेवर में भी पोषित और संवर्धित करने की क्षमता रखता है। यह भारत अपनी धरोहर को वापस पाने के लिए सदियों तक प्रतीक्षा कर सकता है और अहिंसा के रास्ते पर चलकर उसे प्राप्त भी कर सकता है। यह नया भारत युद्ध एवं परमाणु बम के उपयोग के बिना ही अपनी विधि-व्यवस्था के माध्यम से सबसे पुरानी समस्याओं को सुलझाने की क्षमता रखता है। उसे कोई बाहरी दखल बर्दाश्त नहीं है। यह नया भारत स्वदेशी चंद्रयान का सफल परीक्षण कर सकता है तो यह अपने आराध्य श्रीराम की जन्मभूमि पर भव्य राम मंदिर का पुनः निर्माण कर बर्बर गुलामी के चिह्न को भी मिटा सकता है।

(लेखक भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद हैं)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **edit@haribhoomi.com** पर दे सकते हैं।

एक जीवंत, सक्रिय, धार्मिक और ध्येय-निष्ठ समाज की तपस्या पूर्ण हो रही

'राष्ट्र मंदिर' से निकली राम ज्योति हर घर को करेगी आलोकित

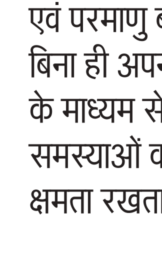

हितानंद शर्मा
प्रदेश संगठन महामंत्री
भाजपा

पांच शताब्दियों से अधिक की प्रतीक्षा पूर्ण होने का 'अभिजीत मुहूर्त' आ ही गया है। श्रीराम जन्मिभूमि के भव्य मंदिर में रामलला के विराजमान होने का ऐतिहासिक शुभ अवसर पूरे राष्ट्र को आनंदित और आल्हादित कर रहा है। एक जीवंत, सक्रिय, धार्मिक और ध्येयनिष्ठ समाज की तपस्या पूर्ण हो रही है। हर मन में श्रीराम नाम की ज्योति का पावन प्रकाश होने जा रहा है। इसीलिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के प्रत्येक परिवार से अपने-अपने घरों में 'राम ज्योति' जलाने का आह्वान किया है। मंदिर के शिलान्यास के अवसर पर 5 अगस्त 2020 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने उद्बोधन में कहा था कि 'अयोध्या में बनने वाला भव्य राम मंदिर भारतीय संस्कृति का आधुनिक प्रतीक बनेगा। मंदिर निर्माण की प्रक्रिया संपूर्ण देश को जोड़ने का उपक्रम बनेगी।' वास्तव में आज का उत्साह जनक और राममय वातावरण देख कर यह विश्वास और मजबूत होता है कि यह अयोध्या में भगवान श्रीराम का मंदिर होने के साथ-साथ यह 'राष्ट्र मंदिर' भी है। 'राष्ट्र मंदिर' से निकली यह परम पावन प्रेरणा घर-घर में 'राम ज्योति' के रूप में शुभता, शुचिता, सकारात्माकता, शांति, समृद्धि, शक्ति और शौर्य का प्रकाश लाएगी। श्रीराम जन्मभूमि पर भव्य मंदिर में भगवान श्रीराम की

प्राण-प्रतिष्ठा के लिए रामभक्तों को अक्षत वितरण करने पिछले दिनों जब कार्यकर्ताओं के साथ घर-घर पहुंचना हुआ तो रामभक्तों का उत्साह और श्रद्धा देख मन हर्ष से भर गया। 'राष्ट्र मंदिर' में रामलला के विराजने का उत्साह और आस्था संपूर्ण देश में अपने शिखर पर है।

प्रत्येक भारतवासी अपने मन में बसे राम को पुनः जन्मभूमि स्थित मंदिर में विराजते देखने को आतुर है। यह ऐतिहासिक अवसर है। इतिहास ने करवट ले ली है। विश्व एक नए भारत का अभ्युदय होते देख रहा है। हम सब साक्षी हैं कि कैसे भारत की पताका पूरे मान और सम्मान के साथ विश्व में फहरा रही है। समाज ने अपनी लक्ष्य केंद्रित एकनिष्ठता, विचार, समर्पण, कार्य और साहस के बल पर जो कर दिखाया है, वह अद्भुत ही है। क्या यह सब इतना सरल था? इस प्रश्न का उत्तर भी हम सभी जानते हैं परंतु इस समय का ही सौभाग्य है कि भारतवासी अपनी अनथक, अविरत साधना से राष्ट्रा को ऐसी प्रतिष्ठा पर आरूढ़ होते देख रहे हैं। अयोध्या में श्रीराम मंदिर का विषय राष्ट्र और समाज के 'स्वर' के जागरण से जुड़ा हुआ है। भारत के 'स्वत' का जागरण हो चुका है। श्रीराम जन्म भूमि आंदोलन का एक समय था जब कार्यकर्ताओं के मुख से गीत गूंजता था 'कोटि-कोटि हिंदू जन का हम ज्वार उठा कर मानेंगे, सौगंध राम की खाते हैं, हम मंदिर वहीं बनाएंगे।' तब परिस्थियां पूरी तरह से प्रतिकूल थीं। ऐसे लोग भी बड़ी संख्या में थे जो इस गीत को सुनकर सहज विश्वास नहीं करते थे कि कभी ऐसा हो सकेगा। ऐसे लोग मानने को तैयार नहीं थे कि कभी समाज का जागरण होगा और पावन जन्म भूमि पर भगवान श्रीराम के भव्ये मंदिर का निर्माण होगा और उसमें हमारे आराध्य विराजेंगे। हम जब पुनः अखंड भारत का संकल्प करते हैं तो यहूदी समाज के संघर्ष की ऐतिहासिक गाथा ध्यान में आती है कि कैसे यूहूदियों ने दो हजार साल प्रयास कर येरुशलम को पुनः प्राप्त कर लिया।

श्री रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में रोशनी से जगमग राजधानी के भवन

भाजपा कार्यालय में प्राण-प्रतिष्ठा की पूर्व संध्या पर दीपोत्सव कर आतिशबाजी की गई

विधानसभा, पीसीसी मिंटो हॉल समेत शहर की प्रमुख इमारतों पर की गई साज-सज्जा

बधाई मुख्यमंत्री, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष समेत नेताओं ने लोगों को दी

भजन आज पूरे मध्यप्रदेश में गूंजेंगे आतिशबाजी की जाएगी

मिंटो हॉल

भाजपा प्रदेश कार्यालय

उत्सव और उत्साह के साथ आज पूरे प्रदेश में जलेगी राम ज्योति

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. यादव, प्रदेशाध्यक्ष शर्मा और प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद ने 5100 दीप जलाकर आतिशबाजी की

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भाजपा पदाधिकारियों के साथ शिव मंदिर में दिव्यांगों के साथ किया रामायण का पाठ

अयोध्या में प्रभु श्रीराम की प्राण-प्रतिष्ठा की पूर्व संध्या पर प्रदेश भाजपा कार्यालय में दीपोत्सव और आतिशबाजी का आयोजन किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा और प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद ने 5100 दीप जलाकर आशितबाजी की।

इसके बाद मुख्यमंत्री, प्रदेश अध्यक्ष और प्रदेश संगठन महामंत्री ने प्रदेश भाजपा कार्यालय स्थित शिव मंदिर में चल रहे अखंड रामायण पाठ में शामिल होकर दिव्यांगों के साथ रामायण का पाठ किया।

भाजपा प्रदेश कार्यालय में आतिशबाजी

आज धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि दो हजार वर्ष पहले सम्राट विक्रमादित्य ने अयोध्या में श्रीराम मंदिर का निर्माण कराया था। काल के प्रवास में विदेशी आक्रांताओं ने मंदिर को तोड़ा। सर्वोच्च न्यायालय ने भी इस बात की पुष्टि की कि वहां पर प्रभु श्रीराम की जन्मस्थली है। सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय को शिरोधार्य करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने उक्त फैसले को लागू कराया और आज अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि स्थल पर भव्य मंदिर बनकर तैयार है। प्रधानमंत्री मोदी की मौजूदगी में रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा होने जा रही है। पूरे प्रदेश में सांस्कृतिक अनुष्ठान किए जा रहे हैं। कोई कल्पना कर सकता था कि अयोध्या में श्रीराम मंदिर का शांति पूर्वक शिलान्यास और रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा होगी। यह हिंदू-मुस्लिम एकता का अनुपम उदाहरण है। विपक्षी दलों को इससे सीख लेना चाहिए।

पूरे प्रदेश में उत्सव जैसा माहौल है

पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद शर्मा ने कहा कि रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में भाजपा प्रदेश कार्यालय में अखंड रामायण पाठ का आयोजन किया जा रहा है। प्राण-प्रतिष्ठा की पूर्व संध्या पर दीपोत्सव कर आतिशबाजी की गई। पूरे प्रदेश के कोने-कोने में आयोजन हो रहे हैं। भाजपा का एक-एक कार्यकर्ता प्रदेश की जनता के साथ भजन-कीर्तन में लगा हुआ है। यह हम सबके लिए सौभाग्य का दिन है कि 500 वर्षों के संघर्ष के बाद अयोध्या में रामलला विराजमान होते देखेंगे। कल का दिन भारत ही नहीं पूरी दुनिया के लिए ऐतिहासिक है। पूरे प्रदेश में उत्सव जैसा माहौल है। कल प्रदेशभर में राम ज्योति जलेगी और पूरे प्रदेश की जनता रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा का जश्न मनाएगी। इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष सीमा सिंह, प्रदेश महामंत्री व विधायक भगवानदास सबनानी, प्रदेश मंत्री राहुल कोठारी, प्रदेश कार्यालय मंत्री डॉ. राघवेन्द्र शर्मा, विधायक रामेश्वर शर्मा, महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष माया नारोलिया सहित पार्टी के प्रदेश एवं जिला पदाधिकारी उपस्थित रहे।

प्रदेश कांग्रेस कार्यालय

भाजपा शिक्षक प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक डॉ. शर्मा बोले- श्री राम मंदिर व प्राण-प्रतिष्ठा देखना अत्यंत सुखद

भोपाल। अयोध्या में श्रीराम मंदिर बनना एवं भगवान की प्राण-प्रतिष्ठा अपनी आंखों के सामने देखना सुखद अनुभूति एवं अत्यधिक प्रसन्नता का विषय है। इससे बड़ा विषय जीवन में कुछ हो ही नहीं सकता। यह बात कार सेवक के रूप में जाने वाले भारतीय जनता पार्टी शिक्षक प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक डॉ. नितेश शर्मा की है। उनका कहना है कि मुझे याद है उस समय कार सेवक के रूप में मेरी उम्र महज 14 वर्ष की थी, लेकिन जज्बा 41 वर्ष का था। मौत की परवाह भी नही थी। जिद थी कि राममंदिर आंदोलन में अपना सर्वस्व अर्पित कर दूं। डॉ. शर्मा ने बताया कि 28 अक्टूबर 1990 में उत्तरप्रदेश की तत्कालीन सरकार ने चंबल पुल बीच में बहुत मोटी दीवार बनवा दी थी। उस समय फूप कस्बे की चंद्रशेखर स्कूल में लगने वाली सायं भाग शाखा के स्वयंसेवक के रूप में 10 वर्ष की उम्र से काम कर रहा था। कस्बे में संघ के स्वयंसेवकों ने सैकड़ों साधू संतों एवं कार सेवकों के साथ मे बड़े भाई डॉ. राजेश शर्मा, चाचा देवेंद्र शर्मा और ताऊ जी पंडित विश्वनाथ शर्मा के साथ चम्बल पुल पर दीवार तोड़ने पहुंच गया। उस दीवार को तोड़ दिया गया। उसी समय निहत्थे कार सेवकों पर गोली चलाई। कार सेवक सत्यापाल अग्रवाल शहीद हो गए। थाना -फूप जिला भिंड, में वो रिकॉर्ड आज भी देखा जा सकता है। आज 500 वर्षों का सपना साकार हो रहा है।

युवा सदन के समक्ष आतिशबाजी

अयोध्या में जन्मभूमि पर निर्मित श्रीराम मंदिर में सोमवार को होने वाली श्रीराम लला की प्राण प्रतिष्ठा के ऐतिहासिक आयोजन की पूर्व संध्या पर विधायक रामेश्वर शर्मा ने युवा सदन पर निर्मित श्रीराम मंदिर की प्रतिकृति के समक्ष आतिशबाजी की। आयोजन में प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा, मंत्री विश्वास सारंग, विश्व हिंदू परिषद के प्रांत संगठन मंत्री खगेंद्र भार्गव, भाजपा जिलाध्यक्ष सुमित पचौरी, बजरंग दल प्रांत संयोजक सुशील सुडेले आदि मौजूद रहे।

विधानसभा

खबर संक्षेप

मैंने कर्ज माफ किया, नई सरकार ने योजना बंद की

भोपाल। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने रविवार को सोशल मीडिया पर लिखा कि किसानों से आयकर

वसूलने की खबरों से हतप्रभ हूं। कर्ज में डूबा किसान फसलों के सही दाम के लिए संघर्ष कर रहा है और सरकार आयकर वसूलने की तैयारी में है। मैंने अपनी अल्पकालिक सरकार में मध्यप्रदेश के 27 लाख किसानों का कर्जमाफ किया था, लेकिन नई सरकारों ने कर्जमाफी योजना को ही बंद कर दिया।

जलसंसाधन विभाग के विरुद्ध कुर्की वारंट जारी

भोपाल। गंजबासौदा में कार्यरत कार्यपालन यंत्री बीपी अहिरवार की लापरवाही के चलते न्यायालय ने जलसंसाधन विभाग के विरुद्ध कुर्की वारंट जारी कर दिया। इसके चलते उन्हें कारण बताओ नोटिस थमाते हुए अब विभाग ने उनसे पंद्रह दिन में जवाब मांगा है। बता दें कि न्यायालय ने 2019 में आदेश दिया था, लेकिन आदेश के चार वर्ष बाद भी हितग्राहियों को आदेशित राशि का भुगतान नहीं किया गया। आदेश का पालन नहीं करने के कारण न्यायाधीश बासौदा ने विभाग के विरुद्ध कुर्की वारंट जारी कर दिया है।

कर्मचारी मंच ने सीएम को सौंपा ज्ञापन

भोपाल। मप्र कर्मचारी मंच का प्रांतीय संकल्प सम्मेलन रविवार को आंबेडकर मैदान में मंच के प्रांताध्यक्ष अशोक पांडे की अध्यक्षता में हुआ। सम्मेलन में 2024 की कार्य योजना तैयार की गई। अशोक पांडे ने बताया कि कर्मचारियों ने अपनी 11 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन तैयार कर मुख्यमंत्री के नाम जिला प्रशासन को सौंपा है। कर्मचारियों की प्रमुख मांगे स्थाई कर्मियों को सातवां वेतनमान एवं पेंशन अनुकंपा नियुक्ति का लाभ देने, अनियमित कर्मचारियों को नियमित करने, आयुष्मान योजना का लाभ देना शामिल है।

अधिकारी नहीं दिखे तो सिंधिया ने लगाई फटकार

विकसित भारत संकल्प यात्रा में शामिल होने के लिए गुना पहुंचे थे केंद्रीय मंत्री

सिंधिया ने आईएएस से कहा-जाओ जाकर एसपी को बुलाकर लाओ

भारत विकसित यात्रा में प्रशासनिक अमला गाड़ी के साथ ही चलेगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने गुना में सभा के दौरान मंच से अधिकारियों को फटकार लगा दी। गुना में विकसित भारत यात्रा के दौरान प्रशासन की लापरवाही को लेकर सिंधिया ने नाराजगी जताई। इसके साथ ही उन्होने भरे मंच से कलेक्टर और एसपी की क्लास ले ली। वहीं सिंधिया ने राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा को लेकर कांग्रेस पर तंज कसा। दरअसल, केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया पीएम मोदी की महत्वपूर्ण विकसित भारत संकल्प यात्रा में शामिल होने के लिए गुना पहुंचे थे। यहां सिंधिया की मौजूदगी में प्रशासनिक तंत्र की उदासीनता और सुस्ती देखने को मिली। उन्होंने मंच से भाषण रोककर माइक से ही तेज आवाज में कहा कि कलेक्टर कहां हैं और एसपी कहां हैं। उनकी तरफ इशारा करके बोले दोनों मंच पर चुपचाप खड़े रहो। कलेक्टर और एसपी को फटकार लगते देख दूसरे विभागों के अफसर भी हैरत में पड़ गए।

एसपी सिन्हा को बुलाकर लाए कलेक्टर बैंस

सिंधिया ने जैसे ही माइक पकड़ा उन्हें अपने पास में कलेक्टर-एसपी खड़े दिखाई नहीं दिए, इसके बाद सिंधिया ने कलेक्टर अमनवीर सिंह बैंस को इशारा करते हुए कहा कि जाओ जाकर एसपी को बुलाकर लाओ। सिंधिया की बात सुनकर कलेक्टर घबरा गए और मंच से नीचे खड़े एसपी संजीव कुमार सिन्हा को बुला लाए।

योजनाओं का लाभ आम लोगों को मिले

सिंधिया ने कलेक्टर-एसपी समेत प्रशासनिक अमले को सख्त हिदायत देते हुए कहा कि भारत विकसित यात्रा में प्रशासनिक अमला गाड़ी के साथ ही चलेगा, ये प्रचार की गाड़ी नहीं है, बल्कि प्रधानमंत्री मोदी का संकल्प है कि योजनाओं का लाभ आम लोगों को मिले। कांग्रेस शासन की याद दिलाते हुए सिंधिया ने कहा कि पिछले 65 सालों में जनता प्रशासन के इर्द-गिर्द घूमती थी ,लेकिन जबसे प्रधानमंत्री मोदी ने नेतृत्व किया है तबसे जनता को प्रशासन के चक्कर नहीं लगाने पड़ते, बल्कि प्रशासन घर-घर जाकर दस्तक देता है।

राहुल गांधी पर कसा तंज

गुना लोकसभा सीट से चुनाव लड़ने के सवालों पर सिंधिया ने कहा कि इसका जवाब उनके पास नहीं है। सिंधिया ने कांग्रेस पर भी निशाना साधा। उन्होने राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा को लेकर कहा कि ग्वालियर चंबल संभाग में राहुल मेहमान की तरह आएंगे और मेहमान की तरह स्वागत के बाद जनता उनकी रवानगी कर देगी।

प्रदेश के विकास से जुड़े विषयों पर चर्चा की

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कर्नाटक के राज्यपाल गेहलोत से की भेंट

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव रविवार को उज्जैन में विभिन्न स्थानीय कार्यक्रमों में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गेहलोत से सौजन्य भेंट की और प्रदेश के विकास से जुड़े विषयों पर चर्चा की।

भेल में आज आधे दिन का अवकाश घोषित

भोपाल। कॉर्पोरेट कार्यालय के अंतर कार्यालय आदेश पर भेल कारखाने में 22 जनवरी को कर्मचारियों के लिए आधे दिन का अवकाश घोषित किया गया है। प्रथम पाली एवं सामान्य पाली में कार्यरत सभी कर्मचारी 22 जनवरी को कार्य पर आने के बाद बॉयोमेट्रिक सिस्टम में दोपहर 2.30 बजे अपनी उपस्थिति दर्ज करेंगे । पाली समाप्ति पर अपनी पाली के अनुसार पंच दर्ज करेंगे।

उज्जैन व्यापार मेले की तैयारियां तेज, मार्च से अप्रैल में होगा आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मप्र में मार्च से अप्रैल में आयोजित होने वाले उज्जैन व्यापार मेले की तैयारियां तेज हो गई हैं। मुख्य सचिव वीरा राणा की अध्यक्षता में दिन मंत्रालय में समीक्षा बैठक में उज्जैन व्यापार मेले से संबंधित विभिन्न विभागों की गतिविधियों की रूपरेखा तय की गई। उज्जैन व्यापार मेले का आयोजन सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग की ओर से किया जा रहा है। नगरपालिक निगम उज्जैन को उज्जैन व्यापार मेला आयोजन के लिए नोडल एजेंसी बनाया गया है। उज्जैन व्यापार मेले की तैयारियों के लिए अलग-अलग विभागों को जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। इसमें नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने मेले में होने वाले संभावित व्यय का वहन, आवंटित की जाने वाली दुकानें, मनोरंजन एवं खानपान जोन के लिये स्थल किराया से उपलब्ध कराने जैसे कार्य, औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग द्वारा मेले के दौरान होने वाले इन्वेस्टर समिट एवं उस पर होने वाले व्यय की व्यवस्था औद्योगिक निवेश एवं प्रोत्साहन विभाग की ओर से की जाएगी।

रोड टैक्स में 50 प्रतिशत की छूट संबंधी प्रस्ताव प्रस्तुत होगा

इन्वेस्टर समिट के तहत होने वाले सत्रों में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग एवं सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विभाग द्वारा सहयोग किया जाएगा। परिवहन विभाग व्यापार मेले में विक्रय होने वाले गैर-परिवहन वाहनों तथा छोटे परिवहन पर शुल्क एवं रोड टैक्स में 50 प्रतिशत की छूट संबंधी प्रस्ताव के संबंध में मंत्रि-परिषद के समक्ष प्रस्तुत करेगा।

प्रस्ताव प्रस्तुत करने के निर्देश दिए

वाणिज्यिक कर विभाग ने मेले में विक्रय होने वाले इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद के विक्रय पर एसजीएसटी छूट के संबंध में परीक्षण कर प्रस्ताव प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। पर्यटन, कलेक्टर उज्जैन और जिला वाणिज्यिक कर अधिकारी मेले को आकर्षित बनाने के लिए सुझावों के तहत पर्यटन विभाग की ओर से मेले के दौरान क्रय-विक्रय के प्रमाण के आधार पर वास्तविक क्रेता-विक्रेता को महाकाल दर्शन के लिए वीआईपी श्रेणी का एक बार दर्जा दिया जाना तथा एक निश्चित समयावधि के लिए मध्यप्रदेश पर्यटन निगम के प्रदेश स्थित होटलों में यथा निर्णित छूट का प्रावधान संबंधी कार्रवाई करेगा। कलेक्टर उज्जैन और नगरपालिक उज्जैन मेले के दौरान विक्रेता कम्पनी की ओर से नवीन एवं अभिनव तैयार उत्पाद लोकार्पित करने पर आयोजन समिति से विशेष यथोचित सहयोग प्रदान करना और व्यावसायिक स्थल के आवंटन में उज्जैन के व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को प्राथमिकता दी जाना शामिल है। कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग के अधीनस्थ निगम एवं बोर्ड मेले में उत्पादों के विक्रय पर आकर्षक छूट प्रदान की जाए। ऊर्जा विभाग की ओर से मेले में लगने वाली दुकानों को रियायती दरों पर विद्युत प्रदाय करने की कार्रवाई करे। मेले में उद्यानिकी एवं पशुपालन से संबंधित उपकरणों लिए पृथक से परिक्षेत्र बनाए जाने की रूपरेखा तैयार करें।

देश भर में आस्था और उमंग का वातावरण

श्री राम मंदिर निर्माण और रामराज की स्थापना में ही समस्त विश्व का कल्याण

डॉ. राघवेंद्र शर्मा

विशेष आलेख

अयोध्या के श्री राम मंदिर निर्माण और श्री रामलला की मूर्तियों के प्राण-प्रतिष्ठा समारोह ने दुनिया भर में आस्था एवं उमंग का वातावरण निर्मित कर दिया है। जब बात राम मंदिर की चल रही है तो फिर रामराज का विषय भी चर्चाओं का केंद्र बन चुका है। भारत के भीतरी क्षेत्रों में ही नहीं, अपितु बाहर भी शोध हो रहे हैं कि रामराज कैसा था। क्यों भारत में बार-बार आदर्श राजसत्ता के रूप में रामराज का उदाहरण प्रस्तुत किया जाता है। क्यों भारत की और उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकारों ने अयोध्या के पुनर्निर्माण में अपनी पूरी ताकत झोंक दी है।

इन सभी परिदृष्यों का अवलोकन करने के पश्चात विश्व भर के लोग यह मानने लगे हैं कि भारतीयों के मन में समानता, सदाचार, परोपकार, क्षमा और सहयोग जैसे सकारात्मक मूल्यों का भाव रामराज में व्याप्त आचार व्यवहार से ही पल्लवित हुआ है। अतः यह माना जा सकता है कि विश्व भर में रहने वाले सनातनी तो राम मंदिर को श्रद्धा और विश्वास के साथ निहार ही रहे हैं, इससे बढ़कर बात यह है कि विभिन्न धर्मों, मतों, संप्रदायों की विश्व बिरादरी भी अयोध्या तथा राम मंदिर पर टकटकी लगाए हुए है। यहां एक बात का उल्लेख करना आवश्यक प्रतीत होता है, वह यह कि कांग्रेस एवं उसके सहयोगी दलों ने श्री रामलला की मूर्तियों के प्राण-प्रतिष्ठा समारोह को लेकर नकारात्मक रवैया अपना रखा है। यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण एवं अफसोस की बात है। 22 जनवरी को प्रस्तावित प्राण-प्रतिष्ठा समारोह के अलावा हर स्थान और विषय के लिए इन राजनीतिक दलों तथा उनके नेतृत्वकर्ताओं के पास पर्याप्त समय है, लेकिन अयोध्या जाने को लेकर ये सभी लोग घोषित तौर पर अस्पृश्यता का भाव बनाए हुए हैं। ऐसे शुभ प्रसंग के बीच राजनेताओं का इस प्रकार का आचरण मन को व्यथित करता है। जबकि देश भर में उक्त उत्सव को लेकर भारी उत्साह और उमंग का वातावरण निर्मित है। चूंकि केंद्र और उत्तर प्रदेश में सरकारें भी भारतीय जनता पार्टी की ही हैं, तो उनके द्वारा राम मंदिर एवं अयोध्या के पुनरुद्धार में बढ़-चढ़कर सहयोग किया जाना स्वाभाविक ही है। ऐसे में यदि जनसाधारण ही अयोध्या के पुनरुद्धार और श्री राम मंदिर निर्माण का श्रेय भारतीय जनता पार्टी, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और विश्व हिंदू परिषद को देता दिखाई दे रहा है तो इसमें गलत भी क्या है? जो जैसा करता है वह वैसा ही पाता है। यदि जनता जनार्दन राष्ट्रीय स्तर पर संघ, भाजपा और विहित को अपना स्नेह और आशीर्वाद प्रदान कर रहे हैं तो यह इन संगठनों के सदाचार और सदकृत्यों का ही प्रतिफल है। स्मरण रहे कि एक समय महात्मा गांधी रामराज की स्थापना को लेकर पहल किया करते थे। वे सदैव कहते रहे कि रामराज की परिकल्पना ही इस देश को एकरूपता और सदाशयता के भाव में बांधकर रख सकती है। वर्तमान में उक्त स्वप्न को साकार करने का कार्य राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संरक्षण में भारतीय जनता पार्टी की नरेंद्र मोदी सरकार करती दिखाई दे रही है।

लेकिन सपना तो हमारे पूर्वजों का ही साकार हो रहा है ना! और फिर श्री राम तो हैं ही संपूर्ण सनातन के। फिर क्या भाजपा और क्या कांग्रेस? सभी को बढ़-चढ़कर श्री रामलला की मूर्तियों के प्राण-प्रतिष्ठा समारोह में भाग लेना चाहिए। विश्व के कोने-कोने में बसे सभी भारतवंशियों और सनातन धर्मियों को अयोध्या स्थित श्री राम मंदिर के भव्य निर्माण, श्री राम लाल की दिव्यतम मूर्तियों के प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव एवं पावन अयोध्या नगरी के पुनः प्रकटीकरण की अनेक बधाइयां।

(लेखक- स्वतंत्र पत्रकार हैं)

कोलार रोड के 100 साल पुराने अकबरपुर गांव को मिली नई पहचान 'श्रीराम नगर'

भोपाल। कोलार रोड स्थित वार्ड 81 में आने वाले अकबरपुर गांव को अब नई पहचान मिल गई है। 100 साल पुराने इस गांव को अब 'श्रीराम नगर' के नाम से जाना जाएगा। रविवार को विनीतकुंज चौराहे पर अकबरपुर गांव के नाम परिवर्तन को लेकर स्थानीय विधायक रामेश्वर शर्मा के नेतृत्व में एक बड़ा कार्यक्रम किया गया। यह नाम परिवर्तन समारोह सोमवार को अयोध्या में स्थित श्री रामलला मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा के एक दिन पहले किया गया।

खबर संक्षेप

मॉर्निंग दिल्ली व शाम की मुंबई उड़ान कैंसिल

संतनगर। मौसम की ख़राबी के चलते भोपाल एयरपोर्ट पर उड़ानें लगातार प्रभावित हो रही है आज रविवार को एयर इंडिया की मॉर्निंग दिल्ली और इंडिगो एयरवेज़ की इवनिंग मुंबई उड़ान को रद्द किया गया जबकि इंडिगो एयरवेज़ की दिल्ली और जयपुर उड़ान भी क़रीब तीन घंटे देरी से भोपाल पहुँची। उड़ानें लेट होने से यात्रियों को कई परेशानियों का सामना करना पड़ा।

दो दिनी सर्जीकल कांफ्रेंस में व्याख्यान

भोपाल। ऐसोसिएशन ऑफ कोलोरेक्टल सर्जनस ऑफ इंडिया द्वारा दो दिवसीय सर्जीकल कांफ्रेंस पाइलोनिडोकान 2024 को आयोजन जेके अस्पताल में किया गया। एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ प्रदीप शर्मा ने आप्सट्रेकेटिक डिफीकेटरी सिंड्रोम पर व्याख्यान दिया। मीडिया प्रभारी डॉ. आईके चुघ ने बताया कि कांफ्रेंस में पाइलोनिडल डिसीज (साइनस) पर विस्तार से इलाज के संबंध में लिव ऑपरेटिव वर्कशॉप और क्लीनिकल प्रजेंटेशन हुए।

मंदसौर में रेलवे के जेई का कार में मिला शव

भोपाल। रतलाम रेलवे डिवीजन हेडक्वार्टर में तैनात जूनियर इंजीनियर दीक्षांत पंड्या का शव रविवार दोपहर मंदसौर जिले के भावगढ़ थाना क्षेत्र के खोड़ाना गांव में तालाब किनारे खड़ी कार में पाया गया है। वे कारगो एंड वैगन डिपार्टमेंट में कार्यरत थे। पुलिस मुताबिक जेई के शव पर चार गोलियों के निशान थे। कार जेई की ही बताई जा रही है। हत्या के पीछे प्रेम प्रसंग की बात सामने आ रही है। मोहसिन नाम का युवक और जेई की एक ही युवती से दोस्ती थी। पुलिस मोहसिन की तलाश कर रही है।

खुशीलाल आयुर्वेद में दो दिवसीय सेमिनार कल से

भोपाल। पंडित खुशीलाल शर्मा शासकीय आयुर्वेद संस्थान साइंस हिल्स में 23 एवं 24 जनवरी को दो दिवसीय नेशनल सेमिनार का आयोजन किया जा रहा है। सेमिनार विषय डॉक्यूमेंटेशन एड साइंटिफिक इवेलुएशन ऑफ फ्लोर टू एनरिच आयुर्वेदिक फार्माकोपोया होगा। सेमिनार में देश के विभिन्न प्रांतो से विषय विशेषज्ञ अपना व्याख्यान प्रस्तुत करेंगे। प्रदेश के आयुर्वेद महाविद्यालय के फैकल्टी एवं पीजी स्कॉलर्स कार्यक्रम में उपस्थित रहेंगे।

इस माह के अंत तक हट जाएगा बैरागढ़ का कॉरिडोर

दूसरे दिन निकाली जालियां, तुरंत ही हटाई भी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राजधानी का बस रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (बीआरटीएस) को हटाने का काम दूसरे दिन रविवार को भी जारी रहा। पहले दिन स्टाप सहित बैरागढ़ के बस स्टैंड तक की जाली हटाई गई, जबकि दूसरे दिन मार्केट के सामने तक का कॉरीडोर हटाया। पीडब्ल्यूडी अधिकारियों के अनुसार अब कॉरीडोर हटाने का काम निरंतर जारी रहेगा। इस माह के अंत तक पूरे बैरागढ़ से सीहोर नाके तक की पूरी जाली हटा दी जाएगी। इसके साथ ही रोड साफ करने और सुधारने का काम भी चलता रहेगा। जिस क्षेत्र की जाली हटाई जा रही है, वहां आसपास ब्रेकर भी लगा दिए गए हैं। कॉरीडोर हटाने के लिए ट्रैफिक प्लान न बनने से कॉरीडोर से निकाली जा रहीं जालीं, तुरंत ही वहां से हटाई जा रही हैं।

रविवार अवकाश का उठाया लाभ

पीडब्ल्यूडी अधिकारियों के अनुसार बीआरटीएस के दोनों ओर दिन में ट्रैफिक ज्यादा रहता है, लेकिन रविवार को ट्रैफिक कम रहने से दिन में भी जाली हटाने का काम चलता रहा। मिसरोद से एम्प्री तकए रोशनपुरा से कमला पार्क और कलेक्टोरेट से लालघाटी के बीच बीआरटीएस को तोड़ने भी नगर निगम ने तैयारी शुरू कर दी।

नगर निगम की तैयारी भी शुरू

नगर निगम अधिकारियों के अनुसार बैरागढ़ में कॉरीडोर हटाने का काम पीडब्ल्यूडी द्वारा किया जा रहा है। नगर निगम इसमें सहयोग देने के साथ ही मिसरोद से कमला पार्क तक का बीआरटीएस हटाने के लिए तैयारी शुरू कर दी है। इसके लिए कंपनी को ठेका दे दिया गया, जो निगम की देखरेख में काम शुरू करेगा।

एमपी नगर सहित शहर के कई क्षेत्रों में की बकायादारों की संपत्ति कुर्क

मानसरोवर कॉम्प्लेक्स में भी निगम ने तीन सम्पत्ति की कुर्क, जहांगीराबाद में 9 नल कनेक्शन बंद किए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

नगर निगम द्वारा सम्पत्तिकर एवं जल उपभोक्ता प्रभार सहित अन्य करों व शुल्कों की प्रभावी ढंग से वसूली की जा रही है। साथ ही सम्पत्तिकर व जल उपभोक्ता प्रभार के बकायादारों के विरूद्ध कार्रवाई भी की जा रही है। इसी क्रम में निगम अमले ने एमपी नगर व मान सरोवर काम्प्लेक्स में 3 दुकानों पर तालाबंदी की कार्रवाई की। जहांगीराबाद में जल उपभोक्ता प्रभार के 4 बकायादारों के नल कनेक्शन बंद करने की कार्रवाई की गई है।

निगम के जोन 10 के अमले ने वार्ड 45 के अंतर्गत बकायादारों के विरूद्ध कार्रवाई करते हुए एमपी नगर भवन क्रमांक 252 पर बकाया कर 1 लाख 84 हजार 182 रुपए का भुगतान न करने पर ताला लगा दिया।

इसी प्रकार वार्ड 35 के अंतर्गत बड़ वाली मस्जिद जहांगीराबाद क्षेत्र में जल उपभोक्ता प्रभार के बकायादारों के 4 भवनों में लगे 9 नल कनेक्शन बंद किए।

लाखों का बकाया

वहीं मान सरोवर काम्प्लेक्स स्थित दुकान एलएफ.22 पर बकाया राशि 87 हजार 758 व दुकान एलएफ.23 बकाया कर की राशि 91 हजार 868 का भुगतान न किए जाने पर उक्त दुकानों की तालाबंदी की गई।

कलेक्टरों को जारी किए निर्देश

पेपर लीक की भ्रामक जानकारी के विरुद्ध करें जागरूक:माशिमं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

प्रदेश में मध्यप्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल की बोर्ड परीक्षाओं के साथ-साथ अन्य परीक्षाओं के सोशल मीडिया पेपर लीक संबंधी भ्रामक जानकारी फैलाए जाने के विरूद्ध जिला कलेक्टर्स को स्कूल शिक्षा विभाग ने जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश जारी किए हैं। इस अभियान में शिक्षा विभाग के संभागीय संयुक्त संचालक और जिला शिक्षा अधिकारी को सक्रिय सहयोग करने के निर्देश दिए गए हैं। आयुक्त लोक शिक्षण अनुभा श्रीवास्तव ने जानकारी दी कि बोर्ड परीक्षाओं के नजदीक आने के साथ ही सोशल मीडिया पर विद्यार्थियों से धोखाधड़ी करने वाले कई ग्रुप सक्रिय हो जाते हैं। यह ग्रुप झूटी जानकारी देकर भ्रम की स्थिति पैदा करते हैं। जालसाजी कर विद्यार्थियों से यूपीआई डिटेल्स भी प्राप्त कर लेते है और ब्लेकमेल भी करते हैं। इन्हें रोकने के लिए स्कूल शिक्षा विभाग स्वयंसेवी संगठनों के साथ मिलकर जनजागरूकता अभियान चलाने का प्रयास कर रहा है।

तत्काल सूचना देने को कहा

स्कूल शिक्षा विभाग ने अभिभावकों और विद्यार्थियों से कहा है कि उनके साथ इस तरह के कोई भी प्रस्ताव सोशल मीडिया एवं अन्य साधनों से प्राप्त होते है तो उन पर विश्वास न करते हुए जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय और कलेक्ट्रेट में इसकी जानकारी दें। इन सोशल ग्रुप के खिलाफ पुलिस के माध्यम से तत्काल कार्रवाई की जाएगी। विभाग ने सभी सरकारी और प्रायवेट स्कूल से इस मामले में सजग रहने के लिए कहा है।

जय श्रीराम बोलने पर 7वीं के छात्र को पीटा

भोपाल। शहडोल जिले में जय श्री राम बोलने पर टीचर ने स्टूडेंट को पीट दिया। परिजन को जानकारी लगी तो वे हिंदू संगठन के सदस्यों के साथ थाने पहुंच गए। यहां देर तक चले हंगामे के बाद पुलिस ने आरोपी टीचर और स्कूल डायरेक्टर के खिलाफ मामला दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया।

- स्कूल डायरेक्टर और इंग्लिश टीचर गिरफ्तार

पुलिस ने बताया कि क्लास में शिक्षक की अनुपस्थिति में सातवीं कक्षा के छात्र नितिन गुप्ता ने जय श्रीराम के जयकारे लगा दिए थे। इसी दौरान क्लास के बाहर से गुजर रहे इंग्लिश टीचर अब्दुल वाहिद ने छात्र को बुलाया। उसे डांटने के साथ पिटाई कर डाली। छात्र ने स्कूल डायरेक्टर शरीफ नियाजी से इस बात की शिकायत की लेकिन उन्होंने भी उसे डांटकर भगा दिया।

5वीं वर्षगांठ पर साइकिल रैली निकाली

एम्स में 170% बढ़े ट्रॉमा और इमरजेंसी में आने वाले मामले

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राजधानी के एम्स में ट्रॉमा एवं इमरजेंसी मेडिसिन विभाग ने रविवार को अपनी स्थापना की पांचवी वर्षगांठ मनाई। इस अवसर पर एम्स डायरेक्टर डॉ. अजय सिंह ने ट्रॉमा एंड इमरजेंसी मेडिसिन की पूरी टीम को बधाई देते हुए कहा कि टीम के कठिन परिश्रम से ही एम्स पर लोगों का भरोसा बढ़ा है। पिछले एक वर्ष में ट्रॉमा एवं इमरजेंसी में आने वाले केसों में 170 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। वर्षगांठ को मनाने के लिए भोपाल बाइसिकल राइडर्स ग्रुप के सहयोग से सुबह सात बजे साइकिल रैली का भी आयोजन किया गया। साइकिल रैली को एम्स के उपनिदेशक कर्नल डॉ अजीत कुमार ने झंडी दिखाकर रवाना किया। एम्स के ट्रॉमा एवं इमरजेंसी विभाग से शुरू हुई 17 किलोमीटर लंबी ये साइकिल रैली शहर के विभिन्न हिस्सों से होती हुई वापस एम्स पहुंची। इस साइकिल रैली में 70 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। विभाग के प्रमुख डॉ यूनुस ने बताया कि ट्रॉमा और इमरजेंसी सेवाओं के पांच साल पूरे होने पर आयोजित इस रैली का उद्देश्य है कि लोगों को शिक्षित करना उन्हें सशक्त बनाना और दुर्घटना होने से रोकना। तकरीबन 17 किलोमीटर के सफर के दौरान रास्ते में मिलने वाले लोगों को दुर्घटना रोकने के लिए क्या करना चाहिए इस संबंध में जागरूक भी किया गया और पंपलेट बांटे गए। ट्रॉमा एवं इमरजेंसी मेडिसिन विभाग की स्थापना की इस पांचवी वर्षगांठ को मनाने के लिए पूरे सप्ताह कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

पुलिस ने दर्ज किया चोरी का केस

कुत्ता घुमा रहे छात्र से मोबाइल लेकर भागे बाइक सवार लुटेरे

भोपाल। बागसेवनिया थाना क्षेत्र स्थित टू ए साकेत नगर में बाइक सवार लुटेरों ने छात्र का मोबाइल झपट लिया। घटना शनिवार रात करीब साढ़े आठ बजे के आसपास की है। पुलिस ने छात्र की शिकायत पर लूट का मामला न दर्ज करते हुए चोरी का मामला दर्ज किया है।

पुलिस के अनुसार अभिनव सिंह पिता विद्यप्रकाश सिंह (21) मकान नंबर 176, टू ए साकेत नगर, बागसेविनया में रहता है और कॉलेज में पढ़ता है। उसने पुलिस को बताया कि शनिवार रात करीब साढ़े आठ बजे वह अपने डॉग को घर के सामने घुमा रहा था और मोबाइल पर दोस्त से बात भी कर रहा था। इस दौरान बाइक से आए दो लुटेरों ने उनके हाथ से मोबाइल छीन लिया। वह कुछ समझ पाते इससे पहले ही लुटेरे तेजी से बाइक चलाकर भाग निकले। लूटे गए मोबाइल की कीमत 39 हजार रुपए है। मामले में पुलिस का कहना है कि बाइक पर पीछे बैठे युवक ने अभिनव के हाथ पर धक्का मारा था और उसका मोबाइल नीचे गिर गया। नीचे गिरे मोबाइल को बाइक से उतरे युवक ने उठाया और अपने साथी की बाइक पर बैठकर भाग निकला।

कुछ दिन पूर्व भी हुई थी ऐसी ही लूट की घटना

उल्लेखनीय है कि कुछ दिन पूर्व ही थाने से चंद कदमों की दूरी पर इसी तरह की लूट की घटना हुई थी और पुलिस ने चोरी का मामला दर्ज किया था। पुलिस की दलील है कि घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

वाइल्ड लाइफ के पीसीसीएफ असीम श्रीवास्तव होंगे अगले वन बल प्रमुख

1986 बैच के वन बल प्रमुख अभय कुमार पाटिल 31 जनवरी को होंगे रिटायरमेंट

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

भारतीय वन सेवा के 1988 बैच के अधिकारी असीम श्रीवास्तव प्रदेश के अगले वन बल प्रमुख होंगे। 1986 बैच के वन बल प्रमुख अभय कुमार पाटिल 31 जनवरी को सेवानिवृत्त हो रहे हैं। श्रीवास्तव अगले वन बल प्रमुख बनते हैं तो इनका कार्यकाल जुलाई वर्ष 2025 तक के लिए होगा। भावसे के 1988 बैच के पांच अधिकारी ऐसे हैं जो वन बल प्रमुख बनने की रेस में है। 1988 बैच के अतुल श्रीवास्तव जो मौजूदा समय में कार्य आयोजना शाखा के प्रमुख हैं। आरके यादव प्रशासन एक के मुखिया हैं। अनुसंधान एवं विस्तार शाखा के प्रमुख पीके सिंह, कमलेश चतुर्वेदी और बीके अंबाडे जो प्रतिनियुक्ति पर दिल्ली में तैनात हैं। इनके नाम पर भी चर्चा चल रही है। हालांकि विभाग में लंबे समय से एक परंपरा है कि सबसे सीनियर को ही वन बल प्रमुख की जिम्मेदारी मिलती है। इस लिहाज से देखा जाए तो असीम श्रीवास्तव का नाम सबसे ऊपर बताया जा रहा है।

विकास निगम में एमडी का पद खाली

अभय कुमार पाटिल वन बल प्रमुख बनने से पहले राज्य वन विकास निगम के एमडी पद पर तैनात थे। उसके बाद से ही विकास निगम में यह पद खाली है। हालांकि विभाष ठाकुर को एमडी की अतिरिक्त जिम्मेदारी विभाग ने सौंप रखा है। लघु वनोपज संघ के एमडी पुष्कर सिंह के रिटायर होने के बाद एक महीने से इस पद पर किसी की तैनाती नहीं हुई है। जानकारों का कहना है कि फेडरेशन में अपर प्रबंध संचालक के 7 और वन विकास निगम में 6 पद खाली हैं। इन पदों पर तैनाती न होने से विभाग में कामकाज पर साफ असर देखने को मिल रहा है। अब नई सरकार आने से उम्मीद है कि जल्द खाली पदों पर अधिकारियों को तैनात किया जाएगा।

ऑनलाइन गेम खेलते समय हुई दोस्ती युवक ने दिल्ली बुलाकर की अश्लील हरकत

लोकेशन के आधार पर पहुंची पुलिस ने निजामुद्दीन से किया युवती को बरामद

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

बिलखिरिया थाना क्षेत्र में रहने वाली युवती से दिल्ली में अश्लील हरकत किए जाने का मामला सामने आया है। दरअसल, युवती को मोबाइल पर ऑनलाइन गेम फ्री फायर खेलने का शौक था। गेम खेलते समय उसकी यूपी के युवक से दोस्ती हो गई। उसके कहने पर युवती मिलने के लिए दिल्ली तक पहुंच गई। घर से लापता होने पर परिजन ने उसकी गुमशुदगी दर्ज कराई थी। पुलिस ने लोकेशन के आधार पर युवती को दिल्ली के निजामुद्दीन से बरामद कर लिया है। युवती के बयान के बाद पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ अपहरण और छेड़छाड़ की धाराओं में मामला दर्ज करते हुए उसे गिरफ्तार कर लिया है। इलाके की 18 साल की युवती 12वीं में है। वह मोबाइल पर फ्री-फायर गेम खेलती है। गेम खेलने के दौरान उसकी दोस्त उत्तर प्रदेश के बरेली में रहने वाले अरान पठान उर्फ मुन्ना नामक युवक से हो गई। मुन्ना फिलहाल लुधियाना में रहता है और एक कपड़े की फैक्ट्री में काम करता है। दोस्ती होने के बाद अरान पठान ने युवती को मिलने के लिए दिल्ली बुलाया। 16 जनवरी की रात को वह घर से बिना बताए उससे मिलने चली गई। तलाश करने पर पता नहीं चला तो परिजन ने उसकी गुमशुदगी दर्ज कराई। पुलिस ने मोबाइल की लोकेशन देखी तो पता चला कि वह दिल्ली में है। पुलिस की टीम दिल्ली के निजामुद्दीन पहुंची, वहां से युवती और अरान पठान को हिरासत में लिया गया।

जिंदगी लाइव

बाल्यकाल में ही सूर्य को निगलकर भगवान हनुमान ने कर दी थी लीलाओं की संरचना

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

श्री लीला समारोह के दूसरे दिवस श्री हनुमान लीला का मंचन

श्रीराम मंदिर अयोध्या में भगवान श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर रविन्द्र भवन में आयोजित श्रीलीला समारोह के दूसरे दिन चंद्रमाधव बारीक के निर्देशन में श्रीहनुमान लीला-नाट्य प्रस्तुति दी गई। श्रीहनुमान लीला में भगवान हनुमान के जीवन के उपाख्यानों को 15 दृश्यों में प्रस्तुत किया गया। श्रीहनुमान लीला को भक्ति की लीला के रूप में देखना चाहिये। भारतीय पौराणिक आख्यानों में सबसे बड़े भक्त के रूप में श्रीहनुमान जी का वर्णन अलग-अलग संदर्भों में आता है।

श्री हनुमान के प्रमुख अंश

अपने बाल्यकाल से ही श्रीहनुमान जी एक लीला की संरचना करते हैं, जिसमें वे सूर्य को निगलते हैं और देवता चिंतित हो जाते हैं। तब सभी देवता उपस्थित होकर श्रीहनुमान जी से प्रार्थना करते हैं और अपनी-अपनी शक्तियां श्रीहनुमान जी को आशीष स्वरूप प्रदान करते हैं। श्रीहनुमान जी का चरित अलग-अलग देव शक्तियों को एक ही चरित में प्रतिस्थापित करने की लीला का आख्यान है।

कवि प्रदीप सम्मान अलंकरण एवं कवि सम्मेलन 25 को

भोपाल। मध्यप्रदेश शासन, संस्कृति विभाग द्वारा प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या के अवसर पर प्रतिष्ठित अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का आयोजन 25 जनवरी, को अंजनी सभागार, रवीन्द्र भवन में किया जावेगा। इस अवसर पर प्रतिष्ठित राष्ट्रीय कवि प्रदीप सम्मान अलंकरण भी प्रदान किया जाएगा। यह आयोजन सायं 6:30 बजे से होगा, जिसमें प्रवेश निःशुल्क होगा। संचालक संस्कृति अदिति कुमार त्रिपाठी ने बताया कि राष्ट्रीय कवि प्रदीप सम्मान वर्ष 2022 गुरु सक्सेना (सांड नरसिंहपुरी) को प्रदान किया जा रहा है। गौरतलब है कि गुरु सक्सेना हास्य-व्यंग्य के ऐसे कवि हैं जो बातों बातों में हंसते-हंसाते गंभीर बात कहने की महारात रखते हैं।

राम भजन पर कथक की प्रस्तुतियां

श्लोक, बंदिश और भजन पर प्रस्तुत किया कथक नृत्य

भोपाल। श्री राम प्राण प्रतिष्ठा समारोह के उत्सवी शुभ अवसर पर वृंदा कथक केन्द्र, भोपाल वार्षिक पं कार्तिक राम स्मृति समारोह को राम प्राकट्य पर्व के रुप में 21 जनवरी को मनाया। जिसमें राम पर आधारित श्लोक, बन्दिश, भजन आदि पर कथक नृत्य प्रस्तुत किया गया। भोपाल की अंतरराष्ट्रीय कथक नृत्यांगना वी अनुराधा सिंह ने एकल कथक प्रस्तुति में - श्री राम रमा रमनम , ठुमक चलत राम चन्द्र , रघुनन्दन दीन दयाल हो तुम, राम का गुण गान करिये और पर ऊर्जावान भक्ति कथक की मनोरम प्रस्तुति दी । तत्पश्चात कथक की एकल प्रस्तुति ख्याति बमनिया ने की जिसमें शुद्ध कथक में उठान, बोल , परन, 21 चक्कर का बोल रघुपति राघव राजा राम भजन किया । अंत में तीन कथक समूह नृत्य प्रस्तुतियां 50 नृत्यांगनाओं ने दी ।

कर्म की प्रेरणा देते गोंड जनजातीय करमा-सैला नृत्य की दी प्रस्तुति

संभावना गतिविधि के तहत आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय में नृत्य, गायन एवं वादन पर केंद्रित गतिविधि संभावना में रविवार को संतोष कुमार यादव एवं साथी द्वारा अहिराई नृत्य एवं गंगाराम धुर्वे एवं साथी द्वारा गोंड जनजातीय करमा- सैला नृत्य की प्रस्तुति दी। प्रस्तुति की शुरूआत जनजातीय करमा नृत्य से की गई। करमा कर्म की प्रेरणा देने वाला नृत्य है। ग्रामवासियों में श्रम का महत्व है श्रम को ही ये कर्मदेवता के रूप में मानते हैं।

पूर्वी मध्यप्रदेश में कर्मपूजा का उत्सव मनाया जाता है। तब इस नृत्य को किया जाता है।

भोपाल तमिल संगम का पोंगल उत्सव आयोजित

संस्कृति और सामुदायिक भावना के एक शानदार मिश्रण का मंचन

भोपाल। एक रमणीय और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध सभा में, भोपाल तमिल संगम ने रविवार को ऑडिटोरियम कैरियर कॉलेज, गोविंदपुरा बीएचईएल भोपाल में थाई पोंगल समारोह की सफलतापूर्वक मेजबानी की। कार्यक्रम के बाद के मुख्य आकर्षण पारंपरिक उत्साह, सांस्कृतिक प्रदर्शन और समुदाय की मजबूत भावना से भरे उत्सव को दर्शाते हैं। भोपाल तमिल संगम द्वारा आयोजित पोंगल उत्सव एक भव्य आयोजन था, जिसमें तमिल समुदाय के सदस्यों और शुभचिंतकों ने पोंगल की भावना का जश्न मनाने के लिए एक साथ

आए, एक त्योहार जो कृतज्ञता और प्रचुरता का प्रतीक है। यह कार्यक्रम न केवल एक सांस्कृतिक उत्सव था बल्कि उपस्थित लोगों के बीच एकता और गौरव को बढ़ावा देने का एक मंच भी था।

मर्यादा पुरुषोत्तम श्री रामचन्द्र की छवि कलश,दीपमालिका से सजा राज दरबार

साहित्य परिषद का राम पधारे धाम कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

अखिल भारतीय साहित्य परिषद् भोपाल इकाई के तत्वावधान में अयोध्या नगरी में रामचन्द्रजी की प्राण प्रतिष्ठा की पूर्व संध्या पर राम पधारे धाम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें मंच पर मर्यादा पुरुषोत्तम श्री रामचन्द्रजी की छवि, कलश व दीपमालिका से राजदरबार सजाया गया।

रामस्तुति और रामवंदना भये प्रकट कृपाला दीन दयाला कौशल्या हितकारी से कार्यक्रम

की शुरुआत हुई। उपस्थित रचनाकारों ने अपनी पारम्परिक वेशभूषा में रामस्तुति व राम जी पर केंद्रित काव्य रचनाओं का पाठ किया। सर्वप्रथम मालती बसंत ने मेरे मुख्य से निकले राम, जब मैं छोडू अपने प्राण, होशियार सिंह पटेल ने पढ़ा.....।

भगवान श्रीराम की प्राण-प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में आयोजित किया कार्यक्रम

संगीतमय सुन्दरकांड पाठ में विधायक शर्मा सहित स्कूली बच्चों व भक्तों ने किया नृत्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶ संतनगर

एलवीएस ग्रुप ऑफ स्कूल परिसर में संगीतमय भव्य सुन्दर कांड पाठ का आयोजन किया गया। यह आयोजन 500 वर्षों के बाद प्रभु रामचंद्र के सोमवार को अयोध्या में होने वाले प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया। भव्य संगीतमय सुन्दर कांड कार्यक्रम में स्थानीय हुजूर विधायक रामेश्वर शर्मा मुख्य रूप से उपस्थित हुए। विधायक ने संगीतमय सुन्दर कांड पाठ में स्कूली बच्चों के साथ नृत्य कर पाठ का वाचन किया और आनंद लिया। सुन्दर कांड के दौरान पूरा परिसर राममय हो गया। इस दौरान उपस्थित सभी श्रद्धालु भी खूब झूमे।

उपस्थित अतिथियों का गमछा ओढ़ाकर स्वागत किया

संस्था द्वारा संचालित प्रेरणा किरण पब्लिक स्कूल में भी विद्यार्थियों ने गाजे-बाजे एवं संगीत के साथ हनुमान चालीसा का पाठ कर भगवान श्री राम का सिमरन किया। संगीतमय सुन्दर कांड पाठ में समाजसेवी हीरो ज्ञानचंदानी, आयल साधवानी, पुरषोत्तम पारवानी, थांवर वरलानी, भाजपा नेता राम बंसल, राहुल राजपूत, कुलदीप खरे, कमल वीधानी, योगेश वासवानी, बसंत चेलानी, राधे महाराज, जगदीश यादव, सूरज यादव, उमेश नागर, लवीन मनसुखानी, कन्हैया ईसरानी, सुरेश अजवानी, अनिल आसवानी, खूबचंद भागचंदानी, मनोज घूसर, तुलसीराम बड़गोतिया सहित संत नगर एवं गांधीनगर के अनेक गणमान्य नागरिक, संस्था का स्टाफ एवं विद्यालयीन बच्चे उपस्थित रहे। संस्था परिवार की ओर से रमेश हिंगोरानी, योगेश हिंगोरानी एवं नीलेश हिंगोरानी ने समस्त उपस्थित अतिथियों का गमछा ओढ़ाकर स्वागत वंदन किया।

मंदिरों में अखंड रामायण पाठ शुरू

श्रीराम रंग में रंगा पूरा नगर महिलाओं ने गाए मंगल गीत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ औबेदुल्लागंज

भगवान श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को लेकर नगर को दुल्हन की तरह सजाया गया है। मंदिरों में अखंड रामायण के पाठ प्रारंभ हो गए हैं। नगर के महिला समूहों द्वारा राम मंदिर में मंगल गीत गाए जा रहे हैं। भाजपा मंडल की मीडिया प्रभारी आरती यादव ने बताया हमारी टीम हर दिन प्रभात फेरी कर रही हैं।

मदिर प्राण प्रतिष्ठा के दिन सोमवार सुबह छः बजे नगर की महिलाएं बड़ी संख्या में प्रभात फेरी में शामिल होंगी। रविवार को नगर परिषद अध्यक्ष लक्ष्मी चौकसे एवं उपाध्यक्ष नमिता अग्रवाल के नेतृत्व में राम मंदिर में गीत एवं भजन के माध्यम से मंगल उत्सव का आयोजन किया। इधर, जन अभियान परिषद के विद्यार्थियों ने वीर सावरकर महाविद्यालय से लेकर मुख्य चौराहे तक कलश यात्रा एवं रैली निकालकर उत्सव मनाया।

खबर संक्षेप

विधायक खत्री ने लिया साज-सज्जा का जायजा

बैरसिया। रामलला की स्थापना से एक दिन पूर्व रविवार को विधायक विष्णु खत्री ने बैरसिया नगर की साज-सज्जा का जायजा लिया। सबसे पहले उन्होंने बस स्टैंड स्थित कुशाभाऊ चौराहा की साज-सज्जा देखी। इसके बाद बस स्टैंड से लेकर चौपड़ बजार तक मुख्य मार्गों पर साज-सज्जा का जायजा किया। इसके उपरांत भाजयुमो द्वारा आयोजित राम ध्वज यात्रा में शामिल हुए। यहां पर अखाड़े के कलाकारों का उत्साह वर्धन किया। उन्होंने कहा कि बैरसिया में उत्साह का माहौल है और हो भी क्यों नहीं 500 साल के लंबे इंतजार, लंबे संघर्ष के बाद 22 जनवरी को रामलला विराजने वाले है।

शादी न होने पर युवक ने फांसी लगाकर दी जान

भोपाल। पिपलानी थाना क्षेत्र स्थित भवानी चौक पर रहने वाले एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उसके पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई कि उसकी शादी नहीं हो रही थी और वह दुखी था। पुलिस के अनुसार भवानी चौक के पास रहने वाला 30 साल का राहुल यादव पुताई के ठेके लेता था। शनिवार रात करीब 9 बजे उसने अपने कमरे में फांसी लगा ली। फांसी लगाने की जानकारी उस समय लगी, जब उसका छोटा भाई उसे खाना खाने के लिए बुलाने पहुंचा था। उसे फंदे से उतारा गया, लेकिन उसकी मौत हो चुकी थी। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है।

भाभी के भाई ने किया युवती से दुष्कर्म

भोपाल। बाग सेवनिया थाना क्षेत्र स्थित एक बस्ती में होशंगाबाद से आई युवती से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। पीड़िता यहां अपने ममेरे भाई व भाभी के घर मेहमान आई थी। तभी नौ महीने पूर्व भाभी के भाई ने घर में उसे अकेला देखकर उससे दुष्कर्म किया। विरोध करने पर आरोपी ने धमकाते हुए कहा था कि यदि किसी से कुछ कहा तो जान से खत्म कर देगा। दुष्कर्म की घटना की जानकारी उस समय लगी, जब पीड़िता की शादी तय हुई और आरोपी ने उसकी मां को कॉल कर बता दिया। आरोपी ने धमकी दी कि कहीं और शादी की तो वह युवती को बदनाम कर देगा।

पान की गुमठी से हजारों की सिगरेट चोरी

भोपाल। चूनाभट्टी स्थित एक पान की गुमठी का ताला तोड़कर चोर हजारों रुपए की सिगरेट और पान मसाला चुराकर ले गए। पुलिस के मुताबिक कोलार रोड निवासी प्रवीण कुमार शुक्ला चूनाभट्टी स्थित मनोरिया अस्पताल के पास पान की गुमठी चलाते हैं। चोरी गए सामान की कीमत हजारों रुपए बताई जा रही है। इधर कोलार थानांतर्गत महाबली नगर स्थित सचिन चौरसिया की दुकान का ताला तोड़कर चोर 21 हजार रुपए नकदी चोरी कर ले गए। सचिन शनिवार रात ग्यारह बजे दुकान बंद कर घर चले गए थे। पुलिस मामला दर्ज कर जांच में जुटी।

बैरसिया के इमलिया नरेंद्र गांव की घटना, पुलिस जांच में जुटी

भाइयों के साथ खेल रहा 5 साल का मासूम लापता, एक दिन बाद कुए में मिली लाश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

बैरसिया थाना क्षेत्र स्थित गांव इमलिया नरेंद्र में शुक्रवार शाम पांच साल का मासूम रहस्यमय तरीके से लापता हो गया। लापता होने से पूर्व वह भाइयों के साथ खेल रहा था। शुक्रवार शाम से परिजन तलाश कर रहे थे, लेकिन उसका सुराग नहीं लगा। शनिवार शाम परिजन की उसकी लाश कुए में मिली। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है।

थाना प्रभारी नरेंद्र कुलस्ते ने बताया कि गोरेलाल सपेरा, गांव इमलिया नरेंद्र में रहते हैं और मजदूरी करते हैं। उनके परिवार में पांच बच्चे थे। छोटा बेटा अरुण सपेरा पांच साल का था। गोरेलाल ने पुलिस को बताया कि शुक्रवार को रिश्तेदारी में सगाई कार्यक्रम था। पत्नी सगाई में शामिल होने गई थी और वह काम पर चले गए। शाम को काम से लौटे तो उन्हें अरुण नजर नहीं आया। उन्होंने अरुण का पूछा तो परिजन ने बताया कि उन्हें भी अरुण नहीं दिखा। इसके बाद परिजन उसकी तलाश में जुट गए। रात करीब आठ बजे तक परिजन ने आसपास और रिश्तेदारों के घर अरुण की जानकारी जुटाई, लेकिन कुछ पता नहीं चला। रात करीब आठ बजे परिजन बैरसिया थाने पहुंचे और सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस की टीम गांव पहुंची और अरुण की तलाश की।

खास बातें

- पत्नी सगाई में शामिल होने गई थी और पिता काम पर गया था
- रात करीब आठ बजे परिजन बैरसिया थाने पहुंचे और सूचना दी

पुलिस और परिजन कर रहे थे तलाश, अनहोनी की आशंका पर कुए में देखा तो नजर आई लाश

अपहरण का प्रकरण दर्ज कर भेजा था हुलिया

पुलिस ने अरुण का हुलिया राजधानी के थानों और आसपास के जिलों समेत मेत आरपीएफ को भेज दिया था। शनिवार दोपहर आरपीएफ भोपाल से कॉल आया कि इस हुलिए का एक बच्चा मिला है। बैरसिया पुलिस की टीम आरपीएफ थाने पहुंचाई गई, लेकिन बच्चा अरुण नहीं कोई और था। शनिवार दोपहर एक टीम और अरुण की तलाश में गांव पहुंची और उसकी तलाश करने लगी।

अनहोनी की आशंका सही निकली

थाना प्रभारी नरेंद्र कुलस्ते ने बताया कि गांव जंगल से घिरा हुआ है। जगह जगह क्रेशर के बड़े-बड़े खंतीनुमा गड्ढे हैं। इसके अलावा गांव में जंगली जानवरों को मुवमेंट भी रहता है। एक अनुमान यह भी था कि कहीं कोई जानवर तो अरुण को उठाकर नहीं ले गया है। वे खुद गांव पहुंचे और परिजन समेत ग्रामीणों से पूछताछ की। एक नाबालिग बच्ची ने बताया कि अरुण अपने भाइयों के पीछे जाते हुए नजर आया था। भाइयों से पूछा गया कि वह बकरी के लिए पत्ती लेने कहां गए थे। इसके बाद अरुण के चाचा बनवारी लाल से पुलिस ने पूछताछ की। बनवारी लाल से पूछा गया कि घर से आसपास कितने कुए और पानी वाले गड्ढे हैं। इस पर बनवारी लाल ने पांच सौ मीटर की दूरी पर एक कुआ होने की बात कही। पुलिस ने बनवारी को कुए पर भेजकर देखने का कहा।

पानी के अंदर नजर आया शव

बनवारी लाल अनहोनी की आशंका पर कुए पर देखने पहुंचे। कुए में करीब दस बारह फीट पानी था और उसे अरुण की लाश पानी में अंदर नजर आई। उसने घटना की जानकारी पुलिस को दी। इसके बाद लाश कुए से बाहर निकाली गई। शनिवार शाम करीब चार बजे के आसपास लाश निकालने के बाद पीएम के लिए भेज दी गई थी।

ग्रामीणों को बच्चों की देखभाल करने को कहा

अरुण का हुलिया आसपास के थाना पुलिस और रेलवे पुलिस को भेजा गया था। आरपीएफ भोपाल से बच्चा मिलने की सूचना पर उम्मीद जगी थी कि अरुण मिल गया है, लेकिन वह अरुण नहीं था। पुलिस ने ग्रामीणों को अपने बच्चों की विशेष रूप देखभाल करने और उन्हें स्कूल भेजने के लिए कहा गया है।

नरेंद्र कुलस्ते
थाना प्रभारी, बैरसिया

विद्यार्थियों ने निकाली कलश यात्रा

औबेदुल्लागंज। मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व विकास पाठयक्रम के विद्याथियों द्वारा कलश यात्रा निकाली गई। नगर के मुख्य चौराहे से इसका आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने वीर सावरकर महाविद्यालय से लेकर मुख्य चौराहे तक कलश यात्रा निकालकर उत्सव मनाया। इस दौरान जन अभियान परिषद से निशा पटेल मेंटर्स पीएन सोनी,अजय मालवीय पीके परसाई, वीर सिंह चौहान, बारेलाल नायक शामिल थे।

दो दिवसीय गौरव दिवस कार्यक्रम खो-खो प्रतियोगिता के साथ शुरू

दिवस एवं गौरव दिवस कार्यक्रम के अन्तर्गत द्वितीय दिवस कार्यक्रम रविवार को दशहरा मैदान में खो-खो प्रतियोगिता के साथ शुरू हुआ। इस अवसर पर नगर के क्राइस्ट स्कूल की बालिका टीम प्रथम रही। द्वितीय कन्या शाला व तृतीय ग्लोबल स्कूल की टीम रही। बालक वर्ग में प्रथम क्राइस्ट विद्या भवन, द्वितीय ग्लोबल स्कूल, तृतीय सीएम राइज स्कूल रहा। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष सोनू चौकसे, सीएमओ सोनाली शर्मा, परब चन्द चौरे, हमीर सिंह मोहानिया, बलराम नागर, जेनब खान, मीना पटेल, नीरज लौवंशी, मनीष साहू, प्रमोद पांडेय, सननी अग्रवाल, राजकुमार शर्मा, आशीष यादब,महेश मीणा, कोमल साहू एवं समस्त स्टाफ उपस्थित रहा। मंगलवार को नीबू दौड व 100 मीटर दौड प्रतियोगिता सुबह 11 बजे होगी।

शांति समिति की बैठक हुई संपन्न भगवामय हुआ पूरा नजीराबाद

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नजीराबाद

थाना नजीराबाद प्रांगण में रविवार को शांति समिति की बैठक का आयोजन किया गया।

सोमवार को अयोध्या में रामलला का प्राण प्रतिष्ठा को ध्यान में रखते हुए नजीराबाद में भी शांति समिति की बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें कस्बा के गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित हुए। नजीराबाद पुलिस ने कार्यक्रम शांतिपूर्वक मिलजुल कर करने का आग्रह किया। पूरा नगर भगवामय हो गया है। नजीराबाद के वरिष्ठ लोगों ने बताया कि नजीराबाद में कार्यक्रम सद्भावना से ही किया जाता है। कार्यक्रम को बिगड़ने के लिए कुछ लोगों पर नजर रखना पड़ेगी। वहीं नजीराबाद पुलिस ने बताया कि हम नशा करने वाले लोगों पर नजर बनाए रखेंगे, किसी भी प्रकार की गड़बड़ी करने पर कार्रवाई की जाएगी।

रंजिश में नाबालिग से मारपीट कर ब्लेड से जानलेवा हमला

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

कमला नगर थाना क्षेत्र स्थित नया बसेरा सुलभ कांप्लेक्स के पास तीन बदमाशों ने पुरानी रंजिश में एक नाबालिग से मारपीट कर ब्लैड से जानलेवा हमला कर दिया। उसे कंधे में गर्दन के पास ब्लेड लगी है। उसे जेपी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अस्पताल की सूचना पर पहुंची पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मारपीट और हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर लिया है। उनकी तलाश की जा रही है।

- पुलिस ने हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर लिया

पुलिस के अनुसार 16 साल का उमेश तिलवानी नया बसेरा कोटरा सुल्तानाबाद में रहता है और ऑटो चलाता है। उसका इसी इलाके में रहने वाले आदित्य, गट्टू और हरसू से पुराना विवाद है। विवाद के चलते आरोपियों ने शनिवार दोपहर करीब साढ़े तीन बजे के आसपास उमेश को सुलभ कांप्लेक्स के पास रोक लिया। आरोपी पुराने विवाद की बात लेकर मारपीट कर रहे थे। इसी बीच एक आरोपी ने उमेश पर ब्लेड से हमला कर दिया। वहां मौजूद कुछ लोगों ने बीचबचाव किया और गंभीर रूप से घायल उमेश को जय प्रकाश अस्पताल पहुंचाया, वहां उमेश का इलाज चल रहा है।

शिक्षक सही मार्गदर्शन कर सफलता का द्वार खोलते हैं

कोचिंग इंस्टीट्यूट में फेयरवेल पार्टी छात्र-छात्राओं ने दी रंगारंग प्रस्तुति

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बैरसिया

ब्राइट फ्यूचर कोंचिंग इंस्टीट्यूट बैरसिया ने रविवार को यश गार्डन में फेयरवेल कार्यक्रम का आयोजन किया। इसमें पूर्व छात्र-छात्राओं ने रंगारंग कार्यक्रमों का आयोजन किया। इस दौरान छात्र-छात्राओं ने मनमोहक प्रस्तुति दी।

कार्यक्रम में कोचिंग इंस्टीट्यूट के संचालक लोधी ने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षक और पत्रकार में समानता होती है। शिक्षक छात्र-छात्राओं को सही ज्ञान देकर सफला का मार्ग खोलते है, वहीं पत्रकार लोगों को सच्चाई बताते है। वरिष्ठ पत्रकार आशीष शर्मा ने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि यह एक अभिनव पहल है कि कोई कोचिंग इंस्टीट्यूट अपने पूर्व छात्र-छात्राओं को बुलाकर उनके साथ गेट-टू-गेदर कर रहे हैं और भविष्य में उनको सही मार्गदर्शन करने के लिए दरवाजा खोल कर रख रहे हैं।

दुल्हन की तरह सजी उपनगरी

लाल साईं के सान्निध्य में विशाल शोभायात्रा आज

संतनगर। प्रभु श्री राम के अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा के दिन सोमवार को ऐतिहासिक बनाने के लिए बस स्टैंड संतनगर से एक भव्य शोभायात्रा वेदांत संत लालसाईं के सान्निध्य में निकाली जा रही है, जो चंचल चौराहे से होती हुई कालिका मंदिर से वापस आकर शिव मंदिर पर समाप्त होगी। इस शोभा यात्रा को भव्यतम बनाने की तैयारियां युद्ध स्तर पर चल रही है।

शोभायात्रा में नागरिक सपरिवार शामिल होंगे। इसके लिए बैरागढ़ को दुल्हन की तरह सजाया गया है। यहां पर कई स्वागत द्वार भी लगाए गए हैं। मंदिरों में विशेष पूजा अर्चना की जाएगी। यहां पर दर्जनों स्थानों पर प्रसादी वितरण का कार्यक्रम भी संपन्न होगा। इस अवसर पर सोमवार दोपहर सवा 12 बजे डॉक्टर भंबानी हॉस्पिटल रोड पलाश प्रॉपर्टी डील के पास प्रसाद वितरण का विशेष कार्यक्रम विधायक रामेश्वर शर्मा के मुख्य आतिथ्य में आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम आयोजक बिट्टी टिलवानी और सनी गिदवानी नई बताया कि हवन कार्यक्रम में अनेक लोग शामिल होंगे।

नगर में महोत्सव की तैयारी पूर्ण, एलईडी लगाकर अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का होगा सीधा प्रसारण

भगवान श्रीराम की भक्ति का प्रसार करने भोर से ही निकाल रहे प्रभात फेरी दुल्हन की तरह सजा पूरा नगर, चहूं ओर गूंज रहा भगवान श्री राम का नाम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ औबेदुल्लागंज

अयोध्या में देश के सबसे बड़े आयोजन को लेकर ओबैदुल्लागंज में भी अयोध्या जैसा माहौल बना हुआ है। सुबह की पहली किरण के साथ ही महिला-पुरुष मिलकर प्रभात फेरी निकाल कर गली-गली में भगवान श्री राम की भक्ति का प्रसार कर रहे हैं। शहर का ऐसा कोई कोना नहीं है जहां आयोजन को लेकर तैयारी न की गई हो। आस्था और भक्ति से जुड़े इस महोत्सव को लेकर व्यापार महासंघ मानस मंडल युवागण और हिरानिया का खेड़ापति माता मंदिर, अर्जुन नगर का शिव मंदिर, बस स्टैंड स्थित हनुमान मंदिर, मुख्य बाजार का श्री राम मंदिर, रेलवे कॉलोनी का शिव मंदिर, बिजली घर का शिव मंदिर आदि में सोमवार को पूजन अनुष्ठान की तैयारियां पूर्ण कर पूरा नगर राम मय हो गए हैं। भगवान के ध्वजों के अलावा पूजन सामग्री और परिधान भी जमकर बिक रहे हैं। पर्व और त्योहार को मनाने की गौरवशाली परंपरा के अनुरूप नगर में महोत्सव की तैयारी जोर-शोर से की जा रही है।

खास बातें

- गौरवशाली परंपरा के अनुरूप नगर में मनाया जाएगा महोत्सव
- भगवान के ध्वजों के अलावा पूजन सामग्री और परिधान की जमकर हो रही बिक्री

विधायक पटवा ने मंदिर परिसर में की साफ-सफाई

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर 14 से 22 जनवरी तक मंदिर परिसरों में सफाई अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में रविवार को सुप्रसिद्ध जाखला धाम हनुमान मंदिर में साफ-सफाई का विशेष अभियान चलाया। इस दौरान विधायक सुरेंद्र पटवा, कन्हैया नंदवंशी, अशोक यादव, नरेंद्र शर्मा, राजेंद्र अग्रवाल, रविंद्र विजय, दशरथ गुर्जर, माधव यादव, नंदू शर्मा शामिल हुए।

नगर में अलग-अलग जगह की जा रही विशेष तैयारी

- औबेदुल्लागंज में व्यापार महासंघ ने नगर में बिजली सजावट कर पूरे नगर को जगमगा दिया है वहीं व्यापार महासंघ के सभी पदाधिकारी अपने-अपने फ्लेक्स लगवाएं हैं।
- रेलवे फाटक हनुमान मंदिर में सुंदरकांड प्रारंभ हुआ, जिसमें राजेंद्र गुड्डू साहू, गणेश जायसवाल, नितिन सेन, रूपेश लोधी, मुकेश आदि के साथ भक्तगण राम मय वातावरण बनाने में लगे हैं।
- अर्जुन नगर स्थित मंदिर में सोमवार को एलईडी लगाकर अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का सीधा प्रसारण दिखाने की तैयार पूर्ण की।
- महिला मंडल द्वारा लगातार प्रभात फेरी निकालकर भगवान राम की प्राण प्रतिष्ठा के लिए जन जागरण चलाया जा रहा है।
- वार्ड 13 रेलवे कॉलोनी स्थित शिव मंदिर में साफ-सफाई कर विशेष पूजा-पाठ की।

आज का दिन सौभाग्यशाली, सदियों बाद रामलला अपने 'महल' में विराजेंगे

- राममय हो गई अयोध्या,जगद्गुरू रामभद्राचार्य भावुक हुए
- रामभद्राचार्य जी ने कहा कि आज मेरा वर्षों पुराना संकल्प पूरा हो रहा
- प्रसन्नता के साथ खूबसूरत कथा पंडाल में कर रहे सबसे बड़ी कथा

एजेंसी ▶▶ अयोध्या

यहां प्राण प्रतिष्ठा को लेकर पूरा देश भावुक है। सदियों बाद रामलला अपने घर में वापस आ रहे हैं। यह बहुत सौभाग्यशाली दिन है। रामनगरी में जगदगुरु रामभद्राचार्य सबसे बड़ी रामकथा कर रहे हैं। खूबसूरत सा पंडाल है। उन्होंने संकल्प किया था, मंदिर बनने तक अयोध्या रामकथा करने नहीं आएंगे।

संकल्प पूरा हुआ है। आजकल हर दिन 10 हजार लोग उन्हें सुनने आते हैं। वेदेश के लोकप्रिय संत हैं। उनसे मिलने आ रही हस्तियों को हैंडल करने 'टीम रामभद्राचार्य' में एक सेलिब्रिटी मैनेजर भी है।वे अंग्रेजी मीडिया वालों को उन्हीं की भाषा में जवाब देते हैं।

स्टार कंगना ने स्वामी से लिया आशीर्वाद

प्राण प्रतिष्ठा से पहले मंदिर में लगाई झाड़ू

बॉलीवुड स्टार कंगना रनौत बीते दिन ही अयोध्या पहुंच गई थीं। रविवार को कंगना ने अयोध्या स्थित हनुमान गढ़ी मंदिर में दर्शन किए। उन्होंने मंदिर परिसर में झाड़ू लगाया। उन्होंने कहा कि उन्हें बहुत सुकून मिल रहा है और अयोध्या जैसे राम लोक बन गया है। उन्होंने रामभद्राचार्य से भी मुलाकात की। रनौत ने कहा कि इस दिन को बयान करने के लिए हमारे पास शब्द नहीं हैं। उन्होंने कहा कि 22 तारीख को सभी लोग राममय हो जाइए। अयोध्या हमारी सनातन संस्कृति का एक अभिन्न अंग है और अब इसका पुराना गौरव वापस लौट रहा है। पूरा देश राममय हो गया है।

रामभद्राचार्य बोले- काशी और मथुरा के लिए भी लूंगा संकल्प

मुंबई में बना अयोध्या की तरह राम मंदिर

भाजपा के प्रमुख संयोजक ने इसका निर्माण करवाया

अयोध्या के समान मंदिर को मीरा-भायंदर के भाजपा के प्रमुख संयोजक और पूर्व कॉर्पोरेटर रवि व्यास ने बनवाया है। रवि ने बताया कि उन्हें इस मंदिर बनाने का विचार डेढ़ महीने पहले आया था। मंदिर का ढांचा तैयार करके उसे जमीन पर लाने में 10 दिन से ज़्यादा का समय लगा और अब यह हूबहू अयोध्या मंदिर की तरह ही बनकर तैयार हो गया है। यह भी बताया कि इस बीच हर दिन सुबह-शाम आरती और हवन होगा। राम भजन भी गाए जाएंगे। सभी नेताओं, सेलिब्रिटीज को न्योता दिया गया है।

सभी श्रीराम के बताए रास्ते पर चलें, उनकी पूजा करें

बाबरी के पूर्व पक्षकार इकबाल अंसारी ने कहा

अयोध्या में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा की तैयारियां जोरों पर है। सोमवार को होने वाली प्राण प्रतिष्ठा से पहले अयोध्या को भव्य तरीके से सजाया जा रहा है। अयोध्या में मेहमानों के पहुंचने का सिलसिला जारी है। इस बीच बाबरी के पूर्व पक्षकार रहे इकबाल अंसारी ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि अयोध्या धर्म की नगरी है और यहां सभी आएं। उन्होंने कहा कि सभी भगवान के दर्शन करें और प्रभु श्रीराम के बताये रास्ते पर चलें।

बंगाल की सीएम का आयोजन

आज ममता कालीघाट मंदिर में करेंगी पूजा, सद्भाव रैली

कोलकाता। अयोध्या में बने राम मंदिर का सोमवार को उद्घाटन होने वाला है। इस खास मौके पर पश्चिम बंगाल में सीएम ममता बेनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस 'सद्भाव रैली' निकालने वाली है। 'सद्भाव रैली' से पहले कोलकाता में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है।टीएमसी की तरफ से बताया गया है कि बेनर्जी 22 जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर के उद्घाटन के दिन वह पहले कालीघाट मंदिर में पूजा करेंगी और फिर कोलकाता के हाजरा मोड़ से सर्व धर्म रैली का आयोजन करेंगी।

खबर संक्षेप

गोवा में एसपी के कुत्तों ने किया था हमला

पणजी। लेफ्टिनेंट कर्नल जीसस फर्टाडो ने बॉर्डर पर दुश्मनों से लड़ने के लिए ट्रेनिंग ली। सेना में रहकर देश की सुरक्षा का संकल्प लिया। अब वे ऐसी लड़ाई लड़ रहे हैं, जिसका प्रशिक्षण नहीं लिया है। 3 वर्षों से वे उन पर हुए कुत्तों के हमले के खिलाफ लड़ाई लड़ रहे हैं। ये कुत्ते गोवा के एसपी (मुख्यालय) बोसुएट सिल्वा के हैं। घटना 31 अक्टूबर 2020 को मडगांव में हुई थी। बताया जा रहा है कि इसके पहले और कई लोगों पर हमला किया था।

प्राण प्रतिष्ठा के दिन छुट्टी के खिलाफ याचिका खारिज

मुंबई। बॉम्बे हाई कोर्ट ने शनिवार को चार कानून छात्रों द्वारा दायर याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें अयोध्या में राम मंदिर में 'प्राण प्रतिष्ठा' के दिन 22 जनवरी को सार्वजनिक अवकाश घोषित करने के महाराष्ट्र सरकार के फैसले को चुनौती दी गई थी। चार कानून छात्रों शिवांगी अग्रवाल,सत्यजीत साल्वे, वेदांत अग्रवाल और खुशी बांग्ला ने याचिका दाखिल की थी। इसके पहले भी कई अदालतों में इस तरह की याचिकाएं दाखिल की गई थीं।

सीतारमण ने स्टालिन पर लगाए गंभीर आरोप

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने स्टालिन सरकार पर लगाए गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु सरकार ने 22 जनवरी को होने वाले प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रमों के लाइव प्रसारण पर बैन लगा दिया है। वित्तमंत्री ने कहा कि हिंदू धार्मिक और धर्मार्थ बंदोबस्ती विभाग से प्रबंधित मंदिरों में श्री राम के नाम पर किसी भी पूजा की अनुमति नहीं है। लोगों पर कार्रवाई की जा रही है।

पीएम मोदी ने लक्ष्यदीप दौरे के बाद फिर देशवासियों से किया आग्रह

अपने प्रियजनों के साथ देश में ही मनाएं छुट्टियां

देश में पर्यटन को बढ़ावा दें व पानी की एक-एक बूंद बचाएं

पीएम मोदी ने रविवार को देश में घरेलू पर्यटन को बढ़ावा देने के आह्वान को फिर से दोहराया है। गुजरात में खोडलधाम ट्रस्ट कैंसर अस्पताल के शिलान्यास समारोह में पीएम ने देशवासियों से देश में पर्यटन को बढ़ावा देने सहित 9 गंभीर प्रतिज्ञा करने को कहा

एजेंसी ▶▶ रामेश्वरम

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को देश में घरेलू पर्यटन को बढ़ावा देने के अपने आह्वान को एक बार फिर से दोहराया है। उन्होंने कहा कि अगर आप छुट्टियों की योजना बना रहे हैं, तो अपनी मातृभूमि में पर्यटन स्थलों को देखें और अपने प्रियजनों के साथ इन स्थानों पर जाने पर विचार करें।

गुजरात में खोडलधाम ट्रस्ट कैंसर अस्पताल के शिलान्यास समारोह को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने देशवासियों से देश में पर्यटन को बढ़ावा देने सहित नौ गंभीर प्रतिज्ञा लेने का भी आग्रह किया। उन्होंने कहा कि भारत में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए आप जो भी कर सकते हैं वह करें। प्रधानमंत्री ने इस दौरान देशवासियों से पानी की एक-एक बूंद बचाने और जल संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक करने पर भी जोर दिया। इसके साथ ही पीएम मोदी ने किसानों, बच्चों समेत सभी लोगों से देश की रक्षा के लिए आह्वान किया।

स्थानीय रूप से निर्मित उत्पादों को बढ़ावा दें

पीएम मोदी ने इस दौरान कहा कि मैं अपने सभी देशवासियों से भी आग्रह करूंगा कि वे अपने गांवों, इलाकों और शहरों को स्वच्छता में नंबर वन बनाने का प्रयास करें। 'वोकल फॉर लोकल' के बारे बोलते हुए उन्होंने कहा कि स्थानीय रूप से निर्मित उत्पादों को बढ़ावा दें और किसानों को प्राकृतिक खेती के बारे में जागरूक करें। उन्होंने कहा कि रोजमर्रा के आहार में बाजरा जैसे खाद्य पदार्थों और मोटो अनाजों को भी शामिल करें।

'वेड इन इंडिया' का भी किया आह्वान

पीएम मोदी ने 'मेक इन इंडिया' की तर्ज पर 'वेड इन इंडिया' पर जोर देते हुए कहा कि क्या विदेश में शादियां आयोजित करना जरूरी है? क्या हम अपने देश में ऐसे समारोह आयोजित नहीं कर सकते? यह हमारा पैसा है। उन्होंने कहा कि जब हम दूसरे देश में शादियां आयोजित करते हैं तो भारत का पैसा विदेशी खजाने को भरता है।

भारत का मेडिकल हब बन रहा गुजरात

राज्य में मेडिकल कॉलेज की संख्या 11 से 40 हुई

पीएम मोदी ने रविवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से गुजरात के खोडलधाम ट्रस्ट कैंसर अस्पताल के शिलान्यास कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। इस दौरान उन्होंने कहा कि पिछले 20 वर्षों में गुजरात ने स्वास्थ्य के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति की है। उन्होंने कहा कि आज गुजरात भारत का बड़ा मेडिकल हब बन रहा है। 2002 तक गुजरात में सिर्फ 11 मेडिकल कॉलेज थे, आज उनकी संख्या बढ़कर 40 हो गई है। एमबीबीएस सीटों की संख्या बढ़कर पांच गुना हुई हैं, पीजी सीटों की संख्या बढ़कर 3 गुना है। उन्होंने कहा, पिछले नौ वर्षों में राज्य में 30 नए कैंसर अस्पताल खोले गए हैं।

अयोध्या पहुंचे दिग्गज...प्राण प्रतिष्ठा समारोह में होंगे शामिल

ट्रस्ट के महंत से लिया आशीर्वाद

अयोध्या। सोमवार को श्रीरामलला की प्राण प्रतिष्ठा के एक दिन पहले रविवार को साधु संत और दूसरे दिग्गज पहुंचे। संतों में श्रीश्री रविशंकर महाराज और आरएसएस के प्रमुख डॉ. मोहन भागवत ने श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के प्रमुख महंत नृत्य गोपाल दास जी महाराज से आशीर्वाद लिया। इसके साथ ही भाजपा के वरिष्ठ नेता जयभान सिंह पवैया भी पहुंचे, उनका साध्वी ऋतंभरा ने स्वागत किया।

डॉ. मोहन भागवत ने महंत का आशीर्वाद लिया

साध्वी ऋतंभरा ने पवैया का स्वागत किया

त्रिपुरा का 52वां स्थापना दिवस

पीएम और राष्ट्रपति ने पूर्वोत्तर राज्यों को दी शुभकामनाएं

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रविवार को पूर्वोत्तर भारत के तीन राज्यों मणिपुर, मेघालय,त्रिपुरा की स्थापना दिवस के अवसर पर शुभकामनाएं भेंट कीं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफार्म लिखा कि इस दिन राज्य अपने अनूठे इतिहास और समृद्ध विरासत का जश्न मनाएं।

मणिपुर,मेघालय,त्रिपुरा के लोगों को राज्य स्थापना दिवस की शुभकामनाएं देते हुए पीएम मोदी ने लिखा कि आज मेघालय की अविश्वसनीय संस्कृति और वहां के लोगों की उपलब्धियों का जश्न मनाने का अवसर है।मणिपुर ने भारत की प्रगति में मजबूत योगदान दिया है। हमें राज्य की संस्कृति और परंपराओं पर गर्व है। मैं मणिपुर के निरंतर विकास के लिए प्रार्थना करता हूं। राष्ट्रपति मुर्मू ने मेघालय, त्रिपुरा और मणिपुर के निवासियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इन राज्यों को प्रकृति की अद्वितीय कृपा प्राप्त है और ये समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के वाहक भी हैं। वे प्रगति, समृद्धि और शांति के पथ पर आगे बढ़ रहे हैं।

दावा-असम की सरकार यात्रा को निकलने नहीं दे रही

कांग्रेस ने भारत जोड़ो न्याय यात्रा में भाजपा पर लगाया आरोप

असम में जयराम की कार पर हमला किए, स्टीकर फाड़े

कांग्रेस का आरोप : मुख्यमंत्री सरमा करा रहे हुड़दंग, हम डरने वाले नहीं

एजेंसी ▶▶ जुमुगुरीहाट (गुवाहाटी)

लोकसभा चुनाव से पूर्व कांग्रेस राहुल गांधी की अगुवाई में भारत जोड़ो न्याय यात्रा निकाल रही है। यह यात्रा अभी पूर्वोत्तर भारत में चल रही है। न्याय यात्रा को लेकर कांग्रेस की ओर से दावा किया जा रहा है कि असम की सरकार यात्रा को निकलने नहीं दे रही है और यात्रा में शामिल लोगों को परेशान किया जा रहा है।

अब पूर्व केंद्रीय मंत्री और कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने दावा किया है कि असम में भाजपा के लोगों ने उनकी गाड़ी पर हमला किया।

खास बातें

- राहुल गांधी की अगुवाई में भारत जोड़ो न्याय यात्रा निकल रही
- असम की सरकार यात्रा को निकलने नहीं दे रही

हमने संयम रखा, लोगों को माफ किया

जयराम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो पोस्ट करते हुए कहा कि कुछ समय पहले सुनीतपुर के जुमुगुरीहाट में मेरी गाड़ी पर भाजपा के लोगों ने हमला कर दिया, और गाड़ी के विंडशील्ड पर लगे भारत जोड़ो न्याय यात्रा के स्टीकर भी फाड़ दिए थे। उन्होंने आगे कहा कि हमला करने वालों ने स्टीकर को पानी फेंक दिया और भारत जोड़ो न्याय यात्रा के विरोध में नारे लगाए, लेकिन हमने संयम बनाए रखा, इन लोगों को माफ कर दिया।

शंकरदेव की जन्मस्थली पर न जाएं राहुल:सरमा

सरमा ने राहुल से असमिया आइकन शंकरदेव के जन्म स्थान पर 22 जनवरी को श्रीमंत शंकरदेव के जन्म स्थान पर जाने से बचना चाहिए। भगवान राम और राज्य के प्रतिष्ठित वैष्णव संत के बीच कोई प्रतिस्पर्धा नहीं हो सकती है। जब अयोध्या में राम मंदिर का अभिषेक समारोह होगा उस दिन यात्रा के दौरान अल्पसंख्यक बहुल इलाकों के संवेदनशील मार्गों पर कमांडो तैनात किए जाएंगे। अभिषेक समारोह के बाद वे बिना किसी प्रतिस्पर्धा वहां जा सकते हैं।

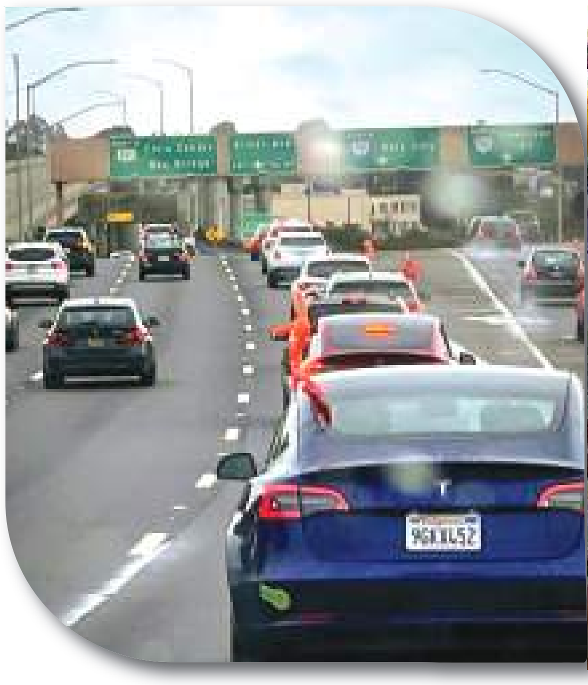

अयोध्या से लेकर सात समंदर पार प्रभु राम की धूम

सिडनी में खुशियां, पेरिस में रथ यात्रा, लंदन में दिखा भक्ति का रंग

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

अयोध्या में राम मंदिर के उद्घाटन का ऐतिहासिक और पवित्र अवसर दुनिया भर में रहने वाले भारतीयों के लिए संस्कृतिक उत्सव बन गया है। 22 जनवरी को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के दिन वाशिंगटन से लेकर पेरिस, सिडनी और लंदन तक में कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इनका आयोजन विश्व हिंदू परिषद और हिंदू प्रवासी समूहों द्वारा किया जा रहा है।

विश्व हिंदू परिषद के जनरल सेक्रेटरी स्वामी विज्ञानानंद ने कहा कि विहिप का 60 से अधिक देशों में सीधा संपर्क है। उन्होंने वहां हिंदू संगठनों के साथ कार्यक्रमों की योजना बनाई है।

विज्ञानानंद ने कहा कि रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर दुनिया भर में कार रैलियां, रथ यात्रा या प्रभारत फेरी का आयोजन किया जाएगा। साथ ही मंदिरों में अभिषेक समारोह आयोजित किए जाएंगे। जिनका लाइव स्ट्रीम किया जाएगा।

दुनिया भर में रैलियां, रथ यात्रा | **सात समंदर पार अमेरिका भी राममय** | **60 देशों में सीधा विविध कार्यक्रम** | **विदेशी स्टोर पर दीये अगरबत्ती खूब बिक रहे** | **फिजी के देवी मंदिर में भजन कीर्तन**

अयोध्या राम मंदिर में रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा समारोह की धूम पूरी दुनिया में देखी जा रही है। अमेरिका, आस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, फ्रांस, ऑस्ट्रेलिया, नेपाल, थाइलैंड सहित तमाम देशों में रह रहे भारतीय इसका जश्न मना रहे हैं।

पेरिसः रथ यात्रा

फ्रांस की राजधानी पेरिस में 22 जनवरी को शहर के उत्तरी हिस्से में स्थित प्लेस डे ला कैपेल से विश्व प्रसिद्ध एफिल टॉवर तक राम रथ यात्रा निकाली जाएगी। एफिल टॉवर पर श्री राम धुन जाप और कार्यक्रम होंगे।

कनाडा-अमेरिका में सीधा प्रसारण

कनाडा और अमेरिका में तो हर शहर के कई मंदिरों से रामलला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह का लाइव प्रसारण होने जा रहा है। कनाडा में टोरंटो शहर की दो म्यूनिस्पैलिटी ओकविले और ब्रम्पटन के मेयरों- रॉब बरटन और पेट्रिक ब्रॉन ने 22 जनवरी को अयोध्या राम मंदिर दिवस मनाने की घोषणा की है। स्टोर पर दीये, अगरबत्ती आदि खूब बिक रहे हैं।

कैलिफोर्निया में कार रैली

अमेरिका में तरह-तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। यहां 70 फीसदी भारतीयों ने छुट्टी ली है। दुर्गा मंदिरों में राम धुन चल रही है। टेक्सास में 'श्री सीता राम फाउंडेशन' ने ह्यूस्टन में अपने मंदिर में श्री राम जन्मभूमि प्राण प्रतिष्ठा समारोह का आयोजन किया है। वाशिंगटन में भी मंदिरों में कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। 21 जनवरी को कैलिफोर्निया में कार रैली निकाली गई।

सिडनी में रैली

राम मंदिर के उद्घाटन की धूम आस्ट्रेलिया में भी है। इस खुशी में शनिवार को सिडनी में भारतीय समुदाय ने कार रैली का आयोजन किया। इस आयोजन में 100 से अधिक कारों ने भाग लिया, जिससे सैकड़ों 'राम भक्त' शामिल हुए।

लंदन में निकली कार रैली

राम मंदिर के उद्घाटन का जश्न ब्रिटेन में भी मनाया जा रहा है। लंदन में भारतीय समुदाय के लोगों ने कार रैली निकाली। बड़ी संख्या में भारतीय समुदाय के लोगों ने 325 से अधिक कारों के साथ हिस्सा लिया।

ह्यूस्टन में राम मंदिर का विशाल बिलबोर्ड

अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर अमेरिका के ह्यूस्टन शहर में भगवान राम का 300 फीट लंबा एक भव्य बिलबोर्ड लगाया गया है। ग्रीन कुंभ यात्रा और सेव राम सेतु अभियान की संस्थापक, लिविंग प्लैनेट फाउंडेशन की डॉ. कुसुम व्यास द्वारा इसे डिजाइन किया गया है।

गीता प्रेस ने दी जानकारी

भारत के बाद यूएसए में सबसे ज्यादा पढ़ी गई श्रीरामचरितमानस

गोरखपुर। श्रीरामोत्सव पर गीता प्रेस से प्रकाशित श्रीरामचरितमानस का डिजिटल प्रसाद भी बड़ी संख्या में लोगों तक पहुंच रहा है। हिंदी की मानस को भारत में 44 हजार तो अमेरिका में 2700 लोगों ने पढ़ा है। अंग्रेजी की मानस को भारत में 20 हजार व अमेरिका में 3275 लोगों ने पढ़ा है। यह पुस्तक कम संख्या में ही सही, लेकिन संयुक्त अरब अमीरात व कुवैत में भी पढ़ी गई है।

श्रीरामचरितमानस की इस पुस्तक को 10 भाषाओं में अपनी वेबसाइट पर अपलोड कर दिया है। ताकि पाठक इसे निःशुल्क पढ़ व डाउनलोड कर सकें। इसके साथ ही अयोध्या दर्शन व अयोध्या महात्म्य पुस्तक भी अपलोड की गई है। आठ दिन में इन पुस्तकों को 10 लाख से अधिक लोगों ने सर्च किया है। 132964 लोगों ने पढ़ा है और 41839 लोगों ने डाउनलोड किया है।

इन देशों में इतने लोगों ने ऑनलाइन पढ़ी श्रीरामचरितमानस

हिंदी	जर्मनी- 120	350	कनाडा- 120
भारत- 44000	नेपाल- 81	ऑस्ट्रेलिया- 300	संयुक्त अरब अमीरात- 83
अमेरिका- 2700	**अंग्रेजी**	सिंगापुर- 150	यूनाइटेड किंगडम- 75
कनाडा- 650	भारत- 20000	जर्मनी- 100	ऑस्ट्रेलिया- 70
यूनाइटेड किंगडम- 400	अमेरिका- 3275	मलेशिया- 100	कुवैत- 30
ऑस्ट्रेलिया- 350	कनाडा- 737	**तेलुगु**	सिंगापुर- 27
सिंगापुर- 175	त्रिनिनाड- 1037	भारत- 9650	फ्रांस- 25
	संयुक्त अरब अमीरात-	अमेरिका- 1575	

थाईलैंड की 'अयुध्या' में भी जश्न का माहौल

दक्षिण पूर्वी एशियाई देश थाईलैंड में भी अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के जश्न का माहौल है। थाईलैंड की 'अयुध्या' से तो मिट्टी और यहां की तीन नदियों का जल अयोध्या आया है। जैसे हमारे यहां अयोध्या है, वैसे ही थाईलैंड में 'अयुध्या' है। यहां भी जश्न का माहौल है। भले ही भौगोलिक रूप से थाईलैंड भारत की भूमि से दूर हो, लेकिन मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम और रामायण की गाथा आज भी विद्यमान है। अयुध्या और थाईलैंड के अन्य शहरों में स्थित हिंदू मंदिरों के बाहर बड़ी-बड़ी स्क्रीन लगाई जा रही हैं।

सभी मंदिरों में दीप जलाए जाएंगे और लोग दिन में राम भजन गाकर स्तुति करेंगे।भक्तों में प्रसाद भी वितरित किया जाएगा। यहां रामायण का थाई संस्करण 'रामकियेन' देख सकते हैं।

खबर संक्षेप

24 साल बाद कोई रूसी राष्ट्रपति जाएंगे उत्तर कोरिया

प्योंगयांग। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन जल्दी ही उत्तर कोरिया का दौरा कर सकते हैं। पुतिन ने बीते हफ्ते रूस में उत्तर कोरियाई विदेश मंत्री चोई सोन हुई से मुलाकात के दौरान प्योंगयांग का दौरा करने की इच्छा व्यक्त जाहिर की है। पुतिन उत्तर कोरिया जाते हैं तो यह 2 दशकों से अधिक समय में किसी रूसी नेता की उत्तर कोरिया की पहली यात्रा होगी। पुतिन ने जुलाई 2000 में प्योंगयांग का दौरा किया था।

गेम हारने पर 'सड़क पर रेंगने' की मिली सजा

बीजिंग। पड़ोसी देश चीन में कुछ ऐसा गेम करवाया गया कि देखने वाले दंग रह गए। यहां की एक कंपनी ने अपने स्टाफ के लिए टीम बॉन्डिंग का गेम करवाया था। इसमें जो हार गया उसे सड़क पर रेंगने की सजा दी गई। ये घटना चीन के गुइशाउ प्रांत की है।

5वां देश बना जापान

चंद्रमा पर सॉफ्ट लैंडिंग के लिए जापान को दी बधाई

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

जापान ने शनिवार देर रात चंद्रमा पर सॉफ्ट लैंडिंग सफलतापूर्वक पूरा करने वाला पांचवां देश बन गया है। एक्स पर पीएम मोदी ने जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा और जापान एयरोस्पेस एक्सप्लोरेशन एजेंसी की टीम को बधाई दी। पीएम मोदी ने जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा की पोस्ट साझा की, जिसमें उन्होंने चंद्रमा पर 'स्लिम' की सफल लैंडिंग के लिए मिशन में शामिल सभी लोगों को बधाई दी थी। पीएम किशिदा ने लिखा कि हम अपने वैज्ञानिकों का सहयोग जारी रखेंगे, ताकि वे आगे भी चुनौतियों का सामना कर सकें। हालाँकि जेक्शा के अंतरिक्ष यान का सौर सेल बिजली पैदा नहीं कर रहा है जिससे मिशन की सफलता पर अनिश्चितता के बादल मंडरा रहे हैं। टीम डेटा का विश्लेषण कर रही है।

चंद्रमा पर इन देशों का बजा डंका

एयरोस्पेस एजेंसी का मानना है कि मिशन ने इसे न्यूनतम सफलता घोषित करने के मानदंडों को पूरा किया है, क्योंकि अंतरिक्ष यान ने ऑप्टिकल नेविगेशन का उपयोग करके एक सटीक और सॉफ्ट चंद्र लैंडिंग हासिल किया है। यह मिशन जापान को चंद्रमा पर उतरने वाला तीसरा और कुल मिलाकर 5वां देश बनाती है। इससे पहले रूस, संयुक्त राष्ट्र अमेरिका, चीन, भारत ने अपने नाम यह उपलब्धि हासिल की है। सितंबर में लॉन्च छोटे पैमाने के एसएलआईएम रोबोटिक एक्सप्लोरर को 'मून स्नाइपर' उपनाम से जाना जाता है क्योंकि इसमें 'पिनपॉइंट' लैंडिंग प्रदर्शित करने के लिए नई सटीक तकनीकों का इस्तेमाल किया गया है।

भारत का आदित्य एल 1 अंतरिक्ष यान कक्षा में स्थापित

इसी बीच भारत ने भी इस महीने की शुरुआत में ही एक प्रमुख पहला समर्पित सौर मिशन आदित्य-एल1 अंतरिक्ष यान कक्षा में सफलतापूर्वक स्थापित किया। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के पहले सौर मिशन का सफल प्रक्षेपण ऐतिहासिक चंद्र लैंडिंग मिशन - चंद्रयान -3 के ठीक बाद हुआ है जो भारत को अंतरिक्ष में कदम रखने की दिशा में निर्णायक सफलता हासिल की है।

थाईलैंड से भरी थी उड़ान, गया हवाईअड्डे से भरवाया था ईंधन

मॉस्को जा रहा 'फाल्कन 10' विमान अफगानिस्तान में क्रैश, 6 लापता

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

उज्बेकिस्तान के रास्ते भारत से मॉस्को जा रहा एक चार्टर्ड विमान अफगानिस्तान के बदख्शां प्रांत में दुर्घटनाग्रस्त हो गया है। बदख्शां में तालिबान के सूचना एवं संस्कृति प्रमुख ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि विमान दुर्घटनाग्रस्त हुआ है। इसने भारत के गया से रूस के जुकोवस्की के लिए उड़ान भरी थी। इसमें 4 क्रू मेंबर्स समेत 6 लोग सवार थे। सभी लापता हैं।

कुछ मीडिया रिपोर्ट्स के हवाले से कहा गया था कि यह भारतीय यात्री विमान है। वहीं भारतीय विमान के अधिकारियों ने विमान के भारतीय नहीं होने की बात कही है। जो विमान दुर्घटनाग्रस्त हुआ वह मोरक्कन पंजीकृत डीएफ 10 विमान था। रूसी विमानन अधिकारियों ने कहा कि विमान में 6 लोगों के सवार होने की आशंका है। विमान शनिवार शाम को अफगानिस्तान के ऊपर रडार स्क्रीन से गायब हो गया था।

तालिबान के सूचना एवं संस्कृति प्रमुख ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि यात्री विमान दुर्घटनाग्रस्त हुआ है। यह विमान रूस का बताया जा रहा है। इसमें कुल 6 मेंबर सवार थे। मामले की जांच के लिए एक टीम भेज दी गई है। इससे पहले कुछ मीडिया रिपोर्ट्स के हवाले से कहा गया था कि यह भारतीय यात्री विमान है।

खास बातें

- तालिबान सरकार ने की विमान के क्रैश होने की पुष्टि
- रूस की डीएफ 10 कंपनी का बताया गया यह छोटा विमान
- भारत ने कहा यह विमान भारतीय नहीं

मालदीव में 14 साल के बच्चे को नहीं मिली एयरलिफ्ट की इजाजत, मौत

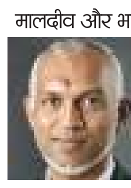

मालदीव और भारत के बीच तनाव का माहौल कम नहीं हो रहा है। इस बीच 14 साल के एक बच्चे को मेडिकल इमरजेंसी की जरूरत पड़ने पर परिजनों की मांग पर भी भारतीय हेलिकॉप्टरों के इस्तेमाल की इजाजत नहीं दी। गैफ अलिफ विलिंगिली स्थित अपने घर से राजधानी माले के अस्पताल पहुंचने में काफी देर हो जाने से बच्चे की मौत हो गई। बच्चे को ब्रेन ट्यूमर था और अचानक स्ट्रोक आने पर उसे तुरंत अस्पताल पहुंचाना जरूरी था। परिजनों ने बच्चे को राजधानी माले ले जाने एयर एंबुलेंस के लिए अनुरोध किया, लेकिन वहां के अधिकारी इसकी अनुमति देने में 15 घंटे लगा दिए। अस्पताल पहुंचने से पहले ही मौत हो गई। भारत का 2 नौसैनिक हेलिकॉप्टर और एक डोर्नियर विमान मालदीव में है।

अफगानिस्तान में क्रैश हुआ विमान भारत का नहीं थाः नागर विमानन मंत्रालय

भारत के एक विमान के शनिवार रात अफगानिस्तान में दुर्घटनाग्रस्त होने की खबरों के बीच नागर विमानन मंत्रालय ने रविवार को स्पष्ट किया कि पड़ोसी देश में दुर्घटनाग्रस्त हुआ विमान भारत का नहीं था। दरअसल अफगान स्थानीय मीडिया की ओर से ऐसी खबरें सामने आ रही थी कि दुर्घटनाग्रस्त यात्री विमान भारत का है, जो खबर गलत है। हादसे में मोरक्को का पंजीकृत डीएफ 10 विमान शामिल था।

अफगानिस्तान में उड़ने से बचते हैं

अफगानिस्तान के दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्र में दुर्घटनाग्रस्त होने वाले विमान ने थाइलैंड से उड़ाने भरने से पहले भारत के गया शहर के हवाईअड्डे पर ईंधन भरवाया था। इसके बाद यहां से उज्बेकिस्तान के ताशकंद होते हुए मॉस्को में झुकोव्स्की अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के लिए चार्टर एम्बुलेंस विमान के तौर पर रवाना हुआ था। रूसी अधिकारियों ने बताया कि यह विमान एथलेटिक ग्रुप एलएलसी से संबंधित है। बहरहाल, तालिबान ने एक अलग बयान में विमान को मोरक्को की एक कंपनी का बताया। अफगानिस्तान में 2021 में तालिबान के सत्ता संभालने के बाद से वहां अंतरराष्ट्रीय विमानों के संचालन से बचा जाता रहा है।

हिंदी पहुंची समंदर पारः फैसले का भारतीय अमेरिकी समुदाय ने किया स्वागत

अमेरिका के 2 सरकारी स्कूलों में पढ़ाए जाएंगे हिंदी पाठ्यक्रम

एजेंसी ▶▶ कैलिफोर्निया

कैलिफोर्निया में पहली बार, सिलिकॉन वैली के दो सरकारी स्कूल अपने पाठ्यक्रम में हिंदी को विश्व भाषा के रूप में शामिल करेंगे। हिंदी भाषा को एक वैकल्पिक विषय के रूप में पेश करने के निर्णय का फ्रेमोंट में बड़े स्तर पर भारतीय

अमेरिकी समुदाय ने स्वागत किया है। ये लोग अपने बच्चों को स्कूलों में हिंदी सिखाने की मांग कर रहे थे। कैलिफोर्निया के फ्रेमोंट में भारी संख्या में भारतीय अमेरिकी समुदाय के लोग निवास करते हैं। फ्रेमोंट यूनिफ़ाइड स्कूल डिस्ट्रिक्ट बोर्ड ने इस पायलट कार्यक्रम को शुरू करने के लिए 17 जनवरी को मतदान कराया था।

निक्की का ट्रंप पर तंजः मानसिक हालत पर उठाए सवाल

वॉशिंगटन। अमेरिका में इस साल के आखिर में राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव होने वाले हैं. रिपब्लिकन पार्टी की तरफ से रेस में दो दावेदारों के नाम सबसे आगे माने जा रहे हैं। पहला पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप और दूसरी भारतीय मूल की अमेरिकी नेता निक्की हेली। दोनों ही नेता पार्टी से राष्ट्रपति पद के लिए उम्मीदवारी के लिए कोशिश कर रहे हैं। वहीं इन दोनों ही नेताओं के बीच जुबानी जंग भी तीखी होती जा रही है। न्यू हैम्पशायर के कीने में चुनाव प्रचार करते समय निक्की हेली ने ट्रंप पर तीखा हमला बोला। उन्होंने सवाल किया कि क्या डोनाल्ड ट्रंप दोबारा राष्ट्रपति बनने के लिए मानसिक रूप से सक्षम हैं। निक्की ने कहा कि ट्रंप अपने भाषणों में बार-बार उन्हें लेकर पूर्व अमेरिकी सदन की अध्यक्ष नैंसी पेलोसी के साथ मिला रहे हैं।

उत्तर कोरिया ने बनाया समुद्र में परमाणु सुनामी लाने वाला घातक हथियार

प्योंगयांग। उत्तर कोरिया ने जेजू द्वीप के पास अमेरिका, जापान और दक्षिण कोरिया के संयुक्त नौसैनिक अभ्यास पर गुस्सा जताते हुए अपने नए परमाणु हथियार का प्रदर्शन किया है।

यह हथियार दुश्मन के इलाके में सुनामी ला सकता है। इसकी तुलना रूस के पोसीडॉन से की जा रही है, जिससे पूरा यूरोप खौफ खाता है। डीपीआरके एकेडमी ऑफ डिफेंस साइंस के तहत अंडरवाटर वेपन सिस्टम इंस्टीट्यूट ने पूर्वी सागर में अपने अंडरवाटर परमाणु हथियार सिस्टम 'हेइल-5-23' का एक महत्वपूर्ण परीक्षण किया।

राम मंदिर 'प्राण प्रतिष्ठा' के लिए अयोध्या पहुंचे स्टार खिलाड़ी, कुंबले-वेंकटेश ने शेयर की तस्वीरें

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

राम मंदिर 'प्राण प्रतिष्ठा' समारोह में शामिल होने के लिए देशभर के स्टार खिलाड़ी अयोध्या पहुंचने लगे हैं। इस कड़ी में भारत के पूर्व कप्तान और महान स्पिनर अनिल कुंबले प्राण प्रतिष्ठा समारोह की पूर्व संध्या पर लखनऊ पहुंचे। कुंबले सोमवार को बहुप्रतीक्षित राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा में शामिल होंगे। कुंबले के अलावा पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज वेंकटेश प्रसाद अयोध्या पहुंच गए हैं। उन्होंने समारोह की तस्वीरें साझा की है। अनिल कुंबले को रविवार दोपहर लखनऊ हवाई अड्डे पर देखा गया और पूर्व भारतीय क्रिकेटर के 'प्राण प्रतिष्ठा' समारोह की पूर्व संध्या पर अयोध्या पहुंचने की उम्मीद है। इस बीच अनिल कुंबले के पूर्व साथी और तेज गेंदबाज वेंकटेश प्रसाद राम मंदिर समारोह के लिए अयोध्या पहुंच गए हैं।

वेंकटेश ने लिखा, जय श्री राम

वेंकटेश प्रसाद ने सोशल मीडिया पर फोटो और वीडियो शेयर करते हुए लिखा, जय श्री राम। क्या क्षण है। सभी जीवन भर की घटना का गवाह बनने के लिए तैयार हैं। हमारे सबसे महत्वपूर्ण दिनों में से एक। पूरी अयोध्या और हमारे देश का अधिकांश हिस्सा खुशी से झूम रहा है। अयोध्यापति श्री रामचन्द्र जी की जय।

दिग्गज खिलाड़ियों को भी मिला है न्योता

बता दें कि राम मंदिर समारोह में एमएस धोनी, विराट कोहली, सचिन तेंदुलकर, कपिल देव, आर अश्विन और हरमनप्रीत कौर जैसे भारतीय क्रिकेटरों को आमंत्रित किया गया है। देखने वाली बात होगी कि ये सभी कब अयोध्या पहुंचते हैं।

ऐतिहासिक दिन पर करने जाऊंगा दर्शन : हरभजन

पूर्व भारतीय क्रिकेटर और आम आदमी पार्टी के सांसद हरभजन सिंह ने राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह को ऐतिहासिक दिन बताया है। पूर्व भारतीय स्पिनर ने कहा है कि दूसरे लोग कुछ भी करें, वह मंदिर जरूर जाएंगे और दर्शन करेंगे। दुबई में एजेंसी से बात करते हुए हरभजन सिंह ने प्रधानमंत्री की तारीफ की। हरभजन सिंह ने कहा कि लोग क्या सोचते हैं, इससे फर्क नहीं पड़ता। मेरी आस्था है और मैं अयोध्या जरूर जाऊंगा। उन्होंने कहा कि पार्टी से ऊपर उठकर इसका स्वागत करना चाहिए। हरभजन सिंह ने कहा, मैं निश्चित रूप से मंदिर जाऊंगा। मैं धर्म और भगवान में दृढ़ विश्वास रखता हूं। मैं आशीर्वाद लेने के लिए हर मंदिर, मस्जिद और गुरुद्वारे जाता हूं। जब भी मौका मिलेगा मैं मंदिर जाऊंगा। इसमें कोई संदेह नहीं है। देश के लोगों को मेरी शुभकामनाएं। प्राण प्रतिष्ठा होने जा रही है। जितना संभव हो उतने लोगों को कार्यक्रम में शामिल होना चाहिए और आशीर्वाद लेना चाहिए। यह एक ऐतिहासिक दिन है। भगवान राम सभी के हैं।

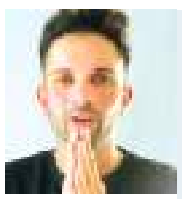

रामभक्त अफ्रीका के खिलाड़ी महाराज ने दी शुभकामनाएं

दक्षिण अफ्रीका के हरफनमौला खिलाड़ी केशव महाराज ने सोमवार को होने वाली अयोध्या में राम मंदिर की 'प्राण प्रतिष्ठा' को लेकर भारतीय समुदाय को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। गौरतलब हो कि भगवान राम और हनुमान के भक्त केशव महाराज ने सोशल मीडिया पर लिखा, सभी को नमस्ते। मैं अयोध्या में राम मंदिर के उद्घाटन के लिए साउथ अफ्रीका में अपने भारतीय समुदाय को शुभकामनाएं देना चाहता हूं। सभी के लिए शांति, सद्भाव और आध्यात्मिक ज्ञान हो। जय श्री राम।

सात्विक-चिराग इंडिया ओपन में उपविजेता, कैंग-सियो को खिताब

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

भारत के सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी को कैंग मिन ह्युक और सियो सेयुंग जेइ की जोड़ी के खिलाफ रविवार को यहां पुरुष युगल फाइनल में इंडिया ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में उप विजेता बनकर संतोष करना पड़ा। सात्विक और चिराग की एशियाई खेलों और राष्ट्रमंडल खेलों की स्वर्ण पदक विजेता जोड़ी को फाइनल में कैंग और सियो की दुनिया की तीसरे नंबर की जोड़ी के खिलाफ एक घंटा और पांच मिनट में 21-15, 11-21, 18-21 से हार का सामना करना पड़ा।

वर्ष 2018 के चैंपियन युकी ने कड़े फाइनल में हांगकांग के दुनिया के 18वें नंबर के खिलाड़ी ली च्युक यीयू को 54 मिनट में 23-21, 21-17 से हराकर दूसरी बार इंडिया ओपन जीता। टोक्यो ओलंपिक की रजत पदक विजेता और चौथी वरीय ताइ जू ने दूसरी वरीय यू फेई को 41 मिनट में 21-16, 21-12 से हराकर खिताब अपने नाम किया।

इंग्लैंड की 'बैजबॉल' का जवाब है 'विराटबॉल'

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

महान खिलाड़ी सुनील गावस्कर ने कहा कि 25 जनवरी से हैदराबाद में शुरू होने वाली पांच मैच की टेस्ट श्रृंखला में इंग्लैंड की 'बैजबॉल' का सामना करने के लिए भारत के पास 'विराटबॉल' मौजूद है। इंग्लैंड के बल्लेबाज अब बहुत ही आक्रामक शैली में खेलते हैं जो उनके मुख्य कोच ब्रैंडन मैकुलम के खेलने के तरीके से जुड़ा है।

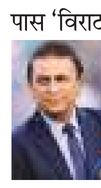

ग्रैंडमास्टर गुकेश ने वार्मरडैम को हराया

विज्क आन ज़ी। भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए रविवार को यहां टाटा स्टील मास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट के सातवें दौर में नीदरलैंड के मैक्स वार्मरडैम को हराकर लगातार तीसरी जीत हासिल की, जिससे वह संयुक्त बढ़त पर पहुंच गए। इस जीत से गुकेश ने संभावित सात में से 4.5 अंक हासिल कर लिए हैं और अब वह उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तारोव और नीदरलैंड के अनीश गिरी के साथ संयुक्त बढ़त पर हैं।

हरिभूमि कम्युनिकेशन प्राइवेट लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक अचिंत महेश्वरी द्वारा प्लॉट नं.160 न्यू एच-सेक्टर इंडस्ट्रियल एस्टेट, गोविंदपुरा, भोपाल (म.प्र.) 462023 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, पीबी-2, चतुर्थ तल, मानसरोवर कॉम्पलैक्स, वार्ड नं. 50, शिवाजी नगर, निकट रानी कमलापति रेलवे स्टेशन, होशंगाबाद रोड, भोपाल, (म.प्र.) 462016 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी। स्थानीय संपादकः प्रमोद भारद्वाज। RNI No. MPHIN/2014/55906, फोन 0755-4049930

हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी

सबको हरिभूमि की राम-राम

अयोध्या विवाद का फैसला

500 साल पहले शुरू हुआ था विवाद

206 साल लगे इस विवाद में फैसला आने में

05 जजों की संवैधानिक पीठ ने सुनाया फैसला

40 दिन तक सुप्रीम कोर्ट में लगातार सुनवाई

2.77 एकड़ विवादित भूमि राम मंदिर के लिए दी गई

5 एकड़ जमीन अलग से मिली मुस्लिम पक्ष को

अवधपुरी प्रभु आवत जानी। भई सकल सोभा कै खानी॥
बहइ सुहावन त्रिबिध समीरा। भइ सरजू अति निर्मल नीरा॥

भावार्थः- प्रभु को आते जानकर अवधपुरी संपूर्ण शोभाओं की खान हो गई। तीनों प्रकार की सुंदर वायु बहने लगी। सरयू अति निर्मल जलवाली हो गईं (अर्थात सरयू का जल अत्यंत निर्मल हो गया)।

बहुतक चढ़ीं अटारिन्ह निरखहिं गगन बिमान।
देखि मधुर सुर हरषित करहिं सुमंगल गान॥

भावार्थः- बहुत-सी स्त्रियाँ अटारियों पर चढ़ीं आकाश में विमान देख रही हैं और उसे देखकर हर्षित होकर मीठे स्वर से सुंदर मंगल गीत गा रही हैं॥

500 वर्ष बाद अयोध्या में आराध्य की प्राण प्रतिष्ठा

रक्त, राजनीति और भक्ति की गौरव गाथा

यह क्षण पुलकित करने वाला है। भारत का कण–कण राम...राम....मेरे राम बोल रहा है। धरा हर्षित है देश के अंतर्मन में श्रीराम के नाम की गूंज सुनाई दे रही है। वैसे तो प्राण प्रतिष्ठा अयोध्या में होगी, लेकिन आज देश के हर कोने में प्रसन्नता का भाव होगा। पल होगा पांच सौ वर्ष की प्रतीक्षा के अंत का....पल होगा खंड-खंड मंदिर के एक कोने में तंबू में रहे भारत के अराध्य श्री राम के भव्य मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा का। गौरवान्वित करने वाले क्षण को ऐतिहासिक बनाने के लिए हरिभूमि ने यह विशेष अंक प्रकाशित किया है। यह अंक श्रीराम के लिए किए गए पांच सौ वर्ष के संघर्ष का साक्षी बनेगा तो प्राण प्रतिष्ठा के भावुक क्षण पर भावनाएं प्रकट करने का माध्यम भी। इस अंक में श्रीराम मंदिर के लिए जीवन खपा देने वालों की दास्तां हैं तो मनीषियों के भाव भी।

ये हैं राममंदिर की नींव

अशोक सिंघल | लालकृष्ण आडवाणी | मुरली मनोहर जोशी | कल्याण सिंह
विनय कटियार | प्रवीण तोगड़िया | साध्वी ऋतंभरा | उमा भारती

हरिभूमि के लिए इन्होंने लिखे अनमोल भाव

श्री श्री रविशंकर अध्यात्मिक गुरु | श्रीमहंत फूलडोल बिहारी दास | आचार्य सत्येंद्र दास मुख्य पुजारी | पं. महेश पुजारी महाकालेश्वर मंदिर | सदगुरु वासुदेव जग्गी महाराज
गुरु शरण महाराज | अवधेशानंद जी महाराज | पंडित प्रदीप मिश्रा कथा वाचक | ज्ञान दास जी अयोध्या धाम | महंत जगदीश दास

कोठारी बंधुओं ने फहराया था भगवा

21 से 30 अक्टूबर 1990 तक अयोध्या में लाखों कारसेवक जुट चुके थे। सब विवादित स्थल की ओर जाने की तैयारी में थे। विवादित स्थल के चारों तरफ भारी सुरक्षा थी। अयोध्या में लगे कर्फ्यू के बीच सुबह करीब 10 बजे चारों दिशाओं से बाबरी मस्जिद की ओर कारसेवक बढ़ने लगे। इनका नेतृत्व कर रहे थे अशोक सिंघल, उमा भारती, विनय कटियार जैसे नेता। विवादित स्थल के चारों तरफ और अयोध्या शहर में यूपी पीएसी के करीब 30 हजार जवान तैनात किए गए थे। इसी दिन बाबरी मस्जिद की गुंबद पर शरद (20 साल) और रामकुमार कोठारी (23 साल) नाम के भाइयों ने भगवा झंडा फहराया।

3 दिन बाद फायरिग में गई थी जान

कोठारी भाइयों के दोस्त राजेश अग्रवाल के अनुसार 22 अक्टूबर की रात शरद और रामकुमार कोठारी बनारस आकर रुक गए थे। सरकार ने ट्रेनें और बसें बंद कर रखी थीं तो वे टैक्सी से आजमगढ़ के फूलपुर कस्बे तक आए। दोनों करीब 200 किलोमीटर पैदल चलने के बाद 30 अक्टूबर को दोनों अयोध्या पहुंचे।

2 नवंबर को दोनों भाइयों को लगी गोली, गई जान

किताब 'अयोध्या के चश्मदीद' के अनुसार 30 अक्टूबर को गुंबद पर झंडा लहराने के बाद शरद और रामकुमार 2 नवंबर को विनय कटियार के नेतृत्व में दिगंबर अखाड़े की तरफ से हनुमानगढ़ी की तरफ जा रहे थे। जब पुलिस ने गोली चलाई तो दोनों पीछे हटकर लाल कोठी वाली गली के एक घर में छिप गए, लेकिन थोड़ी देर बाद जब वे दोनों बाहर निकले तो पुलिस फायरिंग का शिकार बन गए। दोनों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

भव्य है श्रीराम मंदिर

107 एकड़ में मंदिर प्रांगण

2.77 एकड़ में मुख्य मंदिर का एरिया

161 फीट मंदिर की ऊंचाई

235 फीट मंदिर की चौड़ाई

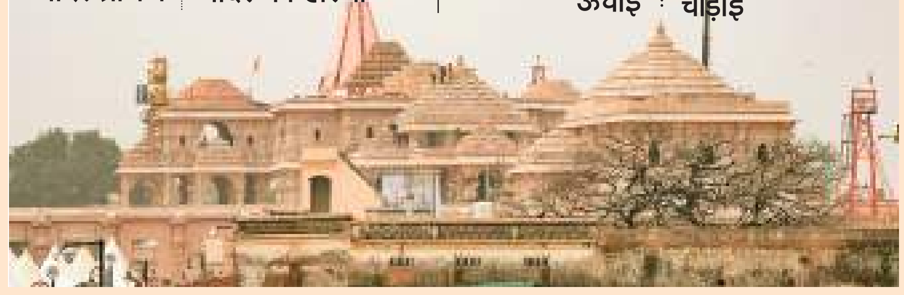

ऐसा रहा श्रीराम जन्म भूमि अयोध्या का इतिहास

साल 1528
बाबरी मस्जिद का निर्माण
बाबरी मस्जिद का निर्माण मुगल सम्राट कमांडर मीर बाकी ने कराया था। मीर बाकी ने ही इस मस्जिद का नाम बाबरी रखा था।

साल 1885
कोर्ट पहुंचा मामला
मामला पहली बार अदालत में पहुंचा। महंत रघुवरदास ने फैजाबाद अदालत में बाबरी मस्जिद से लगे राम मंदिर के निर्माण की इजाजत के लिए अपील दायर की।

साल 1950
पूजा के लिए मुकदमा
गोपाल सिंह विषारद ने फैजाबाद कोर्ट में मुकदमा दायर करके पूजा के अधिकार की मांग की थी। इसी केस के बाद हिंदुओं को मंदिर में पूजा-अर्चना का अधिकार मिला था।

साल 1950
मूर्तियां रखने मुकदमा
परमहंस रामचंद्र दास ने पूजा और मूर्तियों को रखने की लिए फैजाबाद कोर्ट में मुकदमा दायर किया था। परमहंस के इस कदम से राम मंदिर के आंदोलन को नई धार मिली।

साल 1959
विवादित स्थल पर मुकदमा
निर्मोही अखाड़ा ने विवादित स्थल पर कब्जे के लिए मुकदमा दायर किया।

साल 1981
वक्फ बोर्ड ने किया मुकदमा
यूपी सुन्नी वक्फ बोर्ड ने कब्जे को लेकर मुकदमा दायर किया।

साल 1986
हिंदुओं को पूजा करने की मिली अनुमति
1 फरवरी, 1986: स्थानीय अदालत ने स्थल को हिंदुओं की पूजा के लिए खोलने का आदेश दिया।

साल 1989
हिंदू पक्ष को राहत
14 अगस्त, 1989: इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मामले में यथास्थिति बनाए रखने का आदेश दिया।

साल 1992
बाबरी विध्वंस
6 दिसंबर, 1992: विवादित ढांचे को ढहा दिया गया। इसके बाद राम मंदिर के लिए आंदोलन ने और गति पकड़ी।

साल 2002
इलाहाबाद हाईकोर्ट पहुंचा मामला
अप्रैल 2002: इलाहाबाद हाईकोर्ट ने विवादित स्थल पर मालिकाना हक को लेकर सुनवाई शुरू की।

साल 2010
इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सुनाया फैसला
30 सितंबर, 2010: हाईकोर्ट ने विवादित स्थल को तीन बराबर हिस्सों में सुन्नी वक्फ बोर्ड, निर्मोही अखाड़ा और रामलला में बांटने का फैसला सुनाया।

साल 2011
हाईकोर्ट के फैसले पर 'सुप्रीम' रोक
सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के तीन बराबर हिस्सों में बांटने के फैसले पर रोक लगाई।

साल 2018
सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई शुरू
8 फरवरी, 2018: सुप्रीम कोर्ट ने सिविल अपीलों पर सुनवाई शुरू की।

साल 2019
संवैधानिक पीठ का गठन
सुप्रीम कोर्ट ने चीफ जस्टिस रंजन गोगोई की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय संविधान पीठ का गठन किया।

राम मंदिर पर ऐतिहासिक फैसला

2019 09 नवंबर: सुप्रीम कोर्ट के 5 जजों की बेंच ने श्री राम जन्म भूमि के पक्ष में फैसला सुनाया। 2.77 एकड़ विवादित भूमि हिंदू पक्ष को मिली और मस्जिद के लिए अलग से 5 एकड़ जमीन मुस्लिम पक्ष को मुहैया कराने का आदेश दिया गया।

श्री राम मंदिर आंदोलन के दौरान पालथी मारकर कभी आराम से भोजन नहीं किया

साध्वी ऋतंभरा दीदी मां

श्री राम मंदिर के लिए काफी कीमत चुकाई अपमान झेले

इतने भाषण दिए थे कि गले में खून का थक्का जम गया था

श्री राम मंदिर के लिए काफी कीमत चुकाई, अपमान झेले। जो प्रताड़ना दी गईं, वह कभी भुलाई नहीं जा सकतीं। आंदोलन के दौरान भाषण देने इंदौर गई थी, तब मुझे एक घर से दिग्विजय सिंह की सरकार के इशारे पर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने ऐसा तांडव मचाया कि डर के कारण उस घर की महिला का गर्भपात हो गया। इंदौर में सेंट्रल जेल थी, लेकिन पुलिस मुझे वहां नहीं ले गई। जंगल-जंगल सारा दिन घुमाते हुए मुझे ग्वालियर की जेल ले गए। उस वक्त भाषण बहुत देने होते थे। ऐसे में मुझे अस्थमा था। अस्थमा रोगी को इन्हेलर तुरंत चाहिए होता है, लेकिन उन लोगों ने न तो इन्हेलर लेने दिया और न ही दवाएं। ग्वालियर की जेल में जिस बैरक में रखा, उसमें 70-72 लोग थे। बहुत से झींगुर थे। शौचालय में घुटनों तक मलमूत्र भरा था। दुर्गंध के बीच सांस लेना भी मुश्किल हो रहा था। बड़ा सा बल्ब मेरे सिर के ऊपर लगा दिया, जिससे उसकी तेज रोशनी में मैं सो न पाऊं। ये मेरे खिलाफ षड्यंत्र था दिग्विजय सिंह की सरकार का। चार दिन मुझे अवैध रूप से बैरक में रखा। जबकि बड़े से बड़े अपराधी को 24 घंटे में कोर्ट के सामने ले जाया जाता है। मेरे साथ ऐसा व्यवहार कर रहे थे, जैसे मैं पाकिस्तान से आई आतंकवादी हूं। इसी तरह नागपुर में भाषण के बाद ही गिरफ्तार करने की योजना बनी। मेरे कार्यकर्ताओं ने ये बताया तो मैं स्टेज से कूद गई। मेरे साथ गुरु बहन साध्वी साक्षी थीं। हम पीछे दौड़ते गलियों में गए। एक लकड़ी के कारखाने में बुरादे के बोरे में छिपकर खुद को बचाया। भेष बदलकर इतनी बार भागना पड़ा कि उसकी गिनती नहीं। ललितपुर में सभा के दौरान जिस घर में मैं रुकी थी, पुलिस ने वह घर घेर लिया। मेरे लंबे बाल थे, सारे बाल काटकर छोटे करने पड़े। ललितपुर में मैंने साड़ी पहनी और एक बच्चा गोद में लिया, तब पुलिस से बचकर निकली। इंदौर में एक आधुनिक लड़की बनकर साइकिल चलाते पुलिस के सामने से निकलना पड़ा, ताकि वह पहचान न सके।

हमारी तो भूमिका एक गिलहरी के जैसी थी

रामविलास वेदांती को मुझे राम मंदिर आंदोलन में ले जाने का श्रेय जाता है। वह उत्तर प्रदेश के जालौन में एक गांव में जनसभा में मुझे मिले। उन्होंने हमें रामजन्मभूमि आंदोलन में आने को कहा। तब हम अयोध्या गए थे, वहां सरयू का जल हाथ में लेकर रामकाज करने की शपथ ली और अपना जीवन रामजन्मभूमि आंदोलन को समर्पित कर दिया। विहिप का ये आंदोलन था, मार्गदर्शक मंडल के संतों ने सब तय किया था। अशोक सिंघल जी, आचार्य गिरिराज किशोर, दिगंबर अखाड़े के रामचंद्र परमहंस समेत बड़े-बड़े संत थे। हमारी तो भूमिका एक गिलहरी के जैसी थी। हां, इतना जरूर था कि जिस जनसभा में ऋतंभरा को बोलना होता था, उस मंच पर किसी और का भाषण सुनने को जनता तैयार नहीं होती थी। मैं प्रमुख चेहरों में खुद को नहीं मानती।

कंटेंट टीम : अयोध्या से राजेंद्र पांडे, मथुरा से डॉ. कमलकांत उपमन्यु, भोपाल से मधुरिमा राजपाल, सीहोर से जुगल किशोर पटेल, दतिया से राजीव मिश्रा।
ग्राफिक्स एवं ले-आउट- अशोक कुमार साहू, गोपीचंद जायसवाल

**प्रसन्नतां या न गताभिषेकतस्तथा न मम्ले वनवासदुःखतः।
मुखाम्बुजश्री रघुनन्दनस्य मे सदास्तु सा मंजुलमंगलप्रदा॥2॥**

रघुकुल को आनंद देने वाले श्री रामचन्द्रजी के मुखारविंद की जो शोभा राज्याभिषेक से (राज्याभिषेक की बात सुनकर) न तो प्रसन्नता को प्राप्त हुई और न वनवास के दुःख से मलिन ही हुई, वह (मुखकमल की छबि) मेरे लिए सदा सुंदर मंगलों की देने वाली हो॥2॥

श्री राम लला
प्राण प्रतिष्ठा

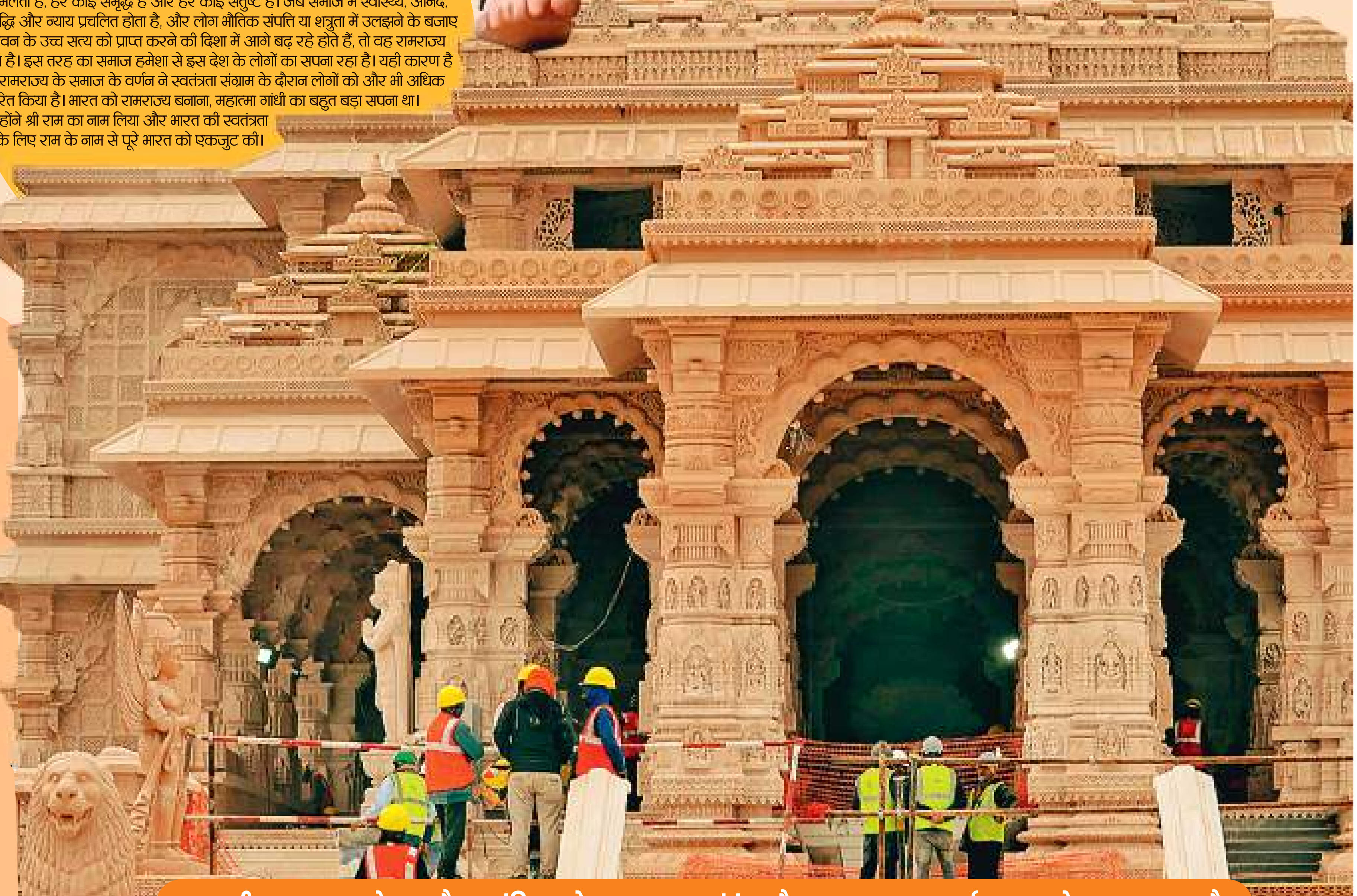

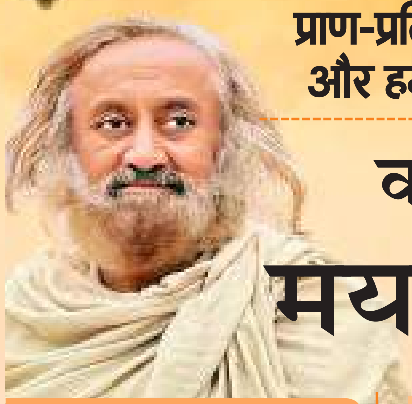

प्राण-प्रतिष्ठा कई पीढ़ियों के आत्मविश्वास, आत्मसम्मान और हमारी सभ्यता के साथ गहरे जुड़ाव का है 'प्रतीक'

काल और देश से परे क्यों हैं मर्यादा पुरुषोत्तम राम

राम का अर्थ है, 'मेरे हृदय का प्रकाश'। जो आपके भीतर प्रकाशमान है, वे राम हैं । जो सृष्टि के कण-कण में दीप्तिमान है, वे राम हैं।

श्री श्री रविशंकर
अध्यात्मिक गुरु

इस देश में, राम हर किसी के जीवन का एक अंश हैं। रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा, सद्भाव के उत्सव का प्रतीक है। इस उत्सव के आनंद और आपसी सौहार्द्र की भावना, धार्मिक सीमाओं से परे है और सभी को एकजुट करती है। प्राण प्रतिष्ठा का अनुष्ठान, एक गहन समारोह होता है, जो दिव्य मूर्ति में प्राण के संचार का प्रतीक है। साधारण जनमानस ईश्वर को मूर्तियों, पत्थरों और पेड़-पौधों में भी देखता है और प्राण प्रतिष्ठा, सूक्ष्म विज्ञान और उत्सव की एक श्रृंखला का प्रतिनिधित्व करती है जो भौतिकता और आध्यात्मिकता के मध्य एक मधुर संबंध को दर्शाता है। राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा एक ऐतिहासिक क्षण है, जहां लाखों लोगों का सपना साकार हो रहा है। यह केवल एक मंदिर निर्माण के विषय में नहीं है बल्कि उससे कहीं अधिक है; यह कई पीढ़ियों के आत्मविश्वास, आत्मसम्मान और हमारी सभ्यता के साथ गहरे जुड़ाव का प्रतीक है।

अयोध्या यानी जहां कोई युद्ध नहीं हो सकता

राम का अर्थ है, 'मेरे हृदय का प्रकाश'। जो आपके भीतर प्रकाशमान है, वे राम हैं । जो सृष्टि के कण-कण में दीप्तिमान हैं, वे राम हैं। भगवान राम का जन्म दशरथ और कौशल्या से हुआ था। संस्कृत में दशरथ का अर्थ है, 'दस रथों वाला'। यह पांच ज्ञानेंद्रियों और पांच कर्मेंद्रियों का प्रतीक है। संस्कृत में कौशल्या का अर्थ है, 'कुशल'। दस रथों का कुशल सारथी ही राम को जन्म दे सकता है। जब पांचों ज्ञानेंद्रियों और पांचों कर्मेंद्रियों का कुशलतापूर्वक उपयोग किया जाता है तो भीतर प्रकाश का उदय होता है। राम का जन्म अयोध्या में हुआ था, जिसका अर्थ है 'वह स्थान जहां कोई युद्ध नहीं हो सकता'। जब मन में कोई द्वंद्व नहीं होता तो प्रकाश का उदय होता है। मन की पकड़ से मुक्त होने की दिशा में पहला कदम यह पहचानना है, ओह, मैं यह नहीं हूं। दूसरा चरण है, यह अनुभव करना कि मन आपको पकड़ रहा है। तीसरा चरण है, इसके साक्षी हो जाएं। इससे बचने की कोशिश करने या इसमें सम्मिलित होने के बजाए, परिस्थितियों को स्वीकार करने से आपको साक्षी बनने में सहायता मिलती है। इस स्तर पर, आप देख सकते हैं कि चीजें हो रही हैं-आपका मन कल्पनाओं और विचारों से भरा हुआ है और वे मन में आते-जाते रहते हैं।

राम मर्यादा पुरुषोत्तम क्यों ?

श्री राम ने सम्पूर्ण मानवता के लिए सत्यवादिता, अनुशासन और प्रतिबद्धता का आदर्श उदाहरण स्थापित किया । उन्होंने स्वयं एक बहुत ही अनुशासित जीवन जिया। वे एक आदर्श पुत्र, एक आदर्श शिष्य और एक आदर्श राजा थे। उन्होंने जीवन की सभी भूमिकाओं का निर्वहन बहुत अच्छे से किया, इसीलिए उन्हें मर्यादा पुरुषोत्तम कहा जाता है। आज भी यदि कोई ऐसा कार्य है, जिसमें विफलता की कोई संभावना नहीं है, तो उसे रामबाण कहा जाता है। क्या आप जानते हैं, यदि कोई ऐसी दवा है जो बिना किसी असफलता के काम करती है, तो उसे बोलचाल की भाषा में रामबाण कहते हैं। इसलिए, चिकित्सा शब्दावली में बोलचाल की भाषा में इस शब्द का उपयोग बहुत किया जाता है। अन्य संदर्भों में भी, यदि कोई रणनीति 100% प्रभावी है तो उसे रामबाण के रूप में संदर्भित किया जाता है। रामबाण बिना किसी विफलता के लक्ष्य को भेदता है।

क्या है रामराज्य ?

जीवन के उच्च सत्य को प्राप्त करने की दिशा

एक सुव्यवस्थित राज्य को रामराज्य कहा जाता है। रामराज्य का सपना हजारों वर्षों से हमारे साथ रहा है। रामराज्य क्या है? यह एक ऐसा राज्य है जहाँ सभी को न्याय मिलता है, हर कोई समृद्ध है और हर कोई संतुष्ट है। जब समाज में स्वास्थ्य, आनंद, समृद्धि और न्याय प्रचलित होता है, और लोग भौतिक संपत्ति या शत्रुता में उलझने के बजाए जीवन के उच्च सत्य को प्राप्त करने की दिशा में आगे बढ़ रहे होते हैं, तो वह रामराज्य होता है। इस तरह का समाज हमेशा से इस देश के लोगों का सपना रहा है। यही कारण है कि रामराज्य के समाज के वर्णन ने स्वतंत्रता संग्राम के दौरान लोगों को और भी अधिक प्रेरित किया है। भारत को रामराज्य बनाना, महात्मा गांधी का बहुत बड़ा सपना था। उन्होंने श्री राम का नाम लिया और भारत की स्वतंत्रता के लिए राम के नाम से पूरे भारत को एकजुट की।

उस समय ब्रज की गलियों में गूंज रहा था

चतु: विरक्त वैष्णव परिषद के श्रीमहंत फूलडोल बिहारी दास बताते हैं कि राम मंदिर आंदोलन के लिए सन 89 से ही लगातार सक्रिय रहकर हर आंदोलन में अपनी सहभागिता दी है। राम मंदिर आंदोलन के लिए ब्रज क्षेत्र में 1992 के आंदोलन को ब्रज में धार देने के लिए विश्व हिंदू परिषद की ओर से संतों को एकजुट करने की जिम्मेदारी मेरी ही कंधों पर थी।

'बच्चा-बच्चा राम का जन्मभूमि के काम का'

कारसेवा के लिए हजारों की संख्या में संतों के साथ बृजवासियों ने भी किया था अयोध्या कूच

राम मंदिर आंदोलन के लिए 40 दिन की जेल यात्रा भी संघर्ष का एक वह सुनहरा अध्याय था, जिसने राम मंदिर के लिए हमारे संकल्प को और मजबूत करने का कार्य किया। 'बच्चा-बच्चा राम का जन्मभूमि के काम का' के नारे के साथ ब्रज क्षेत्र में आम जनमानस को राम मंदिर आंदोलन से जोड़ने के लिए संतों की टोली बनाकर उस समय वृंदावन, गोवर्धन, नंदगांव, बरसाना, महावन, गोकुल, दाऊजी आदि क्षेत्रों में कार्य को गति प्रदान की थी। सपा सरकार के दौरान छिप-छिपाकर रात में वह राम मंदिर आंदोलन को गति देने का कार्य करते थे। मोतीझील स्थित स्वामी अखंडानंद आश्रम में राम मंदिर आंदोलन के पुरोधा रहे स्वामी वामदेव महाराज के सानिध्य में स्वामी महेशानंद सरस्वती के द्वारा भी राम मंदिर आंदोलन के लिए के लिए उस समय अलख जगाने का कार्य किया गया था। स्वामी महेशानंद सरस्वती बताते हैं कि सपा नेतृत्व वाली प्रदेश सरकार द्वारा उस समय संतों को पुलिस द्वारा नजरबंद कर दिया जाता था। राम मंदिर के लिए हिंदुओं को एकजुट करने के लिए घर-घर जाकर लोगों को जागृत करने का कार्य किया जाता था । अयोध्या में कारसेवा के आह्वान पर वह भी अयोध्या में कारसेवा के लिए निकले थे। इसी दौरान पुलिस ने उन्हें रास्ते में ही गिरफ्तार कर लिया था, लेकिन उन्हें जेल न भेजकर एक स्कूल में नजरबंद करके रखा गया। नाभापीठाधीश्वर महंत सुतीक्ष्ण दास महाराज बताते हैं कि उनके गुरु महंत भगवान दास महाराज के सानिध्य में राम मंदिर आंदोलन के दौरान उन्होंने सक्रिय भूमिका निभाई थी।

अपलक देखिए तो भगवान के श्रीमुख से आनंद 'टपकता' महसूस होता है...

दिव्य, भव्य, अलौकिक होगा रामलला का मंदिर

मैं तो उन्हीं से प्रतिदिन याचना करता था कि हे प्रभु, आप तो दुनिया का कल्याण करते हैं, फिर इस टेंट से आप कब अपने मंदिर में पहुंचेंगे?

आचार्य सत्येंद्र दास
मुख्य पुजारी
श्रीराम जन्मभूमि मंदिर अयोध्या

अयोध्या और मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम अन्योन्याश्रित हैं। इन्हें अलग नहीं देखा जाना चाहिए। मैंने वह दौर भी देखा है, जब रामलला के पास तक पहुंचने में श्रद्धालुओं को बड़े कष्ट झेलने पड़ते थे। एक अस्थायी मंदिर में रामलला विराजमान हुआ करते थे। श्रद्धालु चाह कर भी उन तक नहीं पहुंच पाते थे। मंदिर ही नहीं, अयोध्या बंदिशों में जकड़ी रहती थी। कारण चाहे कुछ भी रहे हों, लेकिन श्रद्धालुओं के साथ ही हम सभी को भी इसकी असह्य पीड़ा हुआ करती थी। यह सोच कर मन कभी-कभी उदास हो जाता था कि हम लोग तो विविध भौतिक संसाधनों के साथ निवास करते हैं, लेकिन हमारे आराध्य टेंट में रहते हैं, बाध्यताएं कुछ इस तरह की थी कि चाह कर भी कुछ नहीं हो पा रहा था। मैं तो उन्हीं से प्रतिदिन याचना करता था कि हे प्रभु, आप तो दुनिया का कल्याण करते हैं, फिर इस टेंट से आप कब अपने मंदिर में पहुंचेंगे। हर बार मन कहता था कि इंतजार कीजिए, जल्द ही यह सपना भी पूरा होगा।

श्रीराम मंदिर, रामलला के विराजमान होने के साथ यह दिव्य, भव्य और अलौकिक दिखेगा। अपलक देखिए तो भगवान के श्रीमुख से आनंद टपकता महसूस होता है। अब श्रद्धालुओं पर आनंद के बारिश के क्षण आने वाले हैं। तीन दशक से भगवान रामलला की सेवा में हूं। भगवान की कृपा को मैं साक्षात अनुभव करता हूं।

पूरा विश्व भगवान रामलला की कृपा से आच्छादित होगा

रामलला को रहने के लिए भव्य मंदिर की कल्पना आज से नहीं, शताब्दियों से की जा रही थी, लेकिन लंबे संघर्ष के बाद भगवान की कृपा हुई। 9 नवंबर 2019 के ऐतिहासिक फैसले के बाद मन को बड़ा सुकून मिला। लगा कि अब हमारे आराध्य को उचित स्थान प्राप्त होगा, हो भी ऐसा ही रहा है। आज भगवान का घर अलौकिक दिखने लगा है। इसका वैभव 22 जनवरी को दमकने लगेगा। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट मंदिर को अलौकिक बनाने के प्रयास में है। पूरी अयोध्या ही नहीं पूरा विश्व भगवान रामलला की कृपा से आच्छादित होगा। श्रीराम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा की तैयारी है। यह सब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रयास का प्रतिफल है। मोदी और योगी जैसा योग्य नेतृत्व कोई नहीं है। मैं तो उम्मीद करता हूं कि आने वाले समय में रामलला के मंदिर के साथ ही अयोध्या एक बार फिर विश्व की पहली नगरी हो जाएगी।

प्रभु श्री राम का अयोध्या और अवंतिका से बहुत गहरा संबंध और यह वनवास मार्ग का सबसे प्रमुख स्थान है

त्रेता युग में 14 वर्ष वनवास के बाद भगवान श्री राम अयोध्या लौटे थे तब कितना उल्हास और उमंग रही होगा, आज फिर वही उल्लास है, उमंग है, भक्ति है, भावना है

अवंतिका, श्रीराम के मर्यादा पुरुषोत्तम राम बनने का और रामराज्य की स्थापना का महत्वपूर्ण सेतु

पंडित महेश पुजारी
महाकालेश्वर मंदिर
उज्जैन

पांच दशक के बाद आज भारत भूमि राममय हो रही है और अयोध्या के साथ देश का सनातनी बच्चा-बच्चा प्रभु श्री राम के आगमन प्रमाण प्रतिष्ठा से आनंदित हो रहा है। प्रभु राम जन जन के मानस में विद्यमान हैं ।

जब आक्रांताओं ने कहर बरपाया तब भी अयोध्या वही थी और सरयू भी वही थी लेकिन आज अयोध्या और सरयू भाव विभोर है, जब भगवान तंबू में थे तब व्याकुलता थी लेकिन आज सभी राम भक्तों में दर्शनों की आतुरता है फिर चाहे मंदिर में पूजन करता पुजारी हो या कतार में लगा भक्त, सड़कों पर चलते लोग हों या ट्रेन, बसों में सफर करते यात्री, नदी में नहाते श्रद्धालु हो सभी में आतुरता देखी जा रही है। अवधेश प्रभु श्री रामचंद्र की प्राण प्रतिष्ठा की तैयारी के बीच भारत भूमि पूर्व से पश्चिम और उत्तर से दक्षिण तक राष्ट्रीय एकात्मकता और समरसता के प्रवाह से युक्त है। आदि कवि वाल्मीकि कृत रामायण और महाकवि तुलसीदास द्वारा रचित रामचरितमानस यह प्रभु राम के शौर्य और आदर्श के साथ विरह के ग्रंथ भी लगते हैं क्योंकि क्रंच वध से विरह की पीड़ा झेलती क्रोंची को देखकर आदि कवि वाल्मीकि श्री नारद जी से रामायण रचने की प्रेरणा का सूत्र पाते हैं, तुलसीदास जी भी अपनी पत्नी के विरह से पीड़ित रहे और जब पत्नी से ही धिक्कार मिला तो रामचरितमानस रच देते हैं।

अयोध्या पहली तो अवंतिका सातवीं मोक्षदायी नगरी

-हमारे धर्म शास्त्रों में सप्त नगरियों का उल्लेख है जो मोक्षदायी मानी गई है जिसमें पहला नाम अयोध्या है और सातवां अवंतिका (उज्जैन)। प्रभु श्री राम का अयोध्या और अवंतिका से बहुत गहरा संबंध है, जिसका धर्म शास्त्रों में उल्लेख स्पष्ट है। अपने वनवास के समय यात्रा मार्ग में जब उज्जैन आया तो उन्होंने शिप्रा के तट पर पिशाच मोचन तीर्थ पर अपने पिता और पूर्वजों के मोक्ष प्राप्ति के लिए श्राद्ध तर्पण किया। इस कारण वह घाट रामघाट कहलाया। वहीं से राम सीढ़ी होते हुए अपने आराध्य कालाधिपति भगवान शिव महाकाल के दर्शन कर आगे बढ़े। भगवान और भक्त एक दूसरे के बिना अधूरे होते हैं, उसी प्रकार यदि प्रभु श्री राम का नाम हो और भक्त शिरोमणी हनुमान जी का नाम न हो, ऐसा हो ही नहीं सकता। क्योंकि हनुमान जी की जैसी भक्ति की पराकाष्ठा किसी में नहीं है, शायद इसलिए श्री राम भी कहते हैं कि हनुमान 'तुम मम प्रिय भरतही सम भाई'।

आदि अंत कोऊ जासु न पावा

अहिरावण और महीरावण प्रभु श्री राम और लक्ष्मण को पाताल लोक ले गया था, तब हनुमान जी ने पाताल लोक जाकर उनका वध कर प्रभु राम और लक्ष्मण को सुरक्षित किया और जब उन्हें पृथ्वी पर लाने के लिए चले तो मार्ग में संशय होने पर अपनी बुद्धि का प्रयोग करते हुए हनुमान जी ने पृथ्वी के नाभि स्थल बाहर आए और पृथ्वी का नाभि स्थल उज्जैन है, अपने आराध्य को सुरक्षित लेकर आने पर हनुमान जी ने नृत्य मुद्रा से अपनी प्रसन्नता प्रकट की। वह स्थान आज भी उज्जैन के अंकपात क्षेत्र में विष्णु सागर पर नृत्याकार हनुमान के नाम से प्रसिद्ध है। उज्जैन में ऐसे कई स्थान हैं, जिनका प्रभु श्री राम से संबंध है। इससे सिद्ध होता है कि हिंदू सनातन धर्म की पहली मोक्षदायी पुरी अयोध्या और सप्तम मोक्षदायी पूरी अवंतिका का अटूट संबंध है। यह प्रभु राम के वनवास मार्ग का सबसे प्रमुख स्थान रहा है। यह श्री राम के, मर्यादा पुरुषोत्तम राम बनने का और राम राज्य की स्थापना का महत्वपूर्ण सेतु है।

सुनत सकल जननीं उठि धाईं। कहि प्रभु कुसल भरत समुझाईं॥
समाचार पुरबासिन्ह पाए। नर अरु नारि हरषि सब धाए॥

भावार्थ:- खबर सुनते ही सब माताएँ उठ दौड़ीं। भरत ने प्रभु की कुशल कहकर सबको समझाया। नगर निवासियों ने यह समाचार पाया, तो स्त्री-पुरुष सभी हर्षित होकर दौड़ पड़े।

श्री राम लला प्राण प्रतिष्ठा

11 हजार धर्माचार्यों के माध्यम से देश के सभी राज्यों में इस आयोजन की तैयारियां

तवांग से लेकर कच्छ और कश्मीर से कन्याकुमारी तक जलेगी श्रीराम ज्योति

आज से 21 दिन तक लगातार कवरेज

रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा: मंदिर कराएगा अखंड रामायण-भंडारा

जिस तलैया के राम मंदिर से अयोध्या के लिए रवाना हुए थे 90 कारसेवक, वहीं 22 जनवरी को होगी भव्य आतिशबाजी

प्राण-प्रतिष्ठा के साथ ही समाज को भी एक नया संदेश देने के लिए

सामाजिक समरसता... जाति नहीं ... राम मंदिर में होंगे 24 पुजारी, 3 ...

1986 में उज्जैन में बजरंग दल के शिविर में तब 22 साल के इस युवा ...

'रामलला हम आएंगे, मंदिर वहीं बनाएंगे'... का ... राजगढ़ के सत्यनारायण मौर्य ने, जो आंदोलन के ...

प्राण प्रतिष्ठा के बाद कुबेर टीला में पूजन, पीएम मोदी के अयोध्या दौरे का शेड्यूल जारी

प्रधानमंत्री सुबह 10.25 बजे पहुंचेंगे, ... दिन तक अयोध्या में 'बाहरियों' की नो एं...

डॉ. चंद्रप्रकाश द्विवेदी ने बनाई है यह फिल्म

12 मिनट 41 सेकंड की शॉर्ट फिल्म में दिखाया 500 साल के संघर्ष को

हरिभूमि न्यूज भोपाल

'श्रीराम जन्मभूमि की विजयगाथा' को एक दिन में मिले 47 लाख व्यूज

किन परिस्थितियों में हो पाया राम मंदिर निर्माण

सात स्थानों पर हो रहा रामायण धारावाहिक का विशेष प्रसारण

देखें...नवनिर्मित राम मंदिर की विशेषताएं

प्राण-प्रतिष्ठा तक केवल एक मंजिल तक ही निर्माण पूर्ण हो पाएगा

हरिभूमि में राम ही राम

जो मुनीस जेहि आयसु दीन्हा। सो तेहिं काजु प्रथम जनु कीन्हा॥
बिप्र साधु सुर पूजत राजा। करत राम हित मंगल काजा॥

मुनीश्वर ने जिसको जिस काम के लिए आज्ञा दी, उसने वह काम (इतनी शीघ्रता से कर डाला कि) मानो पहले से ही कर रखा था। राजा ब्राह्मण, साधु और देवताओं को पूज रहे हैं और श्री रामचन्द्रजी के लिए सब मंगल कार्य कर रहे हैं॥1॥

चामर चरम बसन बहु भाँती। रोम पाट पट अगनित जाती॥
मनिगन मंगल बस्तु अनेका। जो जग जोगु भूप अभिषेका॥

चँवर, मृगचर्म, बहुत प्रकार के वस्त्र, असंख्यों जातियों के ऊनी और रेशमी कपड़े, (नाना प्रकार की) मणियाँ (रत्न) तथा और भी बहुत सी मंगल वस्तुएँ, जो जगत में राज्याभिषेक के योग्य होती हैं, (सबको मँगाने की उन्होंने आज्ञा दी)॥2॥

बुंदेलखंड की अयोध्या में खास तैयारियां

चिराहुलानाथ धाम में दीपोत्सव

प्रयागराज के 21 हजार दीपकों से मनेगा उत्सव

- 20 हजार श्रद्धालुओं के पहुंचने की जताई जा रही संभावना
- अखंड मानस पाठ के समापन के बाद आयोजित होगा भंडारा
- रीवा जिले में स्थित है ऐतिहासिक बजरंगबली का मंदिर

रीवा। अयोध्या में श्री राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के मौके पर 22 जनवरी की शाम मध्यप्रदेश के रीवा जिले के ऐतिहासिक बजरंगबली हनुमान जी के चिराहुलानाथ धाम में दीपोत्सव होगा। रीवा स्थित ऐतिहासिक चिरहुला मंदिर के पुजारी प्रशांत तिवारी ने बताया कि 22 जनवरी की शाम मंदिर प्रांगण में 21 हजार दिये जलाए जाएंगे। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज से दीपक मंगाए गए हैं। चिरहुला मंदिर में पिछले कई दिनों से अखंड मानस का पाठ चल रहा है। मानस के पाठ की समाप्ति 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के साथ ही होगी। अखंड मानस पाठ के समाप्ति के दिन ही विशाल भंडारा मंदिर परिसर में किया जा रहा है। इस मौके पर तकरीबन 20 हजार श्रद्धालुओं के पहुंचने की उम्मीद है।

सतना सेंट्रल जेल में कैदी ने बनाई भगवान राम चंद्र की अलौकिक प्रतिमा

सतना जिले के सेंटर जेल में आजीवन कारावास की सजा काट रहे बंदी ने भगवान रामचंद्र की सुंदर अलौकिक प्रतिमा अपने हाथों से बनाई। केंद्रीय जेल में आजीवन कारावास की सजा काट रहे बंदी विजय सिंह का कहना है कि केंद्रीय जेल में एक पल भी यह महसूस नहीं हो रहा कि हम जेल में बंद हैं। बल्कि ऐसा प्रतीत हो रहा है कि हम भगवान श्री राम की जन्मभूमि अयोध्या में हैं। प्रतिदिन भजन कीर्तन, सुंदरकांड, हनुमान चालीसा का पाठ किया जाएगा। भगवान श्री राम को लेकर केंद्रीय जेल में बंदियों में भी उत्साह दिखाई दे रहा है। 22 जनवरी को जेल का स्टाफ और बंदी मिलकर दिवाली स्वरूप भगवान श्री राम का उत्सव मनाएंगे।

भगवान राम के चरित्र पर आधारित पेंटिंग प्रदर्शनी ने बनाए 3 वर्ल्ड रिकॉर्ड

भोपाल। अयोध्या में 22 जनवरी को होने वाले भगवान श्रीराम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा के तहत इंदौर में एसोसिएशन ऑफ अनएडेड सीबीएसई स्कूल, नगर निगम और इंदौर सहोदय स्कूल ने भगवान राम के जीवन पर आधारित पेंटिंग प्रदर्शनी के जरिए गोल्डन बुक ऑफ रिकॉर्ड, एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड और वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड में नाम दर्ज कराया है। प्रदर्शनी में शहर के 160 स्कूलों के विद्यार्थियों ने पेंटिंग बनाई। प्रदर्शनी में 41 हजार 148 पेंटिंग को प्रदर्शित किया गया। यह प्रदर्शनी भगवान श्रीराम के जीवन, रामायण और रामचरित मानस पर केंद्रित थी। प्रदर्शनी में रामायण के सभी प्रसंगों को पेंटिंग में उकेरा गया था। प्रदर्शनी में 2 हजार विद्यार्थियों और 500 शिक्षकों की सहभागिता रही।

- फूलों और रोशनी से सजा राम दरबार
- भगवान रामलला को लगेगा 56 भोग

ओरछा में बेतवा नदी के कंचना घाट पर जगमगाएंगे एक लाख दीये, प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लाइव टेलीकास्ट के लिए लगाई गईं एलईडी स्क्रीन

हरिभूमि न्यूज भोपाल

अयोध्या में रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा के दिन बुंदेलखंड की अयोध्या यानी ओरछा में खास तैयारियां की गई हैं। ओरछा के श्री राम राजा मंदिर को फूलों और रोशनी से सजाया गया है। भक्तों को मंदिर के बाहर अयोध्या से प्रभु श्रीराम की प्राण-प्रतिष्ठा समारोह के लाइव टेलीकास्ट के लिए बड़ी-बड़ी एलईडी लगाई गई हैं।

यहां पर शुक्रवार-शनिवार दरमियानी रात से अखंड रामायण का पाठ शुरू किया गया है। तो वहीं 22 जनवरी सोमवार को प्रभु श्री रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा के दौरान बुंदेलखंड के संगीत कलाकार इस दौरान भजन संध्या की प्रस्तुति देंगे। ओरछा में मां बेतवा नदी के कंचना घाट पर एक लाख दीपक जलाए जाएंगे। साथ ही घाट पर मां बेतवा मैया की आरती का प्रबंध भी किया गया है। इस दौरान भगवान को 56 भोग लगाया जाएगा। इन सब कार्यक्रमों के बाद श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण किया जाएगा। पूरे नगर में सफाई अभियान स्वच्छ किया गया है। ओरछा मंदिर समिति के सदस्यों के अनुसार 22 जनवरी को अयोध्या में भगवान श्रीराम की प्राण-प्रतिष्ठा का शुभ अवसर पर श्री राम राजा मंदिर में भजन-कीर्तन, पूजा-पाठ, हवन और भंडारे होंगे।

बुंदेलखंड के कलाकार देंगे भजनों की प्रस्तुति

आज राम भक्तों को तिलक लगाकर पिलाएंगे मुफ्त चाय

भोपाल के मानसरोवर कांप्लेक्स के सामने जिगरी टी स्टॉल चलाने वाले अकाश यादव व शुभम वर्मा ने सभी ग्रहकों को 22 जनवरी सोमवार (राम लला की प्राण प्रतिष्ठा वाले दिन) फ्री चाय पिलाने का संकल्प लिया है। वह इस दिन ग्रहाकों को प्री चाय पिलाकर भगवान राम के प्रति अपनी भक्ति को प्रकट करेंगे। जिगरी टी स्टॉल संचालक के आकाश यादव ने बताया कि कुछ दिन पहले इस संबंध में संकल्प लिया था, जिसको लेकर परिजनों को बताया तो उन्होंने सराहना की। राम भक्तों को तिलक लगाकर फ्री चाय पिलाई जाएगी। शुभम वर्मा ने बताया कि रोजाना एक हजार से अधिक ग्राहक चाय पीने आते हैं। इसके लिए दस लीटर अधिक दूध का आर्डर दिया है। विशेष फ्लेवर वाली चाय के साथ 15 किलो से अधिक शक्कर की खरीदी की है।

इधर, बल्लू भी सरयू नदी में स्नान कर पहनेंगे पादुका

दमोह से करीब 35 किलोमीटर दूर बटियागढ़ के रहने वाले बल्लू उर्फ बलराम पांडेय करीब 27 साल अयोध्या रामलला के दर्शन करने गए थे। जब अयोध्या पहुंचे तो प्रभु एक टेंट में विराजमान थे, जिन्हें देख बहुत दुख हुआ और संकल्प लिया कि अयोध्या में रामलला सरकार का जब एक भव्य मंदिर में बैठेंगे, तभी जूते चप्पल पहनूंगा। अब 22 जनवरी 2024 को बलराम पांडेय का संकल्प पूरा होने जा रहा है, इस पावन दिन पर अयोध्या पहुंचकर सरयू नदी में स्नान करने के बाद ही जूते-चप्पल पहनेंगे।

40 साल बाद अयोध्या में ग्रहण करेंगे अन्न व पहनेंगे पादुका

दतिया जिले के मोहन गोपाल दास उर्फ मौनी बाबा का भी संकल्प पूर्ण होगा और वह करीब 40 साल बाद अयोध्या में श्रीराम के जप से अपना मौन तोड़ेंगे। दावा है कि उन्होंने 1980 में संकल्प लिया था कि जब तक राम मंदिर नहीं बन जाता तब तक अन्न ग्रहण नहीं करेंगे। उन्होंने 1984 में मंदिर के लिए चप्पल पहनना भी छोड़ दिया और मौन व्रत धारण कर लिया। तब से वे छोटे चॉक बोर्ड पर लिखकर लोगों को अपनी बात कहते हैं और उनकी बातों का जवाब देते हैं। गोपाल दास उर्फ मौनी बाबा दतिया के प्रसिद्ध अनामय आश्रम पर निवास करते हैं। अब लगभग चार दशक से अधिक समय गुजर जाने के बाद वह शुभ अवसर भी आ गया, जिसके लिए मौनी बाबा तपस्या कर रहे थे। मौनी बाबा ने प्रशासन से साफ कह दिया था कि उन्हें 22 जनवरी को अयोध्या नहीं पहुंचाया तो वे प्राण त्याग देंगे। ऐसे में जिला प्रशासन और समाज के लोग आगे आए और मौनी बाबा को अयोध्या पहुंचाने के लिए पूरी व्यवस्थाएं की। दतिया कलेक्टर संदीप कुमार माकिन ने बताया कि मौनी बाबा के लिए प्रशासन और अन्य लोगों की ओर राशि एकत्रित कर दी गई है और अयोध्या भेजा गया है। जिला प्रशासन द्वारा उनके परिचय पत्र सहित अन्य दस्तावेज भी तैयार कराए गए हैं, ताकि अयोध्या में कार्यक्रम में शामिल होने में उन्हे कोई परेशानी न हो। मौनी बाबा ने यह प्रण अपने गुरु पूज्य संत दामोदरदास मौनी बाबा से लिया था। गुरु शिष्य परंपरा का निर्वहन करते हुए उनके शिष्य मोहन गोपाल दास उर्फ मौनी बाबा ने इस संकल्प को आगे बढ़ाया।

कहि न जाइ कछु नगर बिभूती। जनु एतनिअ बिरंचि करतूती॥
सब बिधि सब पुर लोग सुखारी। रामचंद मुख चंदु निहारी॥

नगर का ऐश्वर्य कुछ कहा नहीं जाता। ऐसा जान पड़ता है, मानो ब्रह्माजी की कारीगरी बस इतनी ही है। सब नगर निवासी श्री रामचन्द्रजी के मुखचन्द्र को देखकर सब प्रकार से सुखी हैं॥

श्री राम लला प्राण प्रतिष्ठा

सभी सनातनियों और भगवान श्रीराम के भक्तों के लिए यह गौरव का क्षण

यह भारत की आत्मा को ही पुनर्जीवित करने का प्रयास

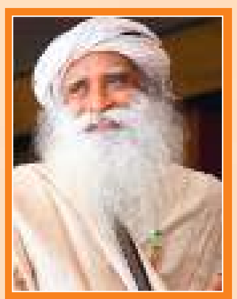

सदगुरु वासुदेव जग्गी महाराज
आध्यात्मिक गुरु

अयोध्या में कल 22 जनवरी को श्री राम मंदिर का उद्घाटन होने जा रहा है। मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा समारोह को लेकर सभी सनातनियों और भगवान श्री राम के भक्तों के लिए गौरव का क्षण है। इसके विपरीत कुछ लोग निरंतर रूप से मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम पर कई तरह की विवादित टिप्पणियां कर रहे हैं। ये लोग भारतवर्ष के ही हैं। सदगुरु ने कहा कि जो लोग मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम पर विवादित टिप्पणिया कर रहे हैं, उन लोगों ने न कभी रामायण पढ़ी है और न ही संस्कृत। न ही इन्हें भारतीय प्राचीन संस्कृति की जानकारी है। भगवान श्री राम जन-जन की आस्था के केंद्र हैं। उन पर अशोभनीय टिप्पणी करना पूर्णतः अनुचित है। प्राण प्रतिष्ठा में सच्चे मन और पूर्ण आस्था से कोई भी व्यक्ति शामिल हो सकता है।

श्री राम ने तमाम मुश्किलों का सामना बहुत ही धैर्य व शिष्टतापूर्वक किया

सच्चे ज्ञान का प्रचार-प्रसार करने के लिए लोगों को आध्यात्म से जुड़ने की बहुत आवश्यकता है कि राम का अनुसरण करना। कोई भी व्यक्ति ब्रह्मचर्य, गृहस्थ, वानप्रस्थ और संन्यास आश्रमों में जीवन व्यतीत कर हर तरह की पूजा कर सकता है। बस उसमें मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम के अपनाए गुण संयमित और संतुलित होने की जरुरत है। राम मंदिर इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यदि हम देश के उत्तरी भाग की बात करें तो राम उनकी आत्मा है। 500 साल पहले विदेशी हमलावरों ने उसे भव्य मंदिर को तोड़कर अपनी इमारत बनाई और फिर प्राचीन काल से ही बुनियादी रुप से यह विवाद बना रहा और करीब 135 साल तक अदालत में मंदिर से जुड़ा यह केस चलता रहा, और करीब तीन चार दशकों से सुप्रीम कोर्ट में केस चला। क्योंकि, कोई भी न्यायाधीश इस पर निर्णय देने से कतराता रहा। आखिरकार इस लंबी प्रक्रिया एवं पुरातत्व के सबूत के आधार पर हजारों वर्षों पुराना मंदिर होने का प्रमाण मिले और अब 22 जनवरी को राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के रुप में भारतीय आत्मा पुनः पुर्नजीतिव होगी। घायल भारतीय आत्मा, मंदिर के रूप में पुनर्जीवित होकर, साकार रूप लेगी इस प्रकार यह मंदिर नहीं बल्कि भारत की आत्मा को पुनर्जीवित करने का प्रयास है।

श्रीराम आस्था और आदर के केंद्र

यह सिर्फ एक धर्म या संप्रदाय से ही जुड़ा नहीं है बल्कि बहुत से अन्य धर्म के लोग भी राम की आराधना करते हैं, उनका अनुसरण करते हैं और राम मंदिर एक प्रकार से भारतीय संस्कृति का अभिन्न अंग हैं या मैं यह कह सकता हूं कि घायल भारतीय आत्मा का पुनर्जीवन पुनः लौटना है। और इस मंदिर निर्माण से बहुत से दिलों दिमाग को ठंडक पहुंची है, दो समुदायों के बीच कई दशकों से बिना मतलब का जो टकराव चल रहा था उसका भी अंत हुआ है और अब घायल भारतीय आत्मा इस मंदिर के रूप में पुनर्जीवित होकर अपना साकार रूप लेगी। सिर्फ हिंदू धर्म के ही नहीं बल्कि अन्य धर्मों के लोगों के आस्थ का केंद्र श्री राम है। क्योंकि मानव रुप में उन्होंनेअपने कर्मों से समाज के समक्ष आदर्श प्रस्तुत किए और वो मर्यादा पुरुषोत्तम कहलाए। भगवान की फोटो तो लोग दीवार पर लगा देते हैं, लेकिन मर्यादा पुरुषोत्तम के आदर्श व जीवन मूल्यों का अनुसरण करते हैं और मुझे नहीं लगता कि श्री राम ने जो दुख संकट झेले हैं वह कोई साधारण मानव झेल सकता है। श्री राम ने जीवन भर अपने जीवन में संयम का पालन किया। भारतीय मानस में श्रीराम का महत्व इसलिए नहीं है क्योंकि उन्होंने जीवन में इतनी मुश्किलें झेलीं बल्कि उनका महत्व इसलिए है कि उन्होंने उन तमाम मुश्किलों का सामना बहुत ही धैर्य व शिष्टतापूर्वक किया। अपने सबसे कठिन क्षणों में भी उन्होंने स्वयं को अत्यंत गरिमापूर्ण रखा। उसके अनंतर वे एक बार भी न तो क्रोधित हुए न उन्होंने किसी को दोष दिया न ही घबराए या उत्तेजित हुए। ऐसे में सम्पूर्ण भारत वर्ष में श्री राम आस्था और आदर का केंद्र है। राम मंदिर उसी आस्था का आधार।

प्राण प्रतिष्ठा का अर्थ है, जीवन शक्ति की स्थापना करना या देवता को जीवन में लाना

गुरु शरण महाराज
पीठाधीश्वर श्री पंडोखर धाम सरकार, दतिया

श्रीराम जन्मभूमि मुक्ति के लिए ली गई सौगंध, किए गए संघर्ष, दिए गए बलिदान सार्थक हो गए

समस्त भारतवासी भगवान राम के भव्य मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर तैयारी कर रहे हैं। भगवान राम का यह मंदिर लगभग तैयार हो गया है और अब बस इंतजार है तो 22 जनवरी का , जहां भगवान राम अभिजीत मुहूर्त में अपने भाइयों के साथ बाल स्वरूप में भव्य मंदिर के गर्भ गृह में विराजेंगे। इस मंदिर में कई बाते हैं, जो इसको अन्य मंदिरों से बेहद खास बनातीं हैं। रामलला के इस भव्य मंदिर को इतिहास और सुविधाओं के संगम के रूप में विकसित किया जा रहा है, जिससे यहां आने पर श्रद्धालुओं को त्रेता युग की परंपराओं और भव्यता का अनुभव हो सकेगा। मध्य प्रदेश के दतिया में भी रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा को लेकर खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। राम मंदिर में रामलला की पूजा रामानंदी परंपरा से होगी। हिंदू धर्म में किसी भी मंदिर में की जाने वाली भगवान की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा का बहुत बड़ा महत्व होता है। प्राण प्रतिष्ठा का अर्थ है, जीवन शक्ति की स्थापना करना या देवता को जीवन में लाना। प्राण प्रतिष्ठा के जरिए मूर्ति में जीवन शक्ति का संचार करके उसे देवता के रूप में बदला जाता है। इसके बाद वो पूजा के योग्य बन जाती है। राम चरित मानस में चैत्र शुक्ल नवमी को जब भगवान राम का प्राकट्य हुआ था। उस समय भी अभिजीत मुहूर्त था। 22 जनवरी को भी पौष शुक्ल अभिजीत मुहूर्त है।

श्रीराम जन्मभूमि पर लगभग 80 बार हमले हुए

करोड़ों रामभक्त सनातन धर्मावलंबियों एवं लाखों कारसेवकों के लिए अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में रामलला की पुनर्प्रतिष्ठा होना अत्यंत गौरवान्वित करने वाला क्षण है, क्योंकि उनके द्वारा खाई गई सौगंध , किए गए सैकड़ों संघर्ष और दिए गए लाखों बलिदान आज सार्थक हो गए हैं। भारत पर मुगलों का आक्रमण सनातनधर्मियों के लिए उनके अस्तित्व पर संकट का समय था, परंतु हमारे पूर्वजों के शौर्य और बलिदानों ने मुगलों के मंसूबों पर पानी फेर दिया। हमारे धर्म, संस्कृति और इतिहास को नष्ट - भ्रष्ट करने के लिए मुगलों ने अनेक आक्रमण किए। उन्होंने हिंदुओं पर अनेक मर्मांतक अत्याचार किए और शस्त्र (तलवार) की दम पर हिंदुओं का ही बड़ी संख्या में धर्म परिवर्तन कराया। मुगल आक्रमणकारी भारत को 'दारुल हरब' से 'दारुल इस्लाम' में परिवर्तित करने के मंसूबे पाले हुए थे। स्वतंत्रता के बावजूद परावर्तित हो गए हमारे ही रक्त संबंधियों में विधर्मियों के खान-पान, रहन-सहन, आदतें और कुसंस्कार आ जाने के कारण आज भी भारत के इस्लामीकरण की मानसिकता बनी हुई है। सनातनियों के सात्विक खान-पान , सोच-विचार और संस्कारों का ही परिणाम है कि हमारे शौर्यपूर्ण संघर्षों से आज भी सत्य सनातन धर्म की ध्वजा पताका अखिल विश्व में लहरा रही है। हमारी आध्यात्मिक चेतना और शक्ति के आधार बिंदुओं अर्थात हमारी श्रद्धा, आस्था और विश्वास के प्रतीक मानबिंदुओं को मुगलों ने समय-समय पर नष्ट करने के अनेक प्रयास किए। 16 वीं शताब्दी के पूर्वार्द्ध में मुगल सम्राट बाबर ने अपने सेनापति मीर बाकी को हिंदुओं की अगाध श्रद्धा के शक्तिकेंद्र अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर पर आक्रमण करने का आदेश दिया। फलतः मीर बाकी ने 1528 ईस्वी में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर पर अपनी सेना के साथ आक्रमण कर दिया और सनातनियों के प्रतिकार के बावजूद बाबरी सेना ने मंदिर को तोड़ दिया और उसी स्थान पर आनन-फानन में तोड़ दिए गए मंदिर के मलबे से ही मस्जिद बनाने का नाकाम प्रयास किया।

दिसंबर 1949 की रात प्रकट हुआ था अलौकिक प्रकाश पुंज

दिसंबर 1949 में एक रात अयोध्या स्थित राम जन्मभूमि में एक अलौकिक और दिव्य तेज प्रकाश पुंज देखा गया, जिसके साक्षी वहां के स्थानीय हिंदू-मुसलमान रहवासी हैं। इस घटना के घटित होते ही रामलला के प्रकट होने का समाचार जंगल में आग की तरह चहुं ओर तीव्रता से फैल गया। तत्कालीन मुख्यमंत्री गोविंद बल्लभ पंत के आदेश पर विवादित स्थल पर लोहे के सरियों वाला दरवाजा लगाकर उस पर ताला मढ़ दिया गया और प्रशासन ने इस स्थान को अपने कब्जे में ले लिया, परंतु नित्य पूजन आरती को बाधित नहीं किया गया। इसके बाद से ही यह मामला अदालती वाद परिवाद में उलझता रहा। 6 दिसंबर 1992 की निर्णायक कारसेवा करते हुए कारसेवकों ने अपने प्राणों की परवाह न करते हुए एक बार फिर विवादित ढांचे पर भगवाध्वज फहरा दिए और अपने पराक्रम से बाबरी कलंक रूपी ढांचे को हमेशा के लिए ध्वस्त कर दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के शिलान्यास करते ही पूर्णता को प्राप्त हो रही थी और आज भव्य मंदिर में श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के साथ ही वह सौगंध भी पूर्ण हुई। भारत की आध्यात्मिक शक्ति और शौर्य गाथा विश्व में अमर हो गई है और भारत में रामराज्य की पुनर्स्थापना का मार्ग प्रशस्त हो गया है।

22 जनवरी किसी एक धर्म का नहीं, बल्कि संपूर्ण भारतीय समाज का महापर्व और विजय दिवस

अवधेशानंद जी महाराज
अध्यात्मिक गुरु

राम चरित मानस में चैत्र शुक्ल नवमी को जब भगवान राम का प्राकट्य हुआ था, उस समय भी अभिजीत मुहूर्त था

भारतीय संस्कृति के लिए अनुपम उत्सव भारतवर्ष गौरव की अनुभूति से सराबोर

आज संपूर्ण भारत आल्हादित है, उल्लासित है। धरा पर उल्लास के फूल खिल रहे हैं। आज संपूर्ण भारतवर्ष गौरव की अनुभूति से सराबोर है क्योंकि वो अवसर आ गया जब राम लला अपने मंदिर में विराजित होंगे, 22 जनवरी राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा की वह शुभ घड़ी आ गई है जिसकी हमें बरसों से आस थी। हम कभी सपने में भी नहीं सोच पा रहे थे कि हमारा राम मंदिर से जुड़ी वह आस्था अब साकार रूप लेगी। विदेशों में बसे भारतीयों के लिए भी अद्भुत आलौकिक दिवस है। मंदिर निर्माण के पीछे न जाने कितने संघर्ष हुए, कितने बलिदान हुए, कितने आंदोलन हुए। मैंने तो 7 अक्टूबर 1984 का भी वह समय देखा है जब संत समाज वहां पहुंचा था, फिर राम लला को ताले से बाहर लाने के जो प्रयास हुए, कार सेवकों से जो अमानवीय अत्याचार हुए। इन सभी अत्याचारों का हल सुप्रीम कोर्ट ने हमें न्याय प्रदान करके दिया। मैं तो यूं कहूंगा कि 22 जनवरी न केवल भारत में रह रहे, बल्कि विदेशों में बसे भारतीयों के लिए भी अद्भुत आलौकिक दिवस है। यह भारतीय संस्कृति के लिए एक अनुपम उत्सव है।

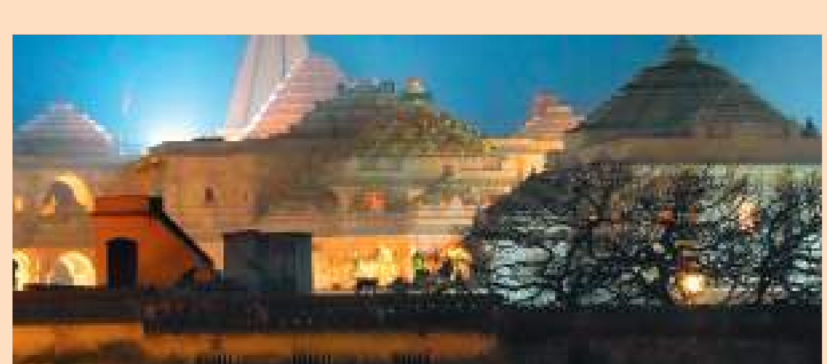

कार सेवकों का संघर्ष- बलिदान खाली नहीं गया

मंदिर निर्माण की हमारी आस्था आज साकार प्रतीत हुई क्योंकि हमें विश्वास था कि एक न एक दिन हमारी विजय होगी और इस मंदिर निर्माण के लिए कई संगठन खड़े हुए। विश्व हिंदू परिषद, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अंतर्गत भी और आज सबका प्रयास सार्थक प्रतीत होता दिख रहा है। कार सेवकों का संघर्ष, उनका बलिदान खाली नहीं गया, आज संपूर्ण भारतवर्ष राममय हो गया। पूरे राष्ट्र की चेतना में राम मुखर होकर जीवंत प्रतीत हो रहे हैं। चैतन्य में कण कण में राम की कल्पना का अभिव्यक्त रूप देखने को मिल रहा है। संपूर्ण भारतीय समाज का महापर्व है 22 जनवरी। श्री राम मंदिर का निर्माण ऐसे ही नहीं हो गया, कई दशकों की कानूनी लड़ाई लड़ी, साक्ष्य रखे, खुदाई हुई, प्रमाण मिले और आखिरकार विजय सत्य की हुई। क्योंकि, मर्यादा पुरुषोत्तम राम का जीवन मूल्य ही है असत्य पर सत्य की जीत। वर्तमान में भी न्यास बनाया है, सभी को प्राण प्रतिष्ठा समारोह में आमंत्रित किया है, क्योंकि 22 जनवरी किसी एक धर्म का नहीं, बल्कि संपूर्ण भारतीय समाज का महापर्व है, विजय दिवस है और सभी विवादों का अंत है। विशालकाय बाधाओं का, समस्याओं का भी समाधान हुआ है। लेकिन, हम उन बलिदानों को भी नहीं भूल सकते, जिन्होंने राम लला को संपूर्ण जगत में मंदिर में विराजित होने में आहुति दी है।

राम मंदिर निर्माण की ज्वाला हर भारतीय के सीने में धधक रही थी

अब उच्चतम सर्वोत्तम श्री राम उपलब्ध होंगे उनके स्वयं के मंदिर में। श्री राम मंदिर निर्माण के लिए कानूनी लड़ाई मुझे अंत हीन लगती थी, आखिरकार कोर्ट का फैसला आया, भूमि पूजन हुआ और अब प्राण प्रतिष्ठा का वह अवसर है, जिसकी आस लाखों आंखें बरसों से लगाए रखी थीं। जब 1528 में भव्य मंदिर को ध्वस्त करके विवादित ढांचा खड़ा कर दिया था तभी से हिंदुओं की आत्मा कौंध रही थी और तभी से राम मंदिर निर्माण की ज्वाला हर भारतीय के सीने में धधक रही थी। आज मेरी आंखों में वही पुराने संघर्ष के दिन याद आते हैं, 1983 से में हिंदू जागरण मंच से जुड़ा और 1984 तक संघर्ष की यात्रा का साक्षी बना। हम जानते थे कि मंदिर निर्माण होगा, उस क्षण हमने शपथ ली थी कि राम लला को उनके मंदिर में उनके स्थान पर विराजित करेंगे, लेकिन यह नहीं पता था कि हम उस भव्य व आलौकिक क्षण के साक्षी भी बन पाएंगे। आज मंदिर निर्माण और प्राण प्रतिष्ठा के रूप में वो अवसर आ गया।

एक समय सब सहित समाजा। राजसभाँ रघुराजु बिराजा॥
सकल सुकृत मूरति नरनाहू। राम सुजसु सुनि अतिहि उछाहू॥

एक समय रघुकुल के राजा दशरथजी अपने सारे समाज सहित राजसभा में विराजमान थे। महाराज समस्त पुण्यों की मूर्ति हैं, उन्हें श्री रामचन्द्रजी का सुंदर यश सुनकर अत्यन्त आनंद हो रहा है

श्री राम लला प्राण प्रतिष्ठा

हिंदू धर्म दर्शन के नए आयाम लीलाओं से ही निकलते रहे हैं

पूरे विश्व में फहरेगी त्रेता की तरह अयोध्या की कीर्ति पताका

श्रीराम सर्वव्यापी हैं, अयोध्या उनका धाम है। श्रीराम घनब्रह्म हैं, पर अयोध्या उन्हें गढ़ती है, संस्कार देती है, मर्यादा और आचरण सिखाती है। यह अयोध्या की मिट्टी में है। अब रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद एक बार फिर धर्म, संस्कृति, संस्कार का प्रभाव पूरे विश्व पर पड़ना स्वाभाविक है। श्री हरि विष्णु के अवतार मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम जीवन के हर पहलू को जीते रहे हैं और नए आदर्श गढ़ कर मानव को प्रेरित करने का संदेश देते हैं। अयोध्या उनकी जन्मस्थली है। इन दिनों यहां उत्सव है। मंदिर-मंदिर, घर-घर श्रीराम और रामलला ही हैं। आनंदमग्न अयोध्या नए परिवेश में उनकी लीला की साक्षी बन रही है।

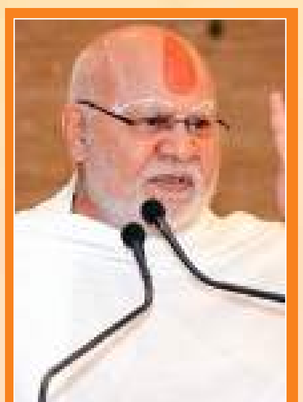

ज्ञान दास जी
(अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के पूर्व अध्यक्ष व हनुमानगढ़ी सागरिया पट्टी के महंत, अयोध्या धाम)

श्रीराम पदयात्रा करते हैं। कदम-दर-कदम चेतना के उर्ध्वगामी होने का एहसास कराते हैं। यह तो नारायण की लीला है। श्रीराम की मर्यादा अक्षुण्ण है। क्षरण उसे छूता नहीं। मर्यादा, संस्कार से आबद्ध है। यही तो रामलला और अयोध्या की विशेषता रही है। अयोध्या का भूगोल भले ही बदला हो लेकिन इतिहास यथावत है। यह अलग बात है कि काल के थपेड़ों में अयोध्या की मूल सांस्कृतिक विरासत प्रभावित हुई। ऐसा शायद नियति को मंजूर रहा हो। हिंदू धर्म दर्शन के नए आयाम लीलाओं से ही निकलते रहे हैं। वर्तमान भी इसका साक्षी हो रहा है। श्रीराम के नाम में ही वह ओज है, जो आकर्षित करता है। यह आकर्षण काल से परे है। राम की सर्वव्यापकता बढ़ती ही गई है। कलियुग में इसका प्रभाव और भी बढ़ा।

अयोध्या अचल है, पर इसके संस्कार चलायमान रहे। संस्कार पीढ़ी- दर-पीढ़ी आगे बढ़ते रहे। अयोध्या में संस्कारों का सृजन कोई एक दिन में नहीं हुआ होगा। इसमें भी सदियां लगीं होंगी। एक बार फिर जंबूद्वीप की अयोध्या और रामलला सबकी जुबान पर है। श्रीराम का मंदिर बन रहा है। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा होने वाली है। अयोध्या स्वयं को गौरवान्वित महसूस करती है। श्रीराम अयोध्या में हर क्षण विद्यमान रहते हैं। यहां के कण-कण में उनका एहसास है। वह मानव हृदय के राम हैं। अब एक बार फिर लोक के राम की प्रतिष्ठा की जा रही है। अयोध्या पिछली कई शताब्दियां उपेक्षित रही। उपेक्षा ने क्षरण को मौका दिया। मर्यादा से संस्कार तक, व्यवहार से आचरण तक, लोकमंगल की भावना के साथ सकारात्मक ऊर्जा सृजन की धारा क्षरित हुई थी। लोक में राम की प्रतिष्ठा एक बार फिर होने जा रही है। अयोध्या की पहचान अट्टालिकाओं से नहीं होती। पहचान यहां के संस्कार, संस्कृति और अध्यात्म से होती है, जो पूरे जंबूद्वीप को अयोध्या की ही देन है। संस्कार की दृष्टि से इसकी अलग अहमियत है। यह चिंतन का विषय है। संस्कार और तपस्या बढ़ेगी तो मर्यादाओं के भंग होने का खतरा समाप्त होगा। अयोध्या के जरिए लोक में राम की प्रतिष्ठा के साथ इस पर गंभीर चिंतन होना चाहिए। रामनाम इसका आधार हो सकता है। राम के मर्यादा पुरुषोत्तम स्वरूप का गान संबल दे सकता है। लगभग तीन किलोमीटर की परिधि वाली जंबूद्वीप में रामलला की अयोध्या को इसी दृष्टि से देखा जाना चाहिए। तपस्या मिट्टी के ताप को बदल देती है। यह उर्ध्वगामी होती है तो संस्कार से संस्कृति और मर्यादा तक शिखर की ओर अग्रसर हो जाते हैं। मानवता आह्लादित होने लगती है। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद अयोध्या तो बदलेगी ही पूरे विश्व को इसका लाभ मिलेगा।

लोक में राम की प्रतिष्ठा एक बार फिर होने जा रही है। अयोध्या की पहचान अट्टालिकाओं से नहीं होती। पहचान यहां के संस्कार, संस्कृति और अध्यात्म से होती है, जो पूरे जंबूद्वीप को अयोध्या की ही देन है।

भगवान राम के वनवास के दौर का साक्षी है मध्यप्रदेश

समन्वयवाद की विराट चेतना का नाम श्रीराम

राम सिर्फ एक नाम ही नहीं है।। राम भारत की सांस्कृतिक विरासत हैं। भगवान श्रीराम सनातन धर्म की पहचान हैं। भारतीय समाज में मर्यादा, आदर्श, विनय, विवेक, लोकतांत्रिक मूल्यों और संयम का नाम श्रीराम है। भगवान श्रीराम सबके आदर्श हैं, श्रीराम ने समाज को एकता के सूत्र में पिरोने का कार्य किया, आसुरी शक्तियों के संहार हेतु समाज की संग्रहित शक्ति प्रयोग करने उन्होंने आने वाली पीढ़ियों को एक संदेश दिया। भगवान राम व निषादराज की मित्रता, केवट को गले लगाना, शबरी के जूठे बेर खाना हमें आज भी समाजिक एकता का संदेश देती है। भगवान राम ने अपने वनवास के समय प्रत्येक कदम पर अंतिम व्यक्ति को गले लगाया। जो व्यक्ति संयमित, मर्यादित और संस्कारित जीवन जीता है, निस्वार्थ भाव से उसी में मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के आदर्शों की झलक परिलक्षित हो सकती है। श्रीराम ने वशिष्ठ को शास्त्र गुरु, विश्वामित्र को शस्त्र गुरु, अगस्त्य को मंत्र गुरु बनाकर जोड़ा। राजा दशरथ, जनक, परशुराम, केवट, निषाद, शबरी, सुग्रीव, विभीषण सभी को एक सूत्र में जोड़ दिया। इस तरह से समन्वयवाद की विराट चेतना का नाम श्रीराम है।

साढ़े ग्यारह साल श्रीराम ने चित्रकूट में बिताए

भगवान राम माता सीता और भाई लक्ष्मण के साथ जब 14 वर्ष के वनवास के लिए अयोध्या से निकले थे, तब उन्होंने देश के कई स्थानों की यात्रा की थी। वनवास काल के दौरान भगवान राम उत्तर भारत, मध्य भारत और दक्षिण भारत के कई स्थानों पर रुके और कई ऋषि मुनियों से मिले थे। वनवास काल के दौरान मध्य प्रदेश के कई स्थलों में भी भगवान राम के आगमन और रुकने के प्रमाण मिलते हैं। भगवान श्रीराम ने वनवास के दौरान 14 वर्ष में से सबसे ज्यादा करीब साढ़े ग्यारह वर्ष का समय चित्रकूट में बिताया। चित्रकूट की वनवास स्थली प्रभु भी राम की नहीं, वरन भगवान शंकर की प्रकट स्थली के लिए जानी जाती है। भगवान राम का जन्म अयोध्या में हुआ था, जिसका अर्थ है वह स्थान जहां कोई युद्ध नहीं हो सकता। जब मन में कोई द्वंद्व नहीं होता तो प्रकाश का उदय होता है। आज 500 साल बाद अवध में भगवान श्रीराम के विराजमान और प्राण-प्रतिष्ठान का महोत्सव है।

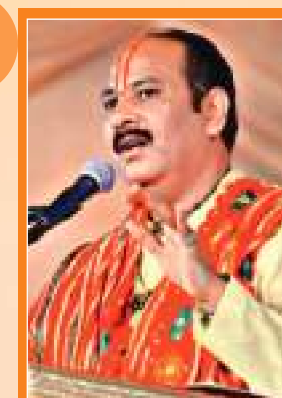

पंडित प्रदीप मिश्रा
अंतर्राष्ट्रीय कथा वाचक

चित्रकूट में ही भगवान राम की अत्रि ऋषि से भेंट हुई थी

देश में एक तरफ अयोध्या में भगवान श्रीरामलला की प्राण-प्रतिष्ठा का उत्सव चल रहा है, वहीं दूसरी ओर मध्य प्रदेश की नई सरकार राम वन गमन पथ के निर्माण को अपनी पहली प्राथमिकता बताई है। सीएम मोहन यादव सरकार ने प्रदेश की सबसे बड़ी आध्यात्मिक परियोजना श्री राम वन गमन पथ पर ध्यान केंद्रित किया है। सीएम मोहन यादव ने प्रदेश के वरिष्ठ अफसरों के साथ चित्रकूट में श्री राम वन गमन पथ न्यास आदि को लेकर तैयारियां की हैं। वनवास काल के दौरान यमुना नदी को पार कर भगवान राम सबसे पहले चित्रकूट पहुंचे थे। चित्रकूट का कुछ हिस्सा उत्तर प्रदेश तो कुछ हिस्सा मध्य प्रदेश में आता हैं। यहां भगवान राम ने वनवास काल के दौरान कई साल गुजारे थे। कहा जाता है कि चित्रकूट में ही भगवान राम अपने भाई भरत से मिले थे। राजा दशरथ की मृत्यु का समाचार लेकर भरत चित्रकूट में आए थे और भगवान राम को वापस अयोध्या चलने के लिए उन्हें मनाया था। भगवान राम के साथ न चलने पर भरत ने भगवान की चरणपादुका इसी स्थान पर उनसे ली थी। सतना जिले के पास चित्रकूट में ही भगवान राम की अत्रि ऋषि से भेंट हुई थी। मंदाकिनी नदी के किनारे बसा चित्रकूट हिंदुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र है। कर्वी, सीतापुर, कामता, खोही और नया गांव के आस-पास का वनक्षेत्र चित्रकूट के नाम से विख्यात है। कामदगिरी पर्वत, सीतापुर, हनुमानधारा, कामतानाथ मंदिर यहां के प्रमुख स्थलों में शामिल है।

संपूर्ण समाज हमारा अपना परिवार, कहीं कोई भेदभाव नहीं

श्रीराम का मंत्र

भगवान राम ने अपने वनवास काल में समाज को एकता के सूत्र में पिरोने का काम पूरे कौशल के साथ किया। समाज की संग्रहित शक्ति के कारण ही भगवान राम ने आसुरी प्रवृति पर प्रहार किया। समाज को निर्भयता के साथ जीने का मार्ग प्रशस्त किया। इससे यही शिक्षा मिलती है समाज जब एक धारा के साथ प्रवाहित होता है तो कितनी भी बड़ी बुराई हो, उसे नत मस्तक होना ही पड़ता है। सीधे शब्दों में कहा जाए तो संगठन में ही शक्ति है। इससे यह संदेश मिलता है कि हम समाज के साथ कदम मिलाकर नहीं चलेंगे तो हम किसी न किसी रुप में कमजोर होते चले जाएंगे और हमें कोई न कोई दबाता ही चला जाएगा। संपूर्ण समाज हमारा अपना परिवार है। कहीं कोई भेदभाव नहीं है। जब इस प्रकार का भाव बढ़ेगा तो स्वाभाविक रुप से हमें किसी भी व्यक्ति से कोई खतरा भी नहीं होगा। आज समाज में जिस प्रकार के खतरे बढ़ते जा रहे हैं, उसका अधिकांश कारण यही है कि समाज का हिस्सा बनने से बहुत दूर हो रहे हैं। अपने जीवन को केवल भाग-दौड़ तक सीमित कर दिया है। यह सच है कि व्यक्ति ही व्यक्ति के काम आता है। यही सांस्कृतिक भारत की अवधारणा है।

श्री राम घनब्रह्म कहे जाते हैं, अर्थात ब्रह्म स्वरूप में प्राप्ति के लिए मार्ग कोई भी अपनाया जा सकता है

किसी भी रूप में भक्त शरणागत हुआ तो कृपा का पात्र बन जाता है

महंत जगदीश दास
मुख्य पुजारी
श्री रघुनाथ दासजी की बड़ी छावनी, अयोध्या

रामलला की नगरी अयोध्या, वैराग्य और आध्यात्मिक शक्ति का केंद्र है। एक सामान्य व्यक्ति के लिए वैराग्य और आध्यात्मिक शक्ति में अंतर होता है, लेकिन ज्ञान, भक्ति और वैराग्य के बीच गोता लगाने वाले संत, साधक और सन्यासियों के लिए इनमें कोई अंतर नहीं है। यह दोनों एक दूसरे को पोषित करने वाले हैं। वैराग्य का चरम आध्यात्मिक शक्ति का जागरण कहा जाता है।

लौकिक जगत में वैराग्य को देवताओं की और शक्ति को देवियों की कृपा के रूप में व्याख्यायित किया जाता है। इसे प्राप्त करने के लिए अलग-अलग मार्ग हमारे ऋषि, मुनियों ने दिखाए हैं। अयोध्या में भगवान श्रीराम व माता सीता इनके प्रतीक हैं, जिनकी कृपा से लौकिक कामनाओं से मुमुक्षु तक की यात्रा इन मार्गों से पूरी होती है। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा कल 22 जनवरी को होगी। अयोध्या के साथ पूरे विश्व में उत्सव का माहौल है। इस उत्सव के पीछे मानव की वह अभिलाषा है, जो जीवन का अंतिम लक्ष्य होती है। यह लक्ष्य राम कृपा है। भक्ति से आनंद तक की इस यात्रा का अंतिम पड़ाव प्राप्त होने पर जो आनंद किसी को प्राप्त होता है। इस समय कुछ वैसा ही अयोध्या में दिखाई पड़ता है।

सनातन के केंद्र अयोध्या में यूं तो भगवान के आराधना की विभिन्न पद्धतियां प्रचलित हैं। अयोध्या के मठ-मंदिर रूपी आध्यात्मिक केंद्र इसके वाहक हैं। मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम की कृपा प्राप्ति के लिए कहीं सखा भाव से इनकी आराधना की जाती है तो कहीं दूल्हा सरकार तो कहीं शिष्य भाव से भी इनकी आराधना की जाती है। दयालुता ऐसी है कि किसी भी रूप में भक्त शरणागत हुआ तो कृपा का पात्र बन जाता है। मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम घनब्रह्म कहे जाते हैं, अर्थात ब्रह्म स्वरूप में प्राप्ति के लिए मार्ग कोई भी अपनाया जा सकता है। हमारे शास्त्रों में शिव और शक्ति की आराधना का प्राविधान है। अयोध्या में भी रामलला के विराजमान होने के साथ ही एक नए परिवेश का सृजन होगा। यूं तो अयोध्या में शक्ति की पूजा के भी कई स्वरूप हैं। माता जानकी कहीं सखी भाव से आराध्या हैं तो कहीं माता लक्ष्मी और किशोरीजी के रूप में आराधना की जाती है। अयोध्या की अंतर्धारा में यह बात सुनी जा सकती है कि भगवती किशोरीजी का अपने भक्त को मुमुक्षु प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका होती है। वह भगवान श्री राम और अपने चरणों में समर्पित भक्तों के लिए स्वयं श्री हरि से मोक्ष प्रदान करने की याचना करती हैं।

भले ही अब विश्व में सैकड़ों देश हो गए हों पर अयोध्या को पहला देश और पहली राजधानी कहा जा सकता है

अयोध्या... जिसने दुनिया को सभ्यता दी, संस्कार दिए जीवन जीने की कला दी, जीवन समझने का अवसर दिया

लल्लू सिंह
सांसद, अयोध्या

आदि नगरी अयोध्या भूखंड भर नहीं है। यह रामलला का जन्म स्थान है। यह ऐसा पवित्र स्थल है, जिसने दुनिया को सभ्यता दी, संस्कार दिए, जीवन जीने की कला दी, जीवन समझने का अवसर दिया, जीवन का दर्शन बताया और जीवन के चरम का मार्ग भी दिखाया।

इसके पीछे योगीराज भरत की तपस्या और मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम का रामराज्य है। अयोध्या अपने आप में पूरे विश्व को समेटे है। सभ्यता की श्रृंखला यहीं से आगे बढ़ी। इसके क्रमिक विकास में आज भी अयोध्या को रेखांकित किया जाता है। इसके पीछे कारण केवल अयोध्या का धार्मिक महत्व ही नहीं है, बल्कि सृजन की परिपाटी भी है, जो नए परिवेश में नई रचना गढ़ती रही है। अयोध्या में अतीत में घटी वह घटनाएं भी हैं, जो मानव सभ्यता के आदि बिंदु से जुड़ती हैं, इसे पुष्ट करती हैं, इसका दिग्दर्शन कराती हैं,अहसास कराती हैं कि सभ्यता का जो मूल केंद्र बिंदु है, वह अयोध्या ही है। भले ही अब विश्व में सैंकड़ों देश हो गए हों लेकिन अयोध्या को पहला देश और पहली राजधानी कहा जा सकता है। स्वाभाविक है कि आज वैश्विक स्तर पर जो कुछ भी दिख रहा है, उसके मूल में कहीं न कहीं अयोध्या सतत चलायमान है। यह अलग बात है कि काल और परिस्थितियों के साथ परिवर्तन के प्रभाव में स्वरूप बदल गया हो। भारतीय धर्म-दर्शन और आर्ष ग्रंथों में अयोध्या को लेकर जो कुछ भी दृष्टव्य है, अयोध्या वास्तव में उससे भी ज्यादा चिंतन के लिए थाती समेटे हुए है।

अयोध्या फिर अपने त्रेतायुगीन स्वरूप में लौट रही

लगभग पांच सौ साल के संघर्ष के बाद हम सब को सौभाग्य का दिन प्राप्त हुआ है, जब भगवान रामलला अपने मंदिर में पूरे वैभव के साथ विराजेंगे। अयोध्या फिर अपने त्रेतायुगीन स्वरूप में लौट रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में अयोध्या का वैभव दिखने लगा है। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ स्वयं अयोध्या के वैभव को पुनर्स्थापित करने के लिए कृत संकल्पित हैं। रामलला का प्राण प्रतिष्ठा समारोह कल 22 जनवरी को है। यह महज एक कार्यक्रम भर नहीं है। विश्व स्तर पर परिवर्तन का द्योतक है, जिसके कुशल शिल्पी प्रधानमंत्री स्वयं हैं। प्राण प्रतिष्ठा में वह स्वयं अयोध्या पहुंच रहे हैं। व्यस्तताओं के बावजूद वह 11 दिन के अनुष्ठान पर हैं। इसका प्रभाव पूरी दुनिया की संस्कृति, संस्कार और अध्यात्म पर पड़ेगा। अयोध्या का सेवक होने के नाते मैं यह बताना भी चाहूंगा कि अब तक अयोध्या को वैश्विक धार्मिक पर्यटन नगरी, वैदिक सिटी बनाने के लिए जो भी आग्रह किया गया, उसे सहर्ष स्वीकृति मिली। अयोध्या अब अपने नए स्वरूप में दिखनी शुरू हो गई है।

अयोध्या विश्व सभ्यता के शिखर पर विराजमान

सृष्टि की रचना के साथ प्रतिष्ठित हुई अयोध्या में मानव निवास शुरू हुआ तो मानवीय गुणों के साथ संस्कार और संस्कृति व अध्यात्म का भी बीजारोपण हो गया। सृष्टि के विस्तार के साथ एक से अनेक द्वीप बने। मानव सभ्यताएं इन पर विकसित हुईं। इनका जुड़ाव अयोध्या वाले जंबू द्वीप से रहा। संस्कृति, संस्कार और अध्यात्म अयोध्या से निःसृत होकर दूसरे द्वीपों तक पहुंचता रहा। अयोध्या उन्हें प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष पोषित करती रही। धर्म ग्रंथों में यदा-कदा इसके उद्धरण मिलते हैं। एक समय ऐसा था, जब पूरी धरती पर सांस्कृतिक रूप से प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष अयोध्या का ही शासन रहा है। वास्तव में अयोध्या सकारात्मक ऊर्जा का सदैव से केंद्र रही है। सृष्टि के पालनकर्ता श्री हरि इसके मूल में हैं। उनके निवास स्थल को स्वाभाविक रूप से प्रकृति की सभी शक्तियां पोषित करती हैं। इसलिए, भी अयोध्या विश्व सभ्यता के शिखर पर विराजमान रहती आई है।

जासु बिरहं सोचहुँ दिन राती। रटहुँ निरंतर गुन गन पांती॥
रघुकुल तिलक सुजन सुखदाता। आयउ कुसल देव मुनि त्राता॥

भावार्थः- जिनके विरह में आप दिन-रात सोच करते (घुलते) रहते हैं और जिनके गुणसमूहों की पंक्तियों को आप निरंतर रटते रहते हैं, वे ही रघुकुल के तिलक, सज्जनों को सुख देने वाले और देवताओं तथा मुनियों के रक्षक राम सकुशल आ गए।

श्री राम लला प्राण प्रतिष्ठा

तीन सौ वर्ष पुराना मंदिर, सौ वर्षों से हो रहे पाठ

रामभक्त हनुमान का एक मंदिर ऐसा..जहां भंडारे के लिए दो साल तक की है वेटिंग

भंडारे के लिए 2025 तक हो चुकी है एडवांस बुकिंग

हरदा मार्ग पर बना मंदिर शांति का बड़ा केंद्र

नर्मदापुरम। नर्मदापुरम के सिवनी मालवा में रामभक्त हनुमान का एक मंदिर ऐसा है जहां भक्तों की अटूट आस्था है। यहां भक्त विशेष पूजन-अनुष्ठान के साथ भंडारे का आयोजन भी करते हैं। यहां भंडारे में भागीदारी सौभाग्य की बात मानी जाती है। भंडारों की संख्या इतनी की भक्तों को 2-2 साल तक वेटिंग का सामना करना पड़ता है। संकटमोचन हनुमान मंदिर में भंडारा करवाने के लिए साल 2025 तक की एडवांस में बुकिंग हो चुकी है। स्टेट हाईवे नर्मदापुरम हरदा मुख्य मार्ग पर बने संकटमोचन हनुमान मंदिर में आने वाले साधकों को अप्रतिम शांति की अनुभूति होती है। संकटमोचन हनुमान मंदिर में कोई भी भक्त शुभकार्य करने से पहले और कार्य संपन्न होने के बाद दादा के दर्शन कर आशीर्वाद लेना नहीं भूलते। मंदिर के पुजारी संतोष शास्त्री ने बताया कि यहां भंडारा कराने वालों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। प्रतिवर्ष मंदिर के पटल पर सूची चस्पा कर दी जाती है। बताया कि वर्ष 2025 तक, मंगलवार और शनिवार के दिन भंडारा कराने की सभी तिथियां एडवांस में बुक हो गई हैं।

नर्मदापुरम में जगदीश मंदिर के समीप श्री खेड़ापति हुनमान मंदिर का इतिहास तीन सौ वर्ष पुराना बताया जाता है। किवदंती है कि यहां श्रीराम के परम भक्त हनुमान की प्रतिमा स्वयं ही प्रकट हुई थी। सिद्ध माने जाने वाले हनुमान जी के इस मंदिर में पूरे नर्मद्मपुरम वासियों की आस्था है। पुरातन इस मंदिर में करीब सौ वर्षों से हनुमान जी की आराधना के लिए अखंड रामायण पाठ, मंगलवार शनिवार को सुंदरकांड पाठ होता है। जिसमें सैंकड़ों भक्त हिस्सा लेते हैं। मंदिर के पुजारी गप्पी महाराज बताते हैं कि जो भक्त हनुमान जी महाराज से मनोकामना मांगता है वह पूरी होती है। 22 जनवरी को मंदिर में सुबह प्रभात फेरी, पूजन, अभिषेक, प्रसादी वितरण होगा। इसी दिन भगवान रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा के चलते 2100 दीपक जलाएं जाएंगे।

हनुमान की प्रतिमा स्वयं ही प्रकट हुई थी

पूजन के लिए भक्तों की लंबी लगती हैं कतारें दूर-दूर से आते हैं भक्त

श्रीराम भक्त हनुमान के हुए हैं कई चमत्कार

दूर-दूर से मनोकामना लेकर आते हैं हनुमान भक्त मान्यता है कि पूरी होती है

दूसरे राज्यों के भक्त भी आते हैं भंडारे का प्रसाद लेने

153 साल का इतिहास संजोए है रामलीला

नर्मदापुरम। करीब देढ़ 153 साल पुरानी परंपरा आज भी निभाई जा रही है। शहर के बुजुर्ग बताते हैं कि धार्मिक, सामाजिक और सांस्कृतिक त्रिवेणी बन चुकी इस रामलीला की शुरूआत वर्ष 1870 के आस-पास सेठ नन्हेलाल रईस ने की थी। हालांकि, वर्ष 1885 से इसका नियमित मंचन शुरू हुआ, जो अब तक जारी है। लीला का नियमित मंचन शुरू होने के बाद सेठ नन्हेलाल ने करीब 20 हजार रूपए खर्च कर रामलीला के लिए आवश्यक संसाधन बनारस से खरीदे थे। इनमें जरीदार पोशाक, चांदी के मुकुट, छत्र, कवच, राज सिंहासन, चांदी का दंड, चांदी की चंवर आदि शामिल थे। सेठा नन्हेलाल के निधन के बाद रामलीला की जिम्मेदारी छोटे भाई सेठ घासीराम और सेठानी सरजूबाई ने संभाली। वर्ष 1930 से शर्मा परिवार के सदस्य व्यवस्था संभाल रहे हैं। वर्ष 1970 तक पंडित रामलाल शर्मा ने जिम्मेदारी संभाली। उन्होंने इसका एक ट्रस्ट बना दिया। वर्तमान में पूर्व विधायक पं. गिरिजाशंकर शर्मा इसके अध्यक्ष हैं। रामलीला क्षेत्र में ही नहीं बल्कि पूरे संभाग में सबसे प्राचीन है।

जलेंगे दीप, मनेगी दीवाली, बैतूल तैयार लाइव टेलीकास्ट के साथ होगा भंडारा

हर जलने वाला दीपक कारसेवकों के बलिदान को होगा समर्पित

बैतूल। रामलला के मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा के अवसर को ऐतिहासिक बनाने के लिए बैतूल में लगभग सभी बड़े-छोटे मंदिरों में दीवाली मनेगी। जिले में मां ताप्ती के मंदिर, बालाजीपुरम मंदिर, केरपानी समेत दर्जन भर प्रसिद्ध हनुमान मंदिर, शिव मंदिर, मठारदेव मंदिर सरीखे सभी प्रमुख मंदिरों में अयोध्या में प्राण-प्रतिष्ठा का लाइव प्रसारण होगा। साथ ही शाम को कहीं 101 तो कहीं 501 दीपक प्रज्ज्वलित किए जाएंगे। साथ ही भंडारे का भी आयोजन रखा गया है। सेम वर्मा के अनुसार करीब 500 साल के अंधियारे के बाद अब रामराज्य के उजाले को प्रतिबिंबित करने के लिए बालाजीपुरम में तीन दिनों तक 500 दीपक संध्या आरती के बाद जलाए जाएंगे। हर एक दीपक उन शहीदों को समर्पित है जिन्होंने अपने खून-पसीने के साथ इस सनातन गौरव के लिए जीवन अर्पित कर दिया। इसके साथ ही 22 जनवरी को सुबह 11 बजे से अयोध्या के कार्यक्रम का लाइव प्रसारण बालाजीपुरम गार्डन में किया जाएगा। प्राण-प्रतिष्ठा के बाद दोपहर 1 बजे से शाम तक सतत भंडारा चलता रहेगा। भक्तों की भीड़ भी रहेगी।

- प्राण-प्रतिष्ठा के बाद दोपहर 1 बजे से शाम तक सतत भंडारा चलता रहेगा

आनंदोत्सव के रूप में मनाया जाएगा प्राण-प्रतिष्ठा उत्सव

असंख्य दीपों से रोशन होंगे मंदिर सेठानी घाट पर जलेंगे 11 हजार दीप

» सेठानी घाट पर तीन दिन तक रामलीला का आयोजन होगा

» सेठानी घाट पर स्थित नर्मदा मंदिर करीब 200 वर्ष पुराना

नर्मदापुरम। इस ऐतिहासिक अवसर पर नर्मदांचल में विधिव कार्यक्रम होंगे। जिले में मेरा गांव मेरी अयोध्या अभियान में प्रभात फेरियों का आयोजन किया जा रहा है। एक ओर जिला प्रशासन विभिन्न गतिविधियां करा रहा है, वहीं प्रभु श्रीराम के सेवक सहित घरों और मंदिरों में दीपोत्सव की तैयारियां हैं।

सेठानी घाट पर तीन दिन तक रामलीला का आयोजन होगा। शहर के मंदिरों में अयोध्या का लाइव प्रसारण 21 एलईडी से दिखाया जाएगा। तैयारियों से अंदाजा लगाया जा सकता है कि 22 जनवरी को दीपावली जैसा दृश्य दिखाई देगा। दीपक, झंडे, कटआउट, झालर और पूजन सामग्री से जुड़े व्यापारियों के अच्छे दिन आ गए हैं। अकेले सेठानी घाट पर 11 दीप जलाकर आनंदोत्सव मनाया जाएगा।

कई मंदिरों का दशकों पुराना इतिहास

नर्मदापुरम जिले की केसला तहसील को छोड़कर सभी अन्य तहसील मां नर्मदा से सटी हुई हैं। ऐसे में नर्मदा के घाटों पर असंख्य मंदिर मौजूद हैं जिनमें रामनाम की महिमा हमेशा ही सुनाई देती है। कई मंदिर तो ऐसे हैं जिनमें साल के बाहर महीने रामायण पाठ और सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया जाता है। मां नर्मदा की तरह ही नर्मदापुरम जिले में मौजूद कई मंदिरों का इतिहास दशकों पुराना है। जिसमें सेठानी घाट पर स्थित नर्मदा मंदिर करीब 200 वर्ष पुराना है। मंदिर के पुजारी भालचंद खड्डर का कहना है कि मेरी उम्र 78 वर्ष है और मैं करीब 68 वर्षों से इस मंदिर में पुजारी हूं। इसी तरह जगदीश मंदिर के महंत नारायण दास का कहना है कि जगदीश मंदिर में मुझसे पहले दस महंत रह चुके हैं और मैं 11वां महंत हूं। सेठानी घाट पर स्थित प्राचीन श्रीराम जानकी मंदिर करीब 400 वर्ष पुराना है।

हनुमान मंदिर से 51 फीट की ध्वजा के साथ ध्वज यात्रा निकाली जाएगी

देशी घी से बने एक क्विंटल लड्डुओं का होगा वितरण

11 हजार दीपों से जगमगाएगा प्राचीन मिश्र तालाब, 56 भोग के साथ होगी गंगा आरती

दीपक जलाने के लिए 6 टन तेल और 3 किलो से अधिक रुई की बत्तियां दीप प्रज्वलन के लिए उपयोग में लाई जाएंगी।

रायसेन। सभी मंदिरों में विशेष पूजा अर्चना और भंडारे का आयोजन किया जाएगा। शहर के प्राचीन मिश्र तालाब के घाटों पर 11 हजार दीपक जलाए जाएंगे तथा माता मंदिर चौराहे पर देशी घी से बने एक क्विंटल लड्डुओं का वितरण किया जाएगा। साथ ही पाटनदेव हनुमान मंदिर से 51 फीट की ध्वजा के साथ ध्वज यात्रा निकाली जाएगी।

दीपक जलाने के लिए 6 टन तेल और 3 किलो से अधिक रुई की बत्तियां दीप प्रज्वलन के लिए उपयोग में लाई जाएंगी। वहीं तालाब के घाट पर भगवान श्रीराम पर आधारित एक रंगोली बनाई जाएगी तथा 56 भोग भी लगाए जाएंगे। और गंगा आरती की जाएगी। श्री राम चरण सेवा ट्रस्ट द्वारा शहर के माता मंदिर चौराहे पर 22 जनवरी को सुबह 11 बजे से शाम 5 बजे तक देशी घी के लड्डुओं का वितरण किया जाएगा। इसके लेकर देशी घी के लड्डुओं को आर्डर भी कर दिया गया है। श्री राम चरण सेवा ट्रस्ट के सदस्य दिनेश अग्रवाल ने बताया कि कार्यक्रम को भव्यता देने की पूरी तैयारी की जा चुकी है साथ में मिश्र तालाब पर बनाए जा रहे मंदिर मैं भी विद्युत सजा सज्जा की जाएगी व फूलों से सजाया जाएगा।

खरगावली हनुमान मंदिर पर 7 दिन होंगे धार्मिक आयोजन

रायसेन के ग्राम खरगावली हनुमान मंदिर में शिव परिवार, राम दरबार, राधा कृष्ण, और मां दुर्गा की प्राण प्रतिष्ठा की जा रही है, जहां 22 जनवरी तक लगातार मंदिर पर कई धार्मिक आयोजन भी किए जाएंगे। मंदिर प्रांगण में हवन शुरू किया जा रहा है, जिसमें मुख्य यजमानों द्वारा लगातार 22 जनवरी तक आहुति दी जाएगी। पंडितों द्वारा पूरे मंत्र उच्चारण के साथ 22 जनवरी को भगवान श्री राम दरबार शिव परिवार राधा कृष्ण और माता दुर्गा की स्थापना साथ ही प्रसाद वितरण किया जाएगा। यह आयोजन समस्त ग्राम खरगावली के रहवासियों द्वारा किया जा रहा है।

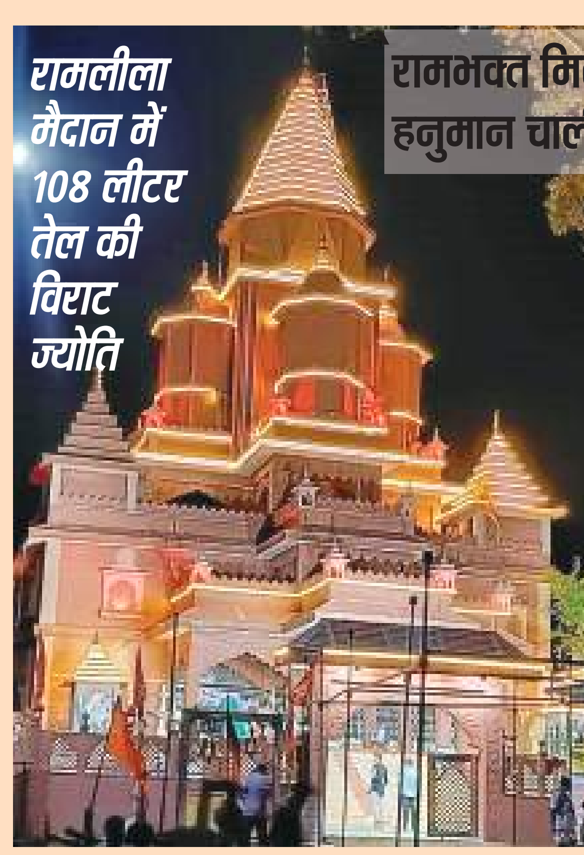

रामलीला मैदान में 108 लीटर तेल की विराट ज्योति

रामभक्त मिलकर 11 सौ सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ करेंगे

निकलेगी भगवान श्रीराम की भव्य शोभायात्रा

बरेली। हिंदू उत्सव समिति के पूर्व अध्यक्ष राधेश्याम पालीवान ने बताया कि नगर में 6 स्वागत द्वार बनाए जाएगे। रामलीला मैदान में 108 लीटर तेल की विराट राम ज्योति जलाई जाएगी। 11 हजार दीपों से अखंड भारत का नक्शा रोशन होगा। भव्य आकाशीय आतिशबाजी होगी। रामलीला मैदान स्थित श्रीराम दरबार मंदिर के प्रांगण में 11 सौ श्रद्धालुओं द्वारा एक साथ सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ किए जाएगे। इसी के साथ श्रीराम विजयमंत्र का सामूहिक जाप होगा। कार सेवकों का भी सम्मान किया जाएगा। बाहर से आई और स्थानीय भजन मंडलियों द्वारा 22 जनवरी की रात में आज की शाम श्रीराम के भजनों के नाम कार्यक्रम की संगीतमयी प्रस्तुति दी जाएगी।

1100 दीपों से जगमग होगा मां विजयासन मंदिर

सिलवानी। मां विजयासन मंदिर के अध्यक्ष नीरज नाम का तूने बताया कि इस दिन मंदिर में विषय आयोजन किए जाएंगे। दिन में आकर्षक विद्युत सजावटी जाएगी। सुबह से देर रात तक विभिन्न धार्मिक आयोजन संपन्न होंगे। 1100 दीप जलाए जाएंगे। इसके अतिरिक्त 56 भोग लगाए जाने के साथ ही रात्रि भजन संध्या और महा आरती की जाएगी।

रिपु रन जीति सुजस सुर गावत। सीता सहित अनुज प्रभु आवत॥
सुनत बचन बिसरे सब दूखा। तृषावंत जिमि पाइ पियूषा॥

भावार्थ:- शत्रु को रण में जीतकर सीता और लक्ष्मण सहित प्रभु आ रहे हैं, देवता उनका सुंदर यश गा रहे हैं। ये वचन सुनते ही भरत सारे दुःख भूल गए। जैसे प्यासा आदमी अमृत पाकर प्यास के दुःख को भूल जाए।

श्री राम लला प्राण प्रतिष्ठा

कुबेरेश्वरधाम में दिखेगी अयोध्या की झलक

महादेव मंदिर में जलाए जाएंगे 51 हजार दीपक

आज सुबह बाबा की विशेष आरती की जाएगी

सनातन धर्म के गौरवशाली इतिहास से होंगे रूबरू

सीहोर। आगामी अयोध्या की तरह जिला मुख्यालय के समीपस्थ चितावलिया हेमा स्थित निर्माणाधीन मुरली मनोहर एवं कुबेरेश्वर महादेव मंदिर में रामलला प्राण-प्रतिष्ठा की झलक देखने को मिलेगी। मंदिर में अंतर्राष्ट्रीय कथा वाचक भागवत भूषण पंडित प्रदीप मिश्रा के निर्देशानुसार कई कार्यक्रम कराए जाएंगे, इसे लेकर तैयारियां की जा रही हैं।

22 जनवरी को सुबह बाबा की विशेष आरती की जाएगी और उसके पश्चात भंडारे के अलावा दीपोत्सव का आयोजन किया जाएगा। गत दिनों भागवत भूषण पंडित मिश्रा ने अपने संदेश में कहा कि अनोखे ढंग से 22 जनवरी का दिन मनाया जाएगा, ताकि हर व्यक्ति के मन में इस दिन के प्रति जोश और उत्साह बढ़े इस पर काम किया जा रहा है। भगवान श्रीराम हम सब के आदर्श है, 14 वर्ष के वनवास के बाद अयोध्या लौटने पर मनाई गई दीपावली की तर्ज पर 500 वर्षों के लंबे समय के बाद हो रही प्राण प्रतिष्ठा की खुशी में 22 जनवरी को घर-घर दीपावली मनाई जाए। इसके लिए पंडित मिश्रा ने सभी क्षेत्रवासियों और देशवासियों से कहा कि प्राण-प्रतिष्ठा का महोत्सव आस्था के साथ मनाए। श्रीराम के महत्व को लोगों को समझाया है।

भगवान राम ने कई ऐसे महान कार्य किए हैं जिसने सनातन धर्म को एक गौरवमयी इतिहास प्रदान किया है। विठलेश सेवा समिति के मीडिया प्रभारी प्रियांशु दीक्षित ने बताया कि आगामी 22 जनवरी को अयोध्या में होने वाले प्राण-प्रतिष्ठा को लेकर कुबेरेश्वरधाम पर गुरुदेव के आदेशानुसार भव्य तैयारियां की जाएंगी। भव्य आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालु धाम पर आएंगे और करीब 51 हजार दीपों से धाम को रोशन किया जाएगा। इसके अलावा भंडारे का आयोजन भी किया जाएगा।

सभी विकासखंडों, तहसीलों में प्रमुख मंदिरों में एलईडी से होगा प्रसारण

वृंदावन बाग मंदिर में 5100 दीपक जलाए जाएंगे, रंगोली सजाई जाएगी

कलश यात्रा, रंगोली सहित अन्य गतिविधियां होंगी आयोजित

सागर। 22 जनवरी को अयोध्या में भगवान श्री राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के शुभ अवसर पर जिले का मुख्य कार्यक्रम सागर बस स्टैंड स्थित वृंदावन बाग मंदिर में आयोजित होगा। जहां 5100 दीपक जलाए जाएंगे एवं रंगोली सजाई जाएगी। कलेक्टर दीपक आर्य ने बताया कि अयोध्या में 22 जनवरी को भगवान श्री राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर शासन के निर्देशानुसार सभी शासकीय कार्यालय में 21 से 26 तारीख तक सजावट की जाएगी। इसी प्रकार 16 से 26 तारीख तक सभी धार्मिक मंदिरों में भी सजावट होगी। उन्होंने बताया कि जिले का मुख्य कार्यक्रम वृंदावन बाग मंदिर में हुआ जहां पर एलईडी के माध्यम से कार्यक्रम का सीधा प्रसारण दिखाया जाएगा। कार्यक्रम में सभी धर्म गुरुओं के साथ जनप्रतिनिधियों को भी आमंत्रित किया जा रहा है। इस अवसर पर 5100 दीपक जलाए जाएंगे एवं रंगोली भी सजाई जाएगी। उन्होंने बताया कि 22 तारीख को विशाल कलश यात्रा शहर के प्रमुख मार्ग से निकाली जाएगी, जिसमें सभी धर्म गुरुओं एवं जनप्रतिनिधियों की माध्यम से अधिक से अधिक संख्या में कलश यात्रा में शामिल होने की अपील की जा रही है। कलेक्टर आर्य ने बताया कि जिले के सभी विकासखंडों, तहसीलों में प्रमुख मंदिरों में एलईडी के माध्यम से कार्यक्रम दिखाने की व्यवस्था की जा रही है। इसी प्रकार सभी ग्राम पंचायत सहित अन्य ग्रामों में भी कार्यक्रम दिखाने के लिए टीवी लगाई जा रही है। उन्होंने बताया कि मंदिर समितियां और ट्रस्टों के माध्यम से भंडारा आयोजित भी किए जाएंगे।

कई मंदिरों पर होता है अखंड रामायण पाठ
सरकार के रूप में जाने जाते हैं अनेक मंदिर

आज जलेंगे 51000 दीपक बंटेगी 10 क्विंटल मिठाई

अशोकनगर। शहर के लहर आश्रम पर पिछले कई सालों से अखंड रामायण पाठ होता आ रहा है। यहां 25 अप्रैल 2013 से लगातार 24 घंटे अखंड रामायण का पाठ 8 ब्राह्मणों द्वारा किया जाता है।

कोरोना काल में भी यह पाठ जारी रहा जो निरंतर आज तक जारी है। मंदिर के महंत विष्णु दास महाराज ने बताया कि यहां हनुमान जी का मंदिर है और 22 जनवरी को ही यहां राम जानकी जी की प्रतिमा की स्थापना का भव्य कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इसमें कई महंत शामिल होंगे। यह आश्रम 45 साल पुराना है और हनुमान जी की प्रेरणा से रामायण पाठ की शुरुआत की गई थी। शहर के तार वाले बालाजी मंदिर को तार वाले बालाजी के नाम से जानते हैं।

आज जिले के 350 मंदिरों में होंगे कार्यक्रम, कई जगह भंडारे होंगे

श्योपुर में बने राम मंदिर में भी होगी अयोध्या की तरह भगवान श्रीराम की प्राण-प्रतिष्ठा

श्योपुर। 22 जनवरी को अयोध्या की तरह शिव की नगरी श्योपुर भी पूरी तरह राममय नजर आएगी। क्योंकि, श्रीराम जन्मभूमि अयोध्या में बने भव्य श्रीराम मंदिर में 22 जनवरी को श्रीरामलला की प्राण-प्रतिष्ठा जिस तरह विधि-विधान से होगी, उस तरह श्योपुर शहर के फक्कड़ चौराहे पर बनाए गए राममंदिर में भी भगवान श्रीराम की प्राण-प्रतिष्ठा की जाएगी। यहां प्राण-प्रतिष्ठा के साथ ही रामकथा का आयोजन भी शुरू किया जाएगा। इसके अलावा जिले के 613 गांवों के 350 मंदिरों में भी 22 जनवरी को श्रीरामलला की प्राण-प्रतिष्ठा होने के उपलक्ष्य में कई तरह के धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। वहीं जिले के बड़े धार्मिक मंदिरों में अखंड रामायण पाठ, सुंदरकांड पाठ तथा भंडारे के आयोजन किए जाएंगे। यहां लाइव प्रसारण के लिए एलईडी की व्यवस्था भी की जाएगी। इसके अलावा शहर श्योपुर सहित कराहल, बडौदा, चंद्रपुरा, पांडोला, प्रेमसर, मानपुर, सोंईकलां, ढोढर, दांतरदा, रघुनाथपुर, वीरपुर, विजयपुर सहित अन्य कई गांवों में शोभायात्राएं भी निकाली जाएंगी।

आज से श्रीरामकथा भी शुरू होगी, जो 9 दिन तक चलेगी

रामलीला का भी होगा मंचन

शहर के फक्कड़ चौराहा क्षेत्र में बने भगवान श्रीराम के नए मंदिर की सूत्रधार रामभक्त कोमल किन्नर हैं और उसके विशेष प्रयासों के चलते ही यह मंदिर बन सका है। जिसमें 22 जनवरी को अयोध्या के राम मंदिर की तरह भगवान श्रीराम की प्राण-प्रतिष्ठा की जाएगी। कोमल ने बताया कि 22 जनवरी को भगवान श्रीराम की प्रतिमा की प्राण-प्रतिष्ठा से पहले शहर में भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। यह शोभायात्रा टोड़ी गणेश मंदिर से शुरू होगी और शहर के र मार्गों से होते हुए नव निर्मित राम मंदिर पर पहुंचेगी।

खर्चों के लिए एक वर्ष के मान से काटते हैं 365 रुपए की 365 रसीदें

गाय के गोबर के कंडे की भस्म तैयार कर शिवजी को अर्पित की जाती है

राजगढ़ के इस मंदिर में 1984 से जारी है अखंड रामायण पाठ

राजगढ़। राजगढ़ जिले के पचोर नगर स्थित प्राचीन शिवालय में बीते 39 वर्षों से अखंड रामायण पाठ अनवरत जारी है। भगवान भोलेनाथ के इस मंदिर में अखंड रामायण पाठ का यह क्रम 7 फरवरी 1984 से आरंभ हुआ था जिसे कभी टूटने नहीं दिया गया। मंदिर के व्यवस्थापकों में शामिल देवेंद्र पाराशर बताते हैं कि नगर के प्रबुद्धजनों के सहयोग से अखंड रामायण पाठ करीब चार दशकों से किया जा रहा है। इसके लिए एक समिति भी गठित है। समिति के गठन से आज तक श्रीराम गोयल इस समिति के अध्यक्ष हैं। मंदिर की एक विशेषता यह भी है कि यहां भगवान भोलेनाथ को गाय के गोबर के कंडे की भस्म तैयार कर शिवजी को अर्पित की जाती है।

रामायण पाठ समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि अखंड पाठ के आवश्यक खर्चों के लिए नगर के 365 लोगों की 1 रुपए प्रतिदिन के मान से 365 दिन की रसीद बनाई जाती है। न एक रुपया कम और न ही एक रुपए ज्यादा की रसीद काटते हैं। समिति ने चार रामायण पाठी भी नियुक्त कर रखे हैं। दो रामायण पाठी दिन में दो रामायण पाठी रात्रि के समय रामायण का पाठ करते हैं। इनके अलावा अन्य भक्तजन भी स्वेच्छा से आकर रामायण पाठ किया करते हैं।

आने वाली पीढ़ियों को संस्कारवान बनाने कुंवर कोटरी हनुमान मंदिर में यह प्रयोग

5 दशकों से अखंड ज्योति प्रज्वलित कर रामायण का पाठ निरंतर हो रहा

मंदिर का निर्माण 1900 के आसपास का बताया जाता

ब्यावरा। आस्था जब अपने चरम पर होती है तो छोटे से गांव से भी धर्म की अखंड ज्योति चारों और फैलकर धर्म का संरक्षण करती है। राजगढ़ की नरसिंहगढ़ तहसील के छोटे के गांव कुंवर कोटरी में पिछले 50 साल से ज्यादा समय से प्रज्वलित अखंड दीप और हनुमान मंदिर में चलता अखंड रामायण का पाठ श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। मंदिर में स्थापित हनुमान जी की प्रतिमा कब स्थापित हुई इसके बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है, परंतु मंदिर का निर्माण 1900 के आसपास का बताया जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि श्रीराम के चरित्र के सतत पाठ से हमारी आने वाली पीढ़ियां संस्कारवान होंगी, इसलिए हमने इसको अपनी जिम्मेदारी मानते हुए भी लगातार जारी रखा है। कई सरकारी नौकरी करने वाले एवं अधिकारी भी आकर मंदिर में चल रही अखंड रामायण का पाठ करते हैं। उल्लेखनीय है कि गांव के आत्माराम पटेल, रूगनाथ पटेल व अन्य लोगों ने मिलकर हनुमान मंदिर में अखंड रामायण का पाठ जारी रखने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

हरषि भरत कोसलपुर आए। समाचार सब गुरहि सुनाए॥
पुनि मंदिर महँ बात जनाई। आवत नगर कुसल रघुराई॥

भावार्थः- इधर, भरत भी हर्षित होकर अयोध्यापुरी में आए और उन्होंने गुरु को सब समाचार सुनाया। फिर राजमहल में खबर सुनाई कि रघुनाथ कुशलतापूर्वक नगर को आ रहे हैं।

श्री राम लला प्राण प्रतिष्ठा

राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के बाद देश में शुरू होगा 'राम राज्य'

जब रामजी विराज रहे हैं, तब जाकर अयोध्या अयोध्या बनी

यह समय भक्तजनों के लिए किसी उत्सव से कम नहीं, इससे भारत व सनातनियों का उत्थान होगा

अयोध्या में बने रामलला के भव्य राम मंदिर में होने वाली प्राण प्रतिष्ठा की तैयारियां पूरी हो गई। राम भक्तों व सनातनियों में उत्साह दिखाई दे रहा है, प्रभु श्रीराम की जन्मभूमि अयोध्या में बना राम मंदिर सनातन प्रेमियों के लिए खास महत्व रखता है। यह मंदिर इसलिए भी हमारे लिए खास है क्योंकि इसके लिए लंबी लड़ाई लड़ी गई है। यह समय भक्तजनों के लिए किसी उत्सव से कम नहीं है। अत्यंत श्रेष्ठ है, भारत व सनातनियों का उत्थान होगा। अब जब प्रभु श्रीराम अयोध्या में विराजमान हो रहे है। तो हम कह सकते हैं कि अयोध्या अब अयोध्या बनी है। राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के बाद देश में राम राज्य शुरू होने जा रहा है। अब सनातन धर्म के हिंदुओं एक हो जाओ इससे अच्छा मौका नहीं मिलेगा। भगवान श्री रामचंद्र चिर सनातन संस्कृति के वाहक हिंदू धर्म की आस्था के प्रतीक हैं। कई दशक पुराना संकल्प पूर्ण हो गया है। हम सब जानते हैं कि अयोध्या वह देव भूमि हैं, जहां भगवान श्री राम जी का जन्म हुआ था। भगवान श्री राम का मंदिर था जिसे बाबर ने 1528 में तोड़ कर बाबरी मस्जिद बना दी, यह हिंदुओं की आस्था पर एक गहरी चोट थी । अब एक लंबे समय और संघर्ष के बाद हमारी संस्कृति के प्रतीक और हमारी आस्था का केंद्र श्री राम का मंदिर बनाया गया है। जब अब पूरे उत्साह के साथ 22 जनवरी को भगवान श्रीराम विराजमान हो रहे है।

रामप्रवेश दास महाराज
भोपाल, गुफा मंदिर के महंत

समस्त सनातनियों के लिए हर्ष और गौरव का विषय

श्री राम की जन्मभूमि के दर्शन करना आज पूरे विश्व की इच्छा

रामचंद्र के राज्य की, तुलना नहि संसार। जनता सारी सुखी थी, पाया प्रभु का प्यार। जिस प्रकार त्रेता युग में भगवान श्री राम के राज्य में जनता में हर्ष व्याप्त था। राम नाम का चारों तरफ जय जयकार था। वही वातावरण देखने के लिए मिल रहा है। यह अत्यंत हर्ष का विषय है। जो भगवान श्री राम कण-कण में व्याप्त हैं, जिनका ध्यान स्वयं भगवान भोलेनाथ करते हैं । ऐसे भगवान हमारे भारत वर्ष के अयोध्या की इस पावन भूमि पर जन्म लिए। ऐसे श्री राम की जन्मभूमि का दर्शन आज पूरा विश्व करना चाहता है। इस समय सभी अयोध्या आने के लिए लालायित हैं। यह ऐतिहासिक क्षण समस्त सनातनियों के लिए हर्ष और गौरव का विषय है। आज कई वर्षों बाद भगवान श्री रामलला की मूर्ति टेंट से निकलकर इस भव्य मंदिर में विराजमान हो रही है। मां शारदा शक्ति पीठ मैहर धाम की ओर से समस्त सनातनियों एवं रामभक्तों को बहुत बहुत बधाई देते हुए वर्तमान सरकार को साधुवाद देता हूं।

पवन पांडेय
मां शारदा शक्ति पीठ मैहर धाम के प्रधान पुजारी

राम परंपराओं के संवाहक और मर्यादा के संरक्षक

अपनी जन्मभूमि से बढ़कर श्री राम स्वर्ग भी नहीं मानते बस यही तो है 'राम राज्य'

आज यदि पुत्र में अपनी जन्मदात्री माता-पिता और भाई के प्रति यही विश्वास और प्रेम जाग्रत हो जाए तो रामराज्य की स्थापना लगभग हुई समझो।

'रामो विग्रहवान् धर्मः' श्रीराम धर्म है। वह धर्म जिसे धारण किया जाना चाहिए और जिसके धारण करने में कोई अड़चन या असुविधा नहीं बल्कि मनुष्य और मानवता दोनों ही निखर जाते हैं। भगवान द्वारा पिता की आज्ञा पालन से लेकर प्रजा पालन में अपने व्यक्तिगत जीवन के सुखों का त्याग वर्तमान परिप्रेक्ष्य में प्रत्येक मनुष्य के लिए उदात्त उदाहरण और अनुप्रयोग उपलब्ध कराता है। अपनी विमाताओं के प्रति भी राम का विश्वास और श्रद्धा दोनों अचल है। वहीं दूसरी ओर भ्राता भक्ति में स्वयं कैकयी पुत्र भरत स्वमाता का त्याग करने को उद्यत थे। आज यदि पुत्र में अपनी जन्मदात्री माता-पिता और भाई के प्रति यही विश्वास और प्रेम जगरित हो जाए तो रामराज्य की लगभग स्थापना हुई समझो। राम शुचिता के पूरक हैं। अपनी नवोढ़ा पत्नी जनक दुलारी सीता के प्रति राम के निरपराध प्रेम, एक पत्नीव्रत व दृढ़ विश्वास विश्व के समस्त दंपती के लिए आचरणीय है। लंका के भीषण आसुरी अंधकार में भी सीता के अंतःकरण में वह पातितव्रत्य की ज्योत ज्यों की त्यों जलती रही। विश्व विजेता रावण क्षण निमिष भी सीता के सम्मुख उपस्थित नहीं रह सका।

पं. कैलाश चंद्र भट्ट
मंदसौर में भगवान पशुपतिनाथ मंदिर के प्रधान पुजारी

लंका विजय राम की युक्ति का ही परिणाम

परायण और शरणागत वत्सल है। राम ने अपने दुःख और व्यक्तिगत मनोरथ को पीछे रखकर सदैव अपनी मित्रता का मान रखा। निषाद राज गुह और सुग्रीव भगवान श्रीराम के अनन्य मित्र थे। वनासी गुह और वानर सुग्रीव असुरराज विषीभण में कभी भी राम ने अन्यथा भाव नहीं देखा। व्यक्तिगत स्वार्थ से मित्रता एक भी प्रमाण राम के जीवन में नहीं मिलता है। साधिका शबरी के प्रति भी राम का सख्य भाव अत्यंत विलक्षण व दुर्लभ है। राम दुष्ट दलन हैं। राम इतने कोमल हैं कि जनकपुरी की अंगनाए उनका दर्शन करते हुए व्याकुल हो उठती हैं। यह सुकोमल कैसे शिव धनुष पर प्रत्यंचा चढ़ाएंगे। किंतु वही राम रावण के अक्षय असुर साम्राज्य का कुल-मूल नाश कर देते हैं। बाली के अपराध पर राम दंड देकर स्त्री जाति के सम्मान की सुरक्षा और संरक्षा का वचन दिया। जो कि आज की विभीषिका बना हुआ है। वहीं दूसरी और राम अमर्यादित सूर्पनखा को लक्ष्मण के माध्यम से दंड देकर यह संदेश भी देते हैं कि नारी का आभूषण उसकी लज्जा मर्यादा ही है जिसका उसे सदैव रक्षण करना चाहिए। कुलांगनाओं को स्वतंत्रता और स्वच्छंदता में अंतर जानना चाहिए। राम युक्ति युक्त हैं। रावण ने संभवतः यही अनुमान किया था कि राम जंगलों में सीतामाता को खोजते-खोजते भटकते रह जाएंगे किंतु राम की युक्ति ने वानरों की ऐसी विशाल सेना का निर्माण कर दिया की रावण की अभेद्य लंका धुंआ-धुंआ हो गई। अभाव की कसौटी को ताक पर रखकर लंका विजय राम की युक्ति का ही परिणाम है।

अपनी प्रजा को भी सदाचरण का पाठ पढ़ाया

राम परंपराओं के संवाहक और मर्यादा के संरक्षक हैं। कर्तुं अकुर्तं अन्यथा कर्तु समर्थ होने पर भी राम ने कभी मर्यादा का हनन नहीं होने दिया। श्रीराम सदैव मर्यादित आचरण में रहे तथा अपनी प्रजा को भी सदाचरण का पाठ पढ़ाया। सर्वज्ञ होते हुए भी महर्षि वशिष्ठ के आश्रमस्थ गुरुकुल में रहकर समस्त विद्याओं का पुनः ज्ञान प्राप्त किया। अपने गुरुजनों के प्रति राम सदैव नम्र और कृतज्ञ रहे। परशुरामादि ऋषियों के प्रति भी राम की अनुरक्ति अति विलक्षण थी। गौतम ने पत्नी अहिल्या के उद्धार हेतु चरण रज भी प्रदान कर दी और चरण स्पर्श भी नहीं होने दिया। ऐसी विलक्षण मर्यादा है राम की।

संतजी की दो ही इच्छा थीं, पहली भव्य राम मंदिर और दूसरी सामाजिक समरसता

अपनी सनातन परंपरा में आत्मा अजर अमर होती है। 12 सितंबर 2014 को ब्रह्मलीन हुए गोरक्ष पीठाधीश्वर महंत अवैद्यनाथ (बड़े महराज) की आत्मा इन दिनों बहुत खुश होगी। क्योंकि वह राम मंदिर आंदोलन के नायकों में से एक थे। उनके पास मंदिर आंदोलन के दौरान दो सबसे अधिक अहम पदों (राम जन्म भूमि यज्ञ समिति और राम जन्म भूमि न्यास के अध्यक्ष) थे। ये दायित्व इस बात का प्रमाण है कि आजादी के आंदोलन के बाद देश की राजनीति की दशा और दिशा बदलने वाले राम मंदिर आंदोलन में उनका क्या कद था?

अपने संघर्ष और सपने को साकार होता देख आज बेहद खुश होंगे 'बड़े महराज'

उम्र भर जन्मभूमि पर भव्य मंदिर निर्माण ही तमन्ना रही

एक ऐसा संत जो आंदोलन से जुड़े सबके लिए स्वीकार्य था। जिसकी जिंदगी में दो ही इच्छा थी। अयोध्या में रामलला की जन्म भूमि पर भव्य मंदिर का निर्माण और सामाजिक समरसता। वह चाहते थे कि मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम जिस तरह से उस समय समाज के वंचितों के त्राता बने थे। जिस तरह समाज के इस वर्ग को समय समय पर उचित सम्मान देकर खुद से जोड़ा था। लोगों को सामाजिक समरसता का संदेश दिया, उसी तरह बहुसंख्यक हिन्दू समाज भी ऊंच नीच, छुआछूत और अस्पृश्यता को छोड़ कर एकजुट हो। इसके लिए अपने हर संबोधन में गोस्वामी तुलसीदास के रामचरित मानस से अहिल्या का उद्धार, वन गमन के दौरान निषाद राज को गले लगाना, गिद्ध राज जटायु का अपने पिता की तरह अंतिम संस्कार, दलित सबरी के जूठे बेर खाना, कोल, किरात और गिरिजनों से सद्भाव स्थापित करने का उदाहरण अनिवार्य रूप से देते थे। साथ ही इसका कारण भी गिनाते थे।

गोरक्ष पीठाधीश्वर महंत अवैद्यनाथ (बड़े महराज)

होती थी लंबी गुफ्तगू

याद तो उन सारे लोगों (ब्रह्मलीन महंत रामचन्द्रदास परमहंस, महंत अभिराम दास, देवरहा बाबा, स्वामी करपात्री महाराज, बलरामपुर स्टेट के महाराज पाटेश्वरी सिंह, मोरोपंत पिंगले, विशाल हिंदू एकता के पैरोकार और विश्व हिंदू परिषद के अध्यक्ष रहे स्वर्गीय अशोक सिंघल, पूर्व उप प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी, उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय कल्याण सिंह, मध्य प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री सुश्री उमा भारती, साध्वी ऋतंभरा, महंत नृत्य गोपाल दास, कन्हैया लाल माणिक मुंशी, गोरखपुर स्थित गीता प्रेस को नई ऊंचाई देने वाले हनुमान प्रसाद पोद्दार (भाईजी), नानाजी देशमुख, बाबा राघवदास, विष्णु हरि डालमिया, दाऊदयाल खन्ना, इलाहाबाद हाईकोर्ट के सेवानिवृत न्यायाधीश देवकी नंदन अग्रवाल, गोपाल सिंह विशारद, एचवी शेषाद्रि, केएस सुदर्शन, स्वामी वासुदेवानंद सरस्वती, स्वामी वामदेव, श्रीचंद दीक्षित, राजमाता विजया राजे सिंधिया, आचार्य धर्मेंद्र, उनकी भी जिन्होंने इसके लिए तमाम कष्ट सहे और जेल गए। इनमें से कई लोग ऐसे थे जिनका मंदिर आंदोलन के दौरान महंत अवैद्यनाथ से अक्सर मिलना होता। आंदोलन की रणनीति के बाबत लंबी गुफ्तगू होती थी।

कंटेंट टीमः भोपाल से कपिलदेव श्रीवास्तव, सतना से मनोज रजक, मंदसौर से कमलेश मोदी और अयोध्या से अनिल के. अंकुर

खुश होना स्वाभाविक है

अब जब उनके ही काबिल शिष्य, गोरक्षपीठ के वर्तमान पीठाधीश्वर और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की देखरेख में अयोध्या में दिव्य और भव्य राम मंदिर का निर्माण हो रहा है। राम के जीवन से जुड़े उन सभी पात्रों को जो सामाजिक समसरसता के प्रतीक हैं, को उचित जगह दिया जा रहा है, तब उनका खुश होना स्वाभाविक है। उनके आत्मा की यह खुशी तब और बढ़ जाती होगी जब उनको मंदिर आंदोलन के बुनियाद के रूप में अपने गुरु ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ के योगदान की याद आती होगी।

तब अयोध्या रक्तरंजित हुई थी

यकीनन 6 दिसंबर 1992 को विवादित ढांचे के ध्वंस के दौरान खुद को राम के नाम पर बलिदान देने वाले रामभक्तों और 1990 में युवा कोठरी बंधु शरद और रामकुमार कोठरी सहित तमाम कारसेवकों की भी आती होगी जिनके खून से तब अयोध्या रक्त रंजित हुई थी उनकी भी आती होगी। इस सबके बावजूद अपने यहां कहावत है ,अंत भला तो सब भला। इस सुंदर समापन में किसी अपने की अहम भूमिका को देख तो यह खुशी और बढ़ जाती होगी।

जीवन का सबसे अहम पल मानते हैं योगी

राम मंदिर आंदोलन में गोरक्षपीठ की केंद्रीय भूमिका के ही मद्देनजर हाल में एक साक्षात्कार में पीठ के वर्तमान पीठाधीश्वर और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ प्राण प्रतिष्ठा को अपने जन्म और जीवन का सबसे महत्वपूर्ण पल बताया। साथ ही राम मंदिर आंदोलन में पीठ की पीढ़ियों के योगदान की भी चर्चा की। साथ ही राम जन्मभूमि मुक्ति समिति के उपाध्यक्ष और अयोध्या स्थित दिगंबर अखाड़े के महंत परमहंस रामचंद्र दास, विश्व हिंदू परिषद के कार्यकारी अध्यक्ष रहे स्वर्गीय अशोक सिंघल के योगदान की चर्चा करते हैं। इन दोनों का गोरक्षपीठ और बड़े महाराज से बहुत निकट का रिश्ता था।